



इन्दिरा गांधी
राष्ट्रीय मानव संग्रहालय
Indira Gandhi
Rashtriya Manav Sangrahalaya

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2015-16

वार्षिक प्रतिवेदन 2015-16
Annual Report 2015-16

©

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शमला हिल्स, भोपाल-462013 (म.प्र.) भारत
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Shamla Hills, Bhopal-462013 (M.P.) India

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति
(सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट XXI of 1860 के अंतर्गत पंजीकृत)
के लिए
निदेशक, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शमला हिल्स, भोपाल द्वारा प्रकाशित

Published by
Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya,
Shamla Hills, Bhopal
for Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti
(Registered under Society Registration Act XXI of 1860)

निःशुल्क वितरण के लिए
For Free Distribution

छायाचित्र : छाया अनुभाग
Photographs : Photography Section

सामग्री संकलन एवं अनुवाद : श्रीमती गरिमा आनंद
Text Compilation & Translation : Smt. Garima Anand

आकल्पन : के. शेषाद्री, कम्प्यूटर अनुभाग, इंग्रामासं
Designed and composed : K. Seshadri, Computer section, IGRMS

टंकण कार्य: आई. वानखेड़े
Text keying : I. Wankhede

मुद्रण : म. प्र. माध्यम, भोपाल
Printed at : MP Madhyam, Bhopal



सूची / Index

विषय Contents	पृष्ठ क्र. Page No.
निदेशक का संदेश Message from Director	05
सामान्य परिचय General Introduction	07
1. अधो संरचनात्मक विकास : (संग्रहालय संकुल का विकास) Infrastructure Development: (Development of Museum Complex)	09
1.1. प्रदर्शनियाँ / Exhibitions	09
1.2. आर्काइवल स्रोतों में अभिवृद्धि / Strengthening of archival resources	20
2. शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ/ Education & Outreach Activities	23
2.1. 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम / 'Do and Learn' Museum Education Programme	23
2.2. कलाकार कार्यशालाएं / Artist Workshops	26
2.3. संगोष्ठियाँ/परिसम्वाद/कार्यशालाएं Seminars/Conferences/Workshops	28
2.4. संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान / Museum Popular Lectures	32
2.5. वार्षिक इंग्रामास व्याख्यान / Annual IGRMS Lecture	34
2.6. प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन/ Performing Art Presentations	36
2.7. प्रकाशन /Publications	40
2.8. अन्य विशेष गतिविधियाँ / Other Special Activities	42

सूची / Index

विषय Contents	पृष्ठ क्र. Page No.
3. ऑपरेशन सल्वेज/ Operation Salvage	57
3.1. संकलन द्वारा सल्वेज / Salvage through Collection	57
3.2. क्षेत्रकार्य द्वारा सल्वेज / Salvage through Field Work	57
4. दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, मैसूर / Southern Regional Centre, Mysore	59
5. पूर्वोत्तर भारत की गतिविधियाँ / Activities for North-Eastern India	61
6. सुविधा इकाईयाँ / Facility Units	67
7. लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखे (2015-16) / Audit Report and Annual Accounts (2015-16)	71
7.1. वर्ष 2014-15 के लेखे पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं प्रमाण पत्र Audit Report and Audit Certificate on the accounts for the year 2015-16	72
7.2. वर्ष 2015-16 के लिए वार्षिक लेखा Annual Accounts for the year 2015-16	77
8. अनुलग्नक / Annexures	99
8.1. राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के सदस्य Members of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti(RMSS)	101
8.2. राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की कार्यकारी परिषद के सदस्य Members of the Executive Council of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti	103
8.3. कार्यकारी परिषद की वित्त समिति के सदस्य Members of the Finance Committee of the Executive Council	105



निदेशक का संदेश

Message from Director

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, which is perceived as one of the finest ethnographic museum of the world, is deeply committed to its core mandates: celebration of cultural diversity of India and promoting national integration. Through this national museum is located in Bhopal with a centre in Mysore (Southern Regional Centre), it carefully crafted its various activities spread over different regions of our nation. This annual report is a testimony to reflect on various kinds of activities we did to strengthen our open and indoor galleries and to revitalize various core cultural values of Indian civilization through artist workshops, outreach programmes, periodical as well as special exhibitions, research and extensive documentation of oral and performing traditions. Infact, we intend to build up

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, जो कि विश्व के श्रेष्ठतम मानवशास्त्रीय संग्रहालयों में से एक है, भारत में सांस्कृतिक विविधता को समारोहित करने तथा राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करने के अपने मूल उद्देश्य के प्रति संकल्पित है। यह संग्रहालय मैसूर में एक केंद्र (दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र) के साथ भोपाल में स्थित है, इस संग्रहालय ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में विस्तृत अपनी गतिविधियों का नियोजन अत्यंत सावधानीपूर्वक किया है। यह वार्षिक प्रतिवेदन हमारे द्वारा कलाकार कार्यशालाओं, आउटरीच गतिविधियों, सामयिक तथा विशेष प्रदर्शनियों, वाचिक तथा प्रस्तुतिकारी परम्पराओं के वृहद प्रलेखन के द्वारा अपनी मुक्ताकाश तथा अंतरंग दीर्घाओं के विकास तथा भारतीय सभ्यता के मौलिक सांस्कृतिक मूल्यों के पुनर्जीवीकरण हेतु की गई बहुविध गतिविधियों के प्रतिबिम्बन का प्रयास है। हमारा विश्वास है कि इन गतिविधियों के जरिये हम देश और राज्य की राजनैतिक सीमाओं से कहीं आगे निकल चुकी मानवीय प्रगति की भूत,



संग्रहालय परिसर में अपने पारम्परिक आवास के सम्मुख नृत्य करते वांचों कलाकार
Wancho artists performing traditional dance in front of their traditional dwelling in the museum premises

वर्तमान और भविष्य की यात्रा के बीच एक चक्रीय सम्वाद स्थापित कर सकते हैं।

इंगोरामासं भारत में जहाँ कि हमारे लोक अथवा जनजातीय समुदाय अपने जीवन उपयोगी भविष्य का स्वप्न संजोए हुए हैं, नव संग्रहालय आंदोलन का प्रतीक है। यह संग्रहालय पूर्वोत्तर भारत के लोगों के लिये उनके सृजनात्मक ज्ञान और सौन्दर्य बोध पर आधारित एक झरोखे का सृजन पहले ही कर चुका है। हमारा यथेष्ट प्रयास है कि डिजिटल व सोशल मीडिया के क्षेत्र में अपने भ्रमणार्थियों, अपने दर्शकों तथा मित्रों की अपेक्षाओं पर अपने प्रयासों से खरे उतरें। हम आशावन्वित हैं कि हमारे सम्मिलित प्रयासों और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से हम नव वर्ष में इस सार्वजनिक स्थल को मूल सभ्यतागत मूल्यों के पुनर्जीवीकरण तथा शिक्षा के एक स्थल के रूप में निर्मित करते हुए पहुँचेंगे।

स. चौधरी

प्रो. सरित कुमार चौधरी
निदेशक, इंगोरामासं, भोपाल

a circular dialogue with past, present and future journey of human progress which is expanded much beyond the political boundaries of a nation-state.

IGRMS symbolises new museum movement in India where our tribal or folk communities nurture their dream for a sustainable future. It has already created a niche for the people of North-East India based on their creative genius and aesthetic sensibilities. We are trying our best to live up to the expectation of our visitors, viewers and friends by strengthening our inputs in digital domain and social media. We are optimistic that through our collective endeavors and support from the Ministry of Culture, Govt. of India, we will excel in New Year by making this public space as space for learning and revitalization of core civilizational values.

Prof. Sarit Kumar Chaudhuri

Prof. Sarit Kumar Chaudhuri
Director, IGRMS, Bhopal

सामान्य परिचय General Introduction

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के एक स्वायत्तशासी संस्थान इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, (नेशनल म्यूजियम ऑफ मेनकाइंड) ने मार्च 1977 में नई दिल्ली में संस्कृति विभाग के एक अधीनस्थ कार्यालय के रूप में कार्य करना प्रारंभ किया। 1979 के प्रारंभ में मध्यप्रदेश राज्य शासन से 200 एकड़ का परिसर आबंटित होने पर यह संस्थान भोपाल स्थानांतरित किया गया। मार्च 1985 में संग्रहालय का दर्जा एक 'अधीनस्थ कार्यालय' से स्वायत्तशासी संस्थान का किया गया तथा संग्रहालय के कार्यक्रमों और गतिविधियों के पर्यवेक्षण और नियंत्रण का दायित्व 'राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति' को सौंपा गया। कालक्रम में संग्रहालय के विस्तार केंद्र के रूप में दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र ने कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा आबंटित धरोहर भवन 'वेलिंगटन हाउस' से मैसूर में अक्टूबर 2001 से कार्य करना प्रारंभ किया।

संग्रहालय के उद्देश्यों में सम्मिलित हैं: भारत के सांस्कृतिक प्रतिमानों की विविधता और समृद्धता तथा उसमें अंतर्निहित एकता को प्रकाशित करते हुए अपनी मुक्ताकाश तथा अंतरंग प्रदर्शनियों के माध्यम से मानव जाति के जैव-सांस्कृतिक उद्विकास की समेकित गाथा का प्रस्तुतिकरण, संग्रहालय विज्ञान में शोध और प्रशिक्षण के केन्द्र के रूप में कार्य करना तथा भारत में नव संग्रहालय आन्दोलन की शुरुआत करना एवम् सांस्कृतिक जीवन की विविधता को संरक्षित और प्रस्तुत करना। इंगारामासं राष्ट्रीय एकता तथा विलुप्त प्राय किन्तु बहुमूल्य सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण व पुनर्जीवीकरण हेतु अंतर्संगठनात्मक नेटवर्किंग तथा शोध व प्रशिक्षण को बढ़ावा देने हेतु भी कार्यरत है।

विभिन्न समुदायों से विशेषज्ञों तथा पारम्परिक कलाकारों की सक्रिय सहभागिता से निर्मित मुक्ताकाश तथा अंतरंग प्रदर्शनियों तथा देश के विभिन्न भागों में शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ संस्थान के अभिनव पक्ष हैं। अपनी प्रदर्शनियों, शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा साल्वेज गतिविधियों के माध्यम से इंगारामासं भारत की पारंपरिक जीवन शैली की सौन्दर्यात्मक विशेषताओं, लोगों के स्थानीय पारंपरिक ज्ञान एवं नैतिक मूल्यों की आधुनिक समाज के साथ सतत प्रासंगिकता को प्रदर्शित करने के साथ ही लोगों को पारिस्थितिकी तथा पर्यावरण, स्थानीय मूल्यों और परंपराओं के अभूतपूर्व विनाश के प्रति सचेत कर रहा है।

संग्रहालय के कार्यक्रम एवं गतिविधियां तीन प्रमुख उपयोजनाओं के अंतर्गत संचालित होती हैं:

1. अधी संरचनात्मक विकास :
(संग्रहालय संकुल का विकास),
2. शैक्षणिक एवं आउटरीच कार्यक्रम, तथा
3. ऑपरेशन साल्वेज ।



संग्रहालय में एक वांचो
A Wancho in Museum.

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS)/ (National Museum of Mankind), an autonomous organization of the Ministry of Culture, Government of India, began functioning since March, 1977 as a 'Subordinate Office' of the Department of Culture, at New Delhi. By early 1979, the establishment was shifted to Bhopal on allotment of a 200 acre campus by the State Government of Madhya Pradesh.

The status of the Museum was converted from the 'Subordinate Office' into an Autonomous Organisation in March 1985, and the 'Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti' was entrusted to control and supervise the programmes and activities of the Sangrahalaya. Subsequently as an extension of the Sangrahalaya, Southern Regional Centre at Mysore started functioning since October, 2001 from a heritage building 'Wellington House' allotted by the Government of Karnataka.

The mandate of the Sangrahalaya include: presentation of an integrated story of bio-cultural evolution of humankind through outdoor and indoor exhibitions by highlighting the richness and diversity of cultural patterns of India and its underlying unity; to act as a centre of research and training in museology and generate a new museum movement in India and to present and preserve variety of cultural life. IGRMS is also working for national integration, and promote research & training and inter-organizational networking for salvage and revitalization of vanishing, but valuable cultural traditions.

The innovative aspects of the organisation are its open-air and indoor exhibitions, built with active involvement of traditional artisans and experts drawn from different community groups, and the education, outreach & salvage activities in different parts of the country. Through its exhibitions, education programmes and salvage activities, IGRMS demonstrates the aesthetic qualities of India's traditional life styles, and the continued relevance of local traditional knowledge and mores of people to the modern society and cautions the people against unprecedented destruction of ecology and environment, local values and customs.

The programmes and activities of the organisation are carried out under three sub-schemes namely:

1. Infrastructure Development :
(Development of Museum Complex),
2. Education and Outreach Programme and
3. Operation Salvage.



अपनी पारम्परिक वेशभूषा में ओरिहास की प्रस्तुति हेतु जाता एक वांचो
A Wancho artist going to perform Oriha in his traditional attire

अधी संरचनात्मक विकास : संग्रहालय संकुल का विकास

Infrastructure Development : (Development of Museum Complex)

वर्ष 2015 - 16 के दौरान कियावित गतिविधियों पर प्रतिवेदन निम्नांकित हैं :

1.1. प्रदर्शनियाँ: क्यूरेटोरियल विंग के सदस्य विभिन्न मुक्ताकाश प्रदर्शनियों जैसे जनजातीय आवास, हिमालय ग्राम, तटीय गांव, मरु ग्राम, नदी घाटी संस्कृतियाँ, विश्व बोध एवं कथा पथ, शैलकला धरोहर, पारंपरिक तकनीक, तथा पुनीत वन के संधारण एवं उन्नयन कार्य तथा अंतरंग संग्रहालय वीथि संकुल में नवीन प्रदर्शनी स्थलों के विकास में संलग्न रहे।

1.1.1. मुक्ताकाश प्रदर्शनियाँ:

1.1.1.1. नवीन प्रादर्शों की अभिवृद्धि: संग्रहालय भोपाल स्थित अपनी मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में सांस्कृतिक विविधता के भाग के रूप में भारत की स्थापत्य विविधता को प्रदर्शित करने का योजनाबद्ध प्रयास कर रहा है।

अवधि के दौरान संग्रहालय परिसर में निम्नांकित दो प्रादर्श स्थापित किये गये।

गन्ना पेरने की चरखी : श्रीरामपुर, महाराष्ट्र से मराठा समुदाय के लोगों द्वारा तकनीक के जीवंत प्रदर्शन के साथ गन्ना पेरने (रस निकालने) की पारम्परिक चरखी को संग्रहालय की 'पारम्परिक तकनीक' मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित किया गया। (जनवरी, 2016)

हाम : अरुणाचल प्रदेश से वांचो समुदाय के कलाकारों ने संग्रहालय आकर जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में वांचो के पारम्परिक आवास 'हाम' का निर्माण कार्य किया। (फरवरी, 2016)

The report of activities carried out during the year 2015 -16 is given below:

1.1. **Exhibitions:** Members of the Curatorial Wing were engaged in updating and maintenance of different open-air exhibitions entitled *Tribal Habitat, Himalayan Village, Coastal Village, Desert Village, River-valley Cultures, Cosmology and Narrative Trail, Rock Art Heritage, Traditional Technology and Sacred Groves*, and also in developing new display spaces in the *Veethi Sankul* - the Indoor Museum.

1.1.1. **Open Air Exhibitions:**

1.1.1.1. **Addition of New Exhibits:**

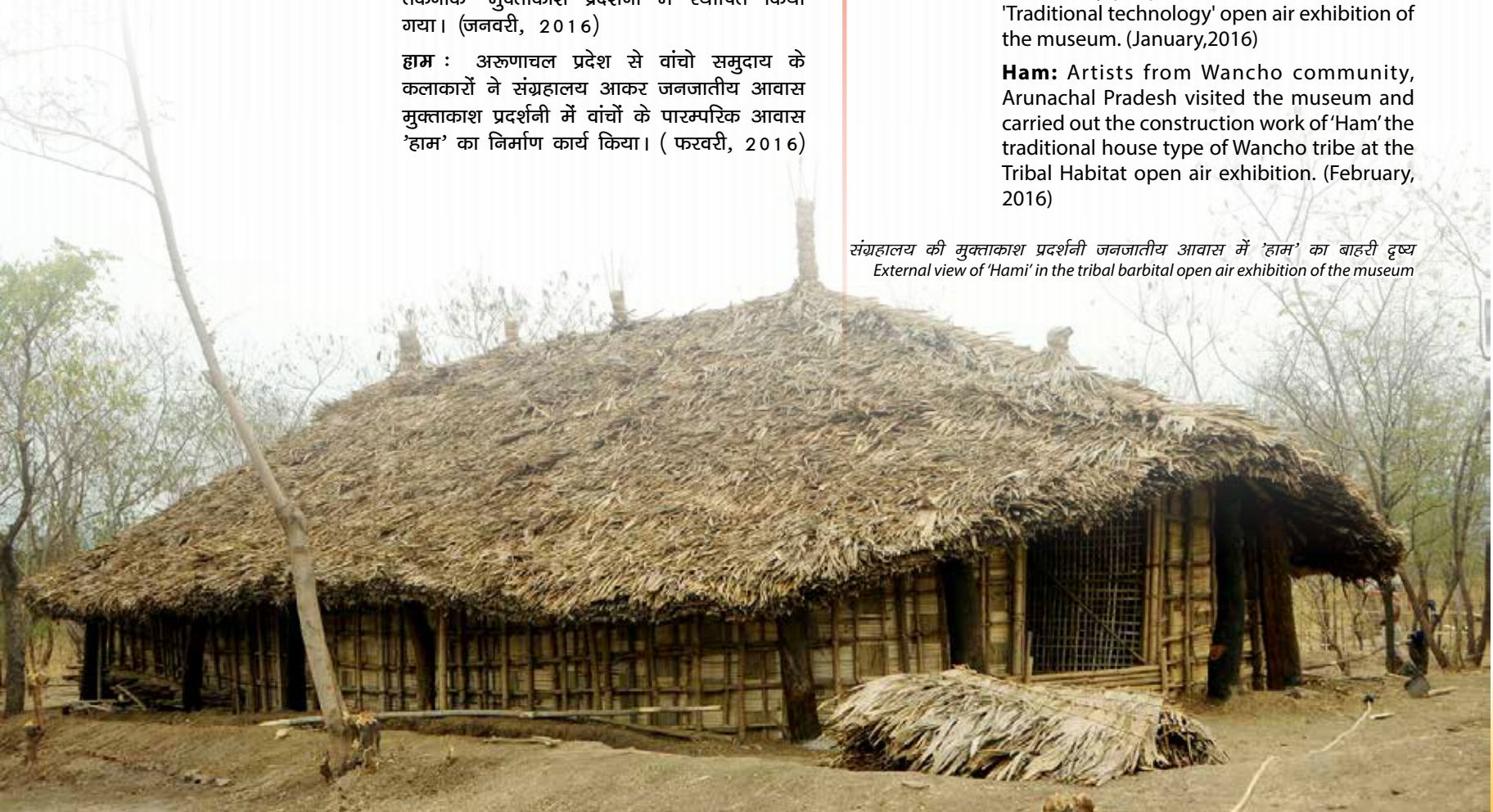
The museum is making systematic efforts to showcase the architectural diversity of India as part of cultural diversity in its open air exhibitions at Bhopal.

During the period following Two exhibits were installed at Museum premises.

Sugar Cane Crusher: Traditional sugar cane crusher from Shri Rampur, Maharashtra with live demonstration of technique by Maratha community people had been installed in the 'Traditional technology' open air exhibition of the museum. (January, 2016)

Ham: Artists from Wancho community, Arunachal Pradesh visited the museum and carried out the construction work of 'Ham' the traditional house type of Wancho tribe at the Tribal Habitat open air exhibition. (February, 2016)

संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी जनजातीय आवास में 'हाम' का बाहरी दृश्य
External view of 'Hami' in the tribal barbital open air exhibition of the museum





श्रीरामपुर, महाराष्ट्र की पारम्परिक चरखी को संग्रहालय की 'पारम्परिक तकनीक' में स्थापित किया गया
 Traditional sugar cane crusher from Shri Rampur, Maharashtra had been installed in the 'Traditional technology' in the museum premises

'हाम' के निर्माण में संलग्न वांचो कलाकार
 Wancho artists engaged in construction of 'Ham'

संग्रहालय परिसर में अपने पारम्परिक आवास के सम्मुख नृत्य करते वांचो कलाकार
 Wancho artists performing traditional dance in front of their traditional dwelling in the museum premises



अपनी पारम्परिक वेशभूषा में एक वांचो कलाकार
A Wancho artist in his traditional costume
Museum.



1.1.2. वीथि संकुल - अंतरंग प्रदर्शनी भवन

देशज संगीत पर स्थाई दीर्घा का लोकार्पण : इंगारामासं ने विगत साढे चार दशको में अपने संकलन में भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न समुदायों से समकालीन समय के 1400 संगीत वाद्ययंत्रों का संग्रह किया है। अपनी प्रकृति, शैली, बजाने की तकनीक तथा सामाजिक धार्मिक महत्व के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में चयनित प्रादर्शों को इस दीर्घा में प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का लोकार्पण प्रो. बी.के. कौवर, कुलपति, नागालैंड विश्वविद्यालय ने किया। (मार्च, 2016)



प्रो. बी. के. कौवर, कुलपति नागालैंड विश्वविद्यालय द्वारा देशज संगीत पर स्थायी दीर्घा का उद्घाटन
Inauguration of permanent gallery on 'Ethno-Music by prof. B.K. Kwanr, Nagaland University

प्रो. अमरेश्वर गल्ला द्वारा देशज संगीत दीर्घा का भ्रमण
Visit to Ethno-Music gallery by Prof. Amareswer Galla



1.1.2. Veethi Sankul indoor museum building:

Dedication of Permanent Gallery on Ethnic Music : The Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya has over 1400 musical instruments of the contemporary times in its reserve collection from different communities across the Indian sub-continent in the last four and half decades. Selected objects under various categories according to their nature, style/ technique of playing and socio-religion significance had been displayed in Veethi Sankul- the indoor Museum. (March, 2016)



वीथि संकुल की देशज संगीत दीर्घा में प्रो. सरित कुमार चौधुरी तथा अन्य आमंत्रित अतिथियों के साथ पद्मश्री प्रो. तेनसुला आओ Pdamshri Prof. Tamsula Ao, Prof. Sarit Kumar Chaudhuri and other invited delegations in the Ethno music gallery of Veethi Sakul

देशज संगीत दीर्घा का एक दृश्य
A view of Ethno Music gallery



- 1.1.3. अस्थायी एवं घुमन्तु प्रदर्शनियाँ : समीक्षावधि के दौरान निम्नलिखित बाइस सामयिक एवं घुमन्तु प्रदर्शनियाँ भोपाल तथा भारत के अन्य स्थानों पर विकसित एवं प्रदर्शित की गईं।
- 1.1.3.1. **म्यूजियम्स ऑफ भोपाल** : भोपाल स्थित विभिन्न संग्रहालयों की विषय वस्तु और गतिविधियों को दर्शाती 'म्यूजियम्स ऑफ भोपाल' शीर्षक से एक छायाचित्र प्रदर्शनी संग्रहालय के शैलकला केंद्र में आयोजित की गई।
- 1.1.3.2. **योगचक्र** : इंगारामसं ने संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा योग चक्र प्रदर्शनी में प्रदर्शित करने हेतु प्रादर्श दिये। संग्रहालय के संकलन में से छत्तीसगढ़ क्षेत्र के एक लोक तथा जनजातीय देवता दूल्हा देव की काष्ठ मूर्ति तथा पांच थंका चित्र प्रदर्शनी में प्रदर्शित किये गये।
- 1.1.3.3. **पोऊबी लाई एक दैत्याकार अजगर की कहानी** : अंतर-संग्रहालय सहयोग श्रंखला के द्वारा लोगों को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के अनूठे संकलन से परिचित कराते के विचार ने 21 जुलाई, 2015 को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल द्वारा राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में विशेष प्रदर्शनी कक्षा -1 में 'पोऊबी लाई: एक दैत्याकार अजगर की कहानी' नामक एकल प्रादर्श प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ आकार ले लिया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री के.के. मिततल, अतिरिक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिये पोऊबी लाई शीर्षक से एक चित्र पुस्तिका भी जारी की गई। पोऊबी लाई इंगारामसं द्वारा सन 2002 में मणीपुर से संकलित 21 फिट लम्बा लकड़ी का एक प्रादर्श है। यह केवल कलाकार की कलात्मक अभिव्यक्ति ही नहीं बल्कि मैतेई समुदाय के विश्वबोध का भी सूचक है। प्रदर्शनी में मैतेई कलाकारों द्वारा बनाये गये 29 चित्रों की भी सहायता ली गई।
- 1.1.3.4. **डिस्प्ले कार्नर की शुरुवात** : संग्रहालय प्रदर्शनियों तथा गतिविधियों के विषय में जानकारी के प्रसार एवं जनजातीय कलाकारों द्वारा तैयार किये गये कलाकृतियों के जनसामान्य के बीच लोकप्रियकरण के लिए राजा भोज विमानतल, भोपाल में एक डिस्प्ले कार्नर विकसित किया गया जिसका उद्घाटन श्री आलोक संजर, सांसद, भोपाल ने किया।(जुलाई,2015)
- 1.1.3.5. **देशज** : भारत के लोक एवं जनजातीय समुदायों के पारम्परिक तकनीकी ज्ञान पर आधारित 'देशज' शीर्षक से एक प्रदर्शनी विश्व देशज जन दिवस के अवसर पर अंतरंग संग्रहालय वीथि संकुल में लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. एस.एम. पटनायक, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। (अगस्त, 2015)
- 1.1.3.6. **लाइफ, वर्कस एण्ड लीगेसी ऑफ बेगम अख्तर** : बेगम अख्तर शताब्दी समृति उत्सव के अंतर्गत बेगम अख्तर के जीवन और उनके कृतित्व पर एक छायाचित्र प्रदर्शनी का संयोजन आई.जी.एन.सी.ए. तथा नादसागर, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री एंथोनी डीसा, मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश शासन ने किया (सितम्बर, 2015)
- 1.1.3.7. **पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक धरोहर** पर संग्रहालय के संदर्भ ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तकों की एक विशेष प्रदर्शनी भोपाल में संयोजित की गई। (सितम्बर, 2015)
- 1.1.3.8. **ईशानी** : पूर्वोत्तरी राज्यों की झलकियों पर केंद्रित एक घुमंतु प्रदर्शनी इंगारामसं द्वारा पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बारासात में आयोजित की गई (सितम्बर/अक्टूबर, 2015)
- 1.1.3.9. **पोऊबी लाई** : एक दैत्याकार अजगर की कहानी: जनसामान्य को संग्रहालय के अनूठे संकलन और भारतीय समुदायों की अनूठी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के संग्रहालय के सहयोगात्मक प्रयासों की श्रंखला अक्टूबर, 2015 के दौरान जारी रही। एक मिथकीय प्राणी पोऊबी लाई-एक दैत्याकार अजगर की कहानी को दर्शाती एकल प्रादर्श प्रदर्शनी 1 से 31 अक्टूबर, 2015 तक भारतीय संग्रहालय, कोलकाता में लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामसं द्वारा तथा अवलोकन हजारों स्कूली बच्चों एवं अन्य दर्शकों द्वारा किया गया।



भारतीय संग्रहालय, कोलकाता में पोऊबी लाई के उद्घाटन कार्यक्रम में दर्शकों को सम्बोधित करते श्री सायन भट्टाचार्य, एजुकेशन ऑफिसर, भारतीय संग्रहालय कोलकाता
Shri Sayan Bhattacharya, Education officer, Indian Museum, Kolkata addressing the visitors during the inaugural function fo Poubilai at Indian Museum Kolkata



प्रो. एस.एम. पटनायक, दिल्ली विश्वविद्यालय विशेष सामयिक प्रदर्शनी देशज का उद्घाटन करते
Inauguration of special periodical exhibition 'Deshaj' by Prof. S.M. Patnayak, Delhi University

पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय बारासात में घुमंतु प्रदर्शनी 'ईशानी' के उद्घाटन कार्यक्रम का दृष्य
View of the inaugural function of travelling exhibition 'Ishanee' at West Bengal state university, Barasat





'पोऊबी लाई' एकल प्रदर्शनी प्रदर्शनी को देखने उमड़ी स्कूली बच्चों तथा अन्य दर्शकों की भीड़ भारतीय संग्रहालय, कोलकाता
Large gathering of school children and other visitor to see the singular object Exhibition 'Poubi-Lai at Indian Museum, Kolkata



विशेष सामयिक प्रदर्शनी 'दीपम' में श्री बी.आर. नायडू मुख्य सचिव, आदिम जाति कल्याण विभाग, म.प्र. शासन द्वारा अवलोकन
Inaugural view of Shri B.R. Naidu, Chief Secretary Schedule Tribe Welfare Department, M.P. Govt in special periodical exhibition 'Deepam'

बेगम अख्तर शताब्दी समृति उत्सव के अंतर्गत बेगम अख्तर के जीवन और उनके कृतित्व पर एक छायाचित्र प्रदर्शनी का एक दृश्य ??
Inaugural view of photographic exhibition showcasing the life and works of Begum Akhtar was mounted in IGRMS???



1.1.3. **Temporary and Travelling Exhibitions:** During the period under review the following twenty two periodical and travelling exhibitions were developed and exhibited in Bhopal and other places of India:

1.1.3.1. **Museums of Bhopal:** A photographic exhibition entitled "Museums of Bhopal" portraying the theme and various activities of various Museums of Bhopal was organised at the Rock Art Centre of the Museum. (May, 2015)

1.1.3.2. **Yog Chakra:** IGRMS contributed exhibits for display in exhibition 'Yog Chakra' mounted by Sangeet Natak Academy, New Delhi. The wooden sculptures of Dulha Dev a folk and tribal deity of Chhattisgarh region and five Thangka paintings from Museums reserve collection were displayed in the exhibition. (June, 2015)

1.1.3.3. **Poubi Lai:** The Story of a Giant Python: To people introduced with unique collection of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya by the inter Museum collaboration series had taken shape on 21st July, 2015 with inauguration of the 'Poubi Lai: The Story of a Giant Python' a single object exhibition mounted by the Sangrahalaya in collaboration with National Museum, New Delhi at Special Exhibition Hall-I. The exhibition was inaugurated by Shri K.K. Mittal, Additional Secretary, Ministry of Culture, Government of India. A picture book for children titled 'Poubi-Lai' was also released on this occasion.

'Poubi-Lai' is a 21 ft. long wooden object from Manipur acquired by IGRMS in the year 2002. It is not only the artistic or creative manifestation of artist but also denote the world view of Meitei community. The exhibition was supported by nearly 29 illustrations on the story of Poubi Lai by Meitei artists. (July-August, 2015)

1.1.3.4. **Opening of display corner :** In order to disseminate information about museum exhibitions and activities and to popularise the artifacts prepared by the tribal artists among the masses a display corner was developed at Raja Bhoj Airport, Bhopal. It was inaugurated by Shri Alok Sanjar, MP, Bhopal. (July, 2015)

1.1.3.5. **Deshaj:** An exhibition entitled 'Deshaj' was mounted at Veethi Sankul indoor museum building on the occasion of World Indigenous Peoples Day, which is based on Traditional Technology Knowledge of the tribal and folk communities of India. The exhibition inaugurated by Prof. S.M. Patnaik, Delhi University. (August, 2015)

1.1.3.6. **Life, works and legacy of Begum Akhtar:** A photographic exhibition showcasing the life and works of Begum Akhtar was mounted in collaboration with IGNC and NaadSaagar, New Delhi under Begum Akhtar Centenary Commemoration Festival. The exhibition was inaugurated by Shri Anthoni Disa, Chief Secretary, Government of Madhya Pradesh. (August, 2015)

1.1.3.7. A special books exhibition on the **Cultural Heritage of North-East India** available in the Sandarbh Granthalaya of the Museum was mounted at Bhopal. (September, 2016)

1.1.3.8. **ISHANEE:** A travelling exhibition focusing Glimpses of North Eastern States was organised by Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal at West Bengal State University, Barasat. (September/October, 2015)

1.1.3.9. **Poubi Lai:** The Story of a Giant Python: Series of collaborative efforts of the Museum to make masses aware of unique collection of the Museum and also introduced them with intangible but unique cultural heritage of Indian communities continued during the month of October, 2015. 'Poubi Lai' the single object exhibition depicting the story of a giant python- a mythical creation was mounted at Indian Museum Kolkata from 1st to 31st October, 2015. (October, 2015) The exhibition was inaugurated by Prof. Sarit Kumar Chaudhuri and visited by thousands of school children and general public.

- 1.1.3.10. **पुनीत वन:** 'पुनीत वन' शीर्षक से एक घमंतु प्रदर्शनी शोध संस्थान विधि महाविद्यालय, पुणे में मिशन देओरी महोत्सव-2015 के दौरान लगाई गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री विजय काले, विधायक, पुणे ने किया। (अक्टूबर, 2015)
- 1.1.3.11. **दीपम :** भारत में वृहद रूप से मनाये जाने वाले त्यौहार दिवाली के मद्दे नजर इंगारामासं के संकलन से लगभग 150 दुर्लभ और अनूठे दीपकों को 'दीपम' नामक प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया। (नवम्बर, 2015)
- 1.1.3.12. **संधारिणी :** समाज के विकास और समाजीकरण में महिलाओं की भूमिका को दर्शाते छायाचित्रों की एक प्रदर्शनी 'संधारिणी' शीर्षक से शैलकला केंद्र में लगाई और डॉ (श्रीमती) वन्दना अग्निहोत्री, प्राचार्या, सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल द्वारा उद्घाटित की गई। प्रदर्शनी के विभिन्न शीर्षकों जैसे अन्पूर्णा, आभरणा, स्वयं सिद्धा, कला साधिका, के अन्तर्गत 6 विभिन्न खण्ड थे जो सामान्य समाज में महिलाओं की भूमिका और योगदान को बयॉ करते थे। (नवम्बर, 2015)
- 1.1.3.13. **वास्तु :** इंगारामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनियों के विशेष संदर्भ में भारत के देशज वास्तुशिल्प के वास्तुशिल्पी एवं सांस्कृतिक महत्व को दर्शाती एक विशेष प्रदर्शनी 'वास्तु' शीर्षक से संग्रहालय के शैल कला केंद्र में सावा के अवसर पर आयोजित की गई। प्रदर्शनी के संयोजन में भारतीय देशज वास्तुकला, जलवायु, सांस्कृतिक तथा विशिष्ट वितरण पर आधारित छायाचित्रों, रेखांकनों, स्केचेस, प्रतिरूपों, ग्राफिकल प्रतिनिधित्वों का उपयोग किया गया। (दिसम्बर, 2015)
- 1.1.3.14. **पूर्वोत्तर भारत की वस्त्र परम्पराएँ :** पूर्वोत्तर भारत की वस्त्र परम्पराएँ शीर्षक से एक छाया चित्र प्रदर्शनी का संयोजन राज्य संग्रहालय, ओडिशा में उसके स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री मनोरंजन वाणी, गृह सचिव, संस्कृति विभाग, ओडिशा ने किया (दिसम्बर, 2015)
- 1.1.3.15. **धरोहर झरोखा :** भारतीय समुदायों के जीवन और संस्कृति को दर्शाते एक धरोहर झरोखे का संयोजन प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के सहयोग से पन्ना, मध्यप्रदेश में किया गया। (दिसम्बर, 2015)
- 1.1.3.16. **पोऊबी लाई :** पोऊबी लाई एक दैत्याकार अजगर की कहानी शीर्षक से एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन वीथि संकुल की विशेष दीर्घा में 7 जनवरी, 2016 को प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, सदस्य अकादमिक सलाहकार समिति तथा कार्यकारी परिषद, इंगारामासं द्वारा किया गया। समकालीन मैतेई कलाकारों द्वारा इस अवसर पर पोऊबी लाई की कहानी के 29 चित्रों के साथ प्रदर्शनी माह जनवरी व फरवरी, 2016 के दौरान जारी रही। अपने सहयोगी प्रादर्शों के साथ यह 21 फिट लम्बा काष्ठ निर्मित प्रादर्श नैतिक शिक्षा और बच्चों को पर्यावरण की शिक्षा का एक साधन बन गया। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली तथा भारतीय संग्रहालय, कोलकाता की यात्रा करने के पश्चात इस प्रादर्श को भोपाल में दर्शकों की अपार प्रतिक्रिया मिली। इंगारामासं द्वारा अपने मुख्यालय में पोऊबी लाई के



इंगारामासं द्वारा पुणे में संयोजित घुमंतु प्रदर्शनी 'पुनीत वन' का एक दृश्य
A view of travelling exhibition 'sacred groves' mounted by IGRMS at Pune

अमरकंटक में इंगारामासं द्वारा विकसित धरोहर झरोखे का एक दृश्य
A view of Heritage Corner developed by IGRMS at Amarkantak





मुख्य अतिथि डॉ. वन्दना अग्निहोत्री, प्रो. एस.के. चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं के द्वारा विशेष सामयिक प्रदर्शनी 'संधारिणी' का अवलोकन
Visit to special periodical exhibition 'Sandharni by Chief guest Dr. Vanana Agnihotri, Prof. S.K. Chaudhuri, Director, IGRMS and others

विशेष सामयिक प्रदर्शनी 'वास्तु' का एक दृश्य
A view of special periodical exhibition 'Vastu'



- 1.1.3.10. **Sacred Groves:** A travelling exhibition entitled 'Sacred Groves' was mounted at Research Institute Law College, Pune during the Mission Deori Mahotsav-2015. The exhibition was inaugurated by Shri Vijay Kale, Member of Legislative Assembly, Pune.(October,2015)
- 1.1.3.11. **Deepam:** Viewing the occasion of largely celebrated festival of Diwali an exhibition comprising of nearly 150 rare and unique lamps in IGRMS collection were displayed in the exhibition entitled 'Deepam'. The exhibition was inaugurated by Shri B.R. Naidu, Chief Secretary, Scheduled Tribe Welfare Department, Madhya Pradesh Government. (November, 2015)
- 1.1.3.12. **Sandharini:** A photo exhibition entitled Sandharini portraying the role of women in Socialization and development of Society was mounted at Rock Art Centre of the Museum and inaugurated by Dr.(Smt.) Vandana Agnihotri, Principal, Sarojini Naidu Govt. Girls P.G. College, Bhopal. The exhibition had 6 different section under different titles like Anapoorna, Abharna Swapnasiddha, Kala Seedhika defining various roles and contribution of women in general to the society. (November,2015)
- 1.1.3.13. **Vastu:** A special exhibition entitled "Vastu" showcasing the architectural and cultural significance of Indian vernacular architecture with special reference to IGRMS open air exhibitions was organised at the Rock Art Centre of the Museum on the occasion of SAVA. Photographs, drawings, sketches, models, graphical presentations on climatic, cultural and spatial distribution of Indian vernacular architecture were used to curate the exhibition.(December,2015)
- 1.1.3.14. **Textile traditions of North East India :** A photo exhibition entitled "Textile traditions of North East India" was mounted at State Museum Bhubaneswar, Odisha on the occasion of their Foundation Day.This exhibition was inaugurated by Shri Manoranjan Wani, Home Secretary, Deptt. of Culture, Odisha.(December, 2015)
- 1.1.3.15. **Heritage Window:** In collaboration with Press Information Bureau a heritage window showcasing the life and culture of Indian communities was mounted at Panna, Madhya Pradesh.(December, 2015)
- 1.1.3.16. **Poubi Lai:** A special exhibition entitled "Poubi Lai- The Story of Giant Python" was inaugurated on 7th January, 2016 at the special gallery of Veethi Sankul by Prof. Vinay Kumar Shrivastava, Member Academic Advisory Committee and Executive Council of IGRMS. Supported by 29 illustrations on the story of Poubi Lai on canvas by contemporary Meitei artists were displayed during the month January and February, 2016. This 21 ft. long wooden object with its supporting objects has become an object of moral education and source of educating children about conservation of environment.

संयोजन का उद्देश्य मणीपुर की सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा प्राकृतिक पर्यावरण एवं मानव प्रकृति संबंध इत्यादि के बारे में भी जागरूकता पैदा करना था।

भगवान पाखंगबा की विविध कथाओं, उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने तथा उनके माध्यम से विभिन्न सन्देशों को प्रदर्शित करते चित्रांकनों को मणीपुर से आये संग्रहालय दर्शकों एवं सोशल मीडिया पर वर्चुअल दर्शकों सहित भोपाल तथा अन्य स्थलों से संग्रहालय दर्शकों द्वारा वृहद रूप से सराहा गया। (जिनवरी, 2016)

1.1.3.17. **धरोहर झरोखा** : देश की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती एक छायाचित्र प्रदर्शनी का संयोजन नवोदय विद्यालय, अमरकंटक, मध्यप्रदेश में किया गया। (दिसम्बर, 2015)

1.1.3.18. **नायिका** : संग्रहालय ने आभूषणों की विषय वस्तु पर देश के जनजातीय तथा लोक समुदायों के लगभग 30 छायाचित्र उपलब्ध करा कर संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन के साथ एक विशेष प्रदर्शनी के आयोजन में भी सहयोग किया (जनवरी, 2016)

1.1.3.19. **धरोहर झरोखा** : पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक समृद्धता को दर्शाते लगभग 40 छायाचित्रों से युक्त एक धरोहर झरोखे का विकास जवाहर नवोदय विद्यालय, शमशाबाद, मध्यप्रदेश में किया गया। (फरवरी, 2016)

1.1.3.20. **पीपुल ऑफ इण्डिया** : भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से 'पीपुल ऑफ इण्डिया' शीर्षक से एक विशेष सामयिक प्रदर्शनी का उद्घाटन 10 मार्च, 2016 को श्री एस.बी. ओटा, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल द्वारा किया गया। प्रदर्शनी में भारत के लोगों के जैव सांस्कृतिक उद्विकास को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी में उनके आब्रजन, विभिन्न क्षेत्रों में सृजित अनुकूलन के विविध तरीकों, उनके सन्दर्भ, वंशानुगत तथा पुरातात्विक साक्ष्यों एवं सृजन की साहित्यिक एवं वाचिक परम्पराओं से इतर वनस्पति और जीव जगत तथा लोगों के ज्ञान और संचार के क्षेत्र में भारतीय समुदाय के विशेष संदर्भ में मानव के जैव सांस्कृतिक उद्विकास और विभिन्ना के संदर्भ में प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में इंगारामासं के संग्रह से 14 मानव शास्त्रीय प्रादर्शों को भी सहायक प्रादर्शों के रूप में प्रदर्शित किया गया। (मार्च, 2016)

1.1.3.21. **द नागास** : नागालैण्ड के देशज समुदायों के अनूठे और विशिष्ट लक्षणों को प्रदर्शित करती एक विशेष प्रदर्शनी आवृत्ति भवन में संयोजित की गई। प्रदर्शनी छायाचित्रों और नागालैण्ड की संस्कृति और धरोहर के चित्रांकन हेतु कला, शिल्प, वस्त्र, आभूषणों का एक सम्मिश्रण थी। (मार्च, 2016)

1.1.3.22. **द लास्ट ऑफ टैटूड हैड हन्टर** : **द कोन्याक्स** : नागालैण्ड में गोदना परम्परा के दुर्लभ छायाचित्र प्रस्तुत करती एक छायाचित्र प्रदर्शनी का संयोजन वीथि संकुल की विशेष दीर्घा में किया गया। प्रदर्शनी में प्रदर्शित छायाचित्र सुश्री फेजिन कोन्याक तथा श्री पीटर बॉस के वृहद शोध कार्य का परिणाम हैं। प्रदर्शनी का उद्घाटन सुश्री रीना दीवान, निदेशक, आर्ट एके फाउण्डेशन, कोलकाता द्वारा किया गया। (मार्च, 2016)



इंगारामासं, भोपाल में संयोजित एक प्रादर्श प्रदर्शनी पोउबी-लाई का उद्घाटन दृष्य
Inaugural view of Poubi-Lai the singal object exhibition mounted at IGRMS, Bhopal



विशेष सामयिक प्रदर्शनी 'पीपुल ऑफ इण्डिया' का एक दृष्य
A view of periodical exhibition 'Peope of India' in colloboration with ANSI, Nagpur

विशेष सामयिक प्रदर्शनी 'द नागास' का पद्मश्री प्रो. तेम्सुला आओ द्वारा उद्घाटन
Inauguration of special periodical exhibition the 'Nagas' by Padamshri Prof Temsula Ao





वीथि संकुल की विशेष दीर्घा में प्रदर्शित दैत्याकार अजगर 'पोऊबी-लाई' के साथ सीवायसीए, मणीपुर के कलाकार Artists of CYCA, Manipur along with the giant python Poubi-Lai displayed in the special gallery of Veethi Sankul



विशेष सामयिक प्रदर्शनी 'नागास' का एक दृश्य
A view of special periodical exhibition the Nagas

छयाचित्र प्रदर्शनी 'कद लास्ट ऑफ टैटूड हेड इन्टर्स भ द कोन्याक्स' का एक दृश्य
A view of photo exhibition the last of head unter 'the Konyaks'



After travelling to the National Museum, New Delhi and Indian Museum, Kolkata it received overwhelming response of the visitors of Bhopal. The objective of mounting of Poubi Lai by IGRMS in its head quarter was to create awareness about the cultural heritage and socio- religious values of Manipur and also to create awareness about conservation of natural environment and human nature relationship etc.

Paintings depicting various stories of Lord Pakhangba, his transformation in various forms and various messages through them were highly appreciated by the visitors of Bhopal and other places including people from Manipur as museum visitors and on the social media as virtual visitors.

1.1.3.17. **Heritage Corner:** A photo exhibition depicting the Cultural Heritage of Country was mounted at Navodaya School, Amarkantak, Madhya Pradesh.(December,2015)

1.1.3.18. **Nayika:** The museum also collaborated with Deptt. of Culture, M.P. State Govt. in organization of special exhibition entitled 'Nayika' on theme of ornaments by providing nearly 30 photographs of tribal and folk populations of country. (January,2016)

1.1.3.19. **Heritage Corner :** A heritage corner comprising of nearly 40 photographs showcasing the cultural prosperity of north-east India was developed at Jawahar Navodaya Vidyalaya, Shamshabad, Madhya Pradesh. (February,2016)

1.1.3.20. **People of India:** A special periodical exhibition entitled 'People of India' in collaboration with Anthropological Survey of India, was inaugurated on 10th March, 2016 by Shri S.B. Ota, Regional Director, Archaeological Survey of India, Bhopal. The exhibition showcases the bio-cultural history of the people of India. A scientific account of the human bio-cultural evolution and variation with special reference to Indian communities, their migration, various adaptive strategies created by them, their perceptions of the terrains, flora and fauna apart from the genetic and archaeological evidences literary and oral testimonials about creation, domains of knowledge and movement of people had been highlighted in this exhibition. The exhibition also supported with 14 ethnographic objects from reserve collection of IGRMS.(March,2016)

1.1.3.21. **The Nagas:** A special exhibition showcasing the unique and distinct character of ethnic communities of Nagaland was mounted at the Avritti Bhawan. The exhibition was a combination of variety of objects and photographs largely covered arts, crafts, textile, ornaments to illustrate the colourfull culture and Heritage of Nagaland. (March,2016)

1.1.3.22. **The Last of the Tattooed Headhunters: The Konyaks :** A photographic exhibition presenting the rare photographs of tattoo tradition in Nagaland was mounted at the special gallery of Veethi Sankul. Photographs displayed in this exhibition are the outcome of extensive research work of Ms. Phejin Konyak and Mr. Peter Bos. The exhibition was inaugurated by Ms. Reena Dewan, Director, Art Acre Foundation, Kolkata.(March,2016).

1.1.4. माह का प्रादर्श :

प्रदर्शनी श्रृंखला 'माह का प्रादर्श' दर्शकों को संग्रहालय के अनूठे संकलन से परिचित कराने को उद्देशित है। इसका उद्देश्य एक प्रादर्श के बारे में प्रत्यक्ष सूचना उपलब्ध कराना है। इस श्रृंखला के अंतर्गत संग्रहालय के संरक्षित संकलन में से प्रति माह एक चयनित प्रादर्श प्रदर्शित किया जाता है। समीक्षावधि के दौरान विभिन्न लोक एवं जनजातीय जनसमूहों से सम्बद्ध निम्नलिखित प्रादर्श प्रदर्शित किये गये।

- 1.1.4.1. ढावला : गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र से काठी समुदाय से सम्बद्ध एक प्रादर्श (अप्रैल, 2015)
- 1.1.4.2. अरम्बई: मणीपुर राज्य से एक प्रादर्श जो कि 17वीं-18वीं शताब्दी का सर्वाधिक घातक शस्त्र माना जाता है माह का प्रादर्श श्रृंखला में प्रदर्शित किया गया (जून, 2015)
- 1.1.4.3. मृदंग : बुन्देल खण्ड, मध्यप्रदेश में लोक व जनजातीय प्रस्तुतियों में संगत के लिये प्रयुक्त एक ताल वाद्ययंत्र माह का प्रादर्श श्रृंखला के अंतर्गत प्रदर्शित किया गया। (जुलाई, 2015)
- 1.1.4.4. सेर-पाई : पश्चिम बंगाल से पारम्परिक मापक प्याला माह का प्रादर्श श्रृंखला के अंतर्गत प्रदर्शित किया गया। (अगस्त, 2015)
- 1.1.4.5. डिज़रीडू : आस्ट्रेलिया के आदिवासी लोगों का एक सुषिर वाद्य यंत्र।(सितम्बर, 2015)
- 1.1.4.6. तान : उत्तराखण्ड का एक पारम्परिक करघा। तान का इस्तेमाल विशेष रूप से एक मोटे कार्पेट 'दान' की बुनाई के लिये किया जाता था। (अक्टूबर, 2015)
- 1.1.4.7. सपेरा : राजस्थान से एक कठपुतली। (नवम्बर, 2015)
- 1.1.4.8. धागा-बाना : मध्यप्रदेश के मण्डला व डिण्डोरी जिलों में अहीर समुदाय के पुरुषों द्वारा पहना जाने वाला परम्परिक आभूषण। (दिसम्बर, 2015)
- 1.1.4.9. बालूचरी साड़ी: धनाडय परिवार की महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली पश्चिम बंगाल के पारम्परिक बुनकरों की कलात्मक प्रतिभा और सौन्दर्य बोध का श्रेष्ठ नमूना। (जनवरी, 2016)
- 1.1.4.10. खम : अरुणाचल प्रदेश की वांचो जनजाति का एक विशालकाय लॉगड्रम माह के विशेष प्रादर्श के रूप में प्रदर्शित किया गया। (फरवरी, 2016)
- 1.1.4.11. हम्पेई: मणीपुर के लोक समुदायों में अनुष्ठानिक महत्व रखता मिट्टी का एक पात्र। (फरवरी, 2016)
- 1.1.4.12. थोलपावा : केरल से संकलित तथा एक प्राचीन अनुष्ठानिक परम्परा से सम्बद्ध हनुमान की छवि प्रतिबिम्बित करती एक चर्म पुतली।(मार्च, 2016)

1.2. आर्काइवल स्रोतों में वृद्धि:

समीक्षावधि के दौरान संग्रहालय ने अपने संकलन में 569 मानवशास्त्रीय प्रादर्शों, 745 स्लाइड्स, विभिन्न आकार के 775 फोटो प्रिंट्स, 354 घण्टों से अधिक की आडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग्स तथा भारतीय/विदेशी पत्रिकाओं के 193 अंक एवं 551 पुस्तकों की अभिवृद्धि की।

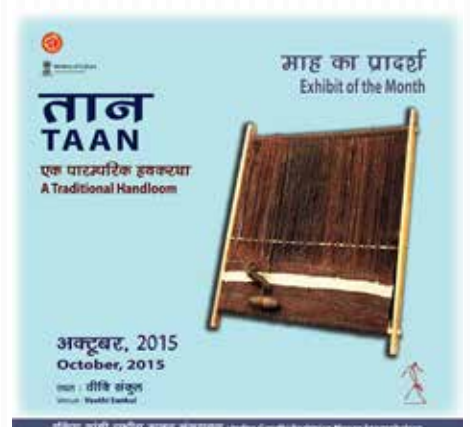
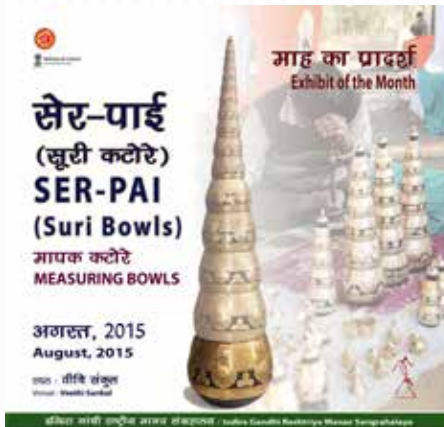
1.1.4. Exhibit of the month :

Exhibition series "Exhibit of the month" intends to make visitors introduced with unique collection of the Museum. It aims to provide first hand information about an object. In this series, selected object from Museum's reserve collection is displayed every month. During the period under review, following objects belonging to various folk and tribal communities were displayed:

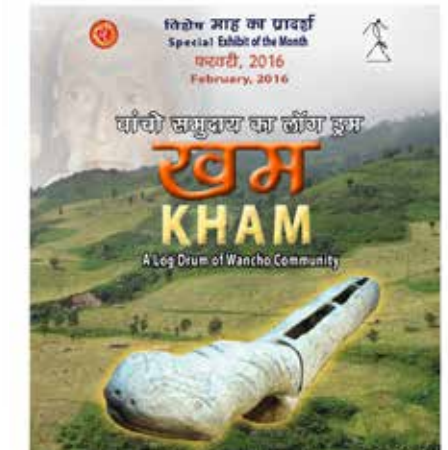
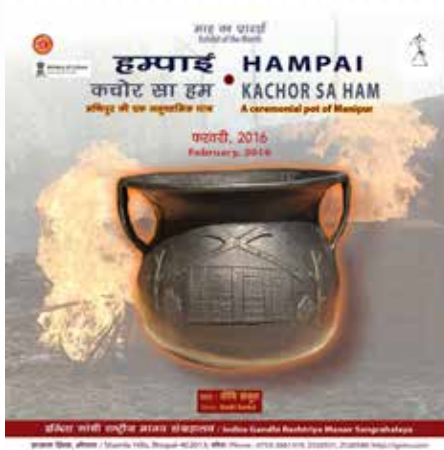
- 1.1. 4.1. Dhabla- an exhibit from the Kathiawar region of Gujarat belonging to the Kathi community. (April,2015)
- 1.1. 4.2. Arambai-- an exhibit from the state of Manipur which is regarded as one of the deadliest weapon of the 17th and 18th century put on display under the series of exhibit of the month. (June,2015)
- 1.1. 4.3. 'Mridang'- a percussion instrument from Bundelkhand, Madhya Pradesh used as accompaniment for most of the folk and tribal performances put on display under the series of exhibit of the month.(July,2015)
- 1.1. 4.4. 'Ser-Pai'- a traditional measuring bowl from West Bengal was put on display under the series of exhibit of the month.(August,2015)
- 1.1. 4.5. Didgeridoo- a wind instrument belonging to aboriginal people of Australia.(September,2015)
- 1.1. 4.6. Taan- a traditional loom from Uttarakhand. Taan was specially used for weaving of 'Dan' a thick woolen carpet.(October, 2015)
- 1.1. 4.7. 'Sapera' - a string puppet from Rajasthan. (November, 2015)
- 1.1. 4.8. 'Dhaga Bana'- a traditional ornament adorned by the male folk of Ahir community of Mandla and Dindori districts of Madhya Pradesh. (December,2015)
- 1.1. 4.9. Baluchari Saree: the best example of artistic talent and aesthetic sense of traditional weavers of West Bengal and worn by the women of Royal families. (January, 2016)
- 1.1. 4.10. Khma - a huge size log drum belonging to the Wancho tribe of Arunachal Pradesh was displayed as special exhibit of the month. (February,2016)
- 1.1. 4.11. Hampei- an earthen vessel having ritual importance among the communities of Manipur. (February,2016)
- 1.1. 4.12. Tholpava- a leather puppet representing the image of Hanuman collected from Kerala and belongs to one of the ancient ritualistic art form. (March,2016)

1.2. Strengthening of Archival Resources:

During the period under review, the Museum added nearly 569 Ethnographic specimens, 775 slides/photo prints of various sizes, over 354 hrs. of audio-video recordings, 193 volumes of Indian/ Foreign Journals and 551 library books to its collection.



माह का प्रादर्श श्रंखला के अंतर्गत प्रदर्शित प्रादर्श
Exhibits displayed under the series of exhibit of the month.





Glimpses of Exhibit of Month series



शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ Education & Outreach Activities

शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ, चूँकि लोगों को सीधे संग्रहालय से जोड़ती हैं अतः संग्रहालय का अभिन्न भाग हैं। संग्रहालय तथा दर्शकों के मध्य संबंधों की निरन्तरता बनाये रखने हेतु स्कूली बच्चों, युवा, वयस्कों, शिक्षकों, गृहणियों इत्यादि वृहद वर्गीय दर्शकों की संतुष्टि हेतु इंगारामासं विविध शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित करता है।

संग्रहालय की शैक्षणिक तथा आउटरीच गतिविधियों में सम्मिलित हैं 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम, कलाकार कार्यशाला, संगोष्ठी/सम्मेलन/अकादमिक कार्यशालाएँ, संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान, वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान, विशेष उत्सव तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस समारोह साथ ही मूर्त और अमूर्त संस्कृति से संबंधित विभिन्न अवसर और मुद्दे इत्यादि।

वर्ष 2015-16 के दौरान संग्रहालय द्वारा निम्नलिखित शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ संचालित की गयी।

- 2.1. 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम: संग्रहालय पंजीकृत प्रतिभागियों हेतु प्रदर्शन व प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस गतिविधि के अंतर्गत विभिन्न सृजनात्मक देशज ज्ञान पद्धतियों के लोक व जनजातीय कलाकार व शिल्पकार उनके संबंधित शिल्प का प्रशिक्षण देने हेतु आमंत्रित किये जाते हैं। समीक्षा अंतर्गत अवधि के दौरान भोपाल स्थित संग्रहालय परिसर व अन्य स्थानों पर निम्नलिखित चार कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
 - 2.1.1. ओडिशा की पॉटरी एवं टेराकोटा : नौ दिवसीय 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन 12 से 20 मई, 2015 तक किया गया जिसमें सोनपुर, ओडिशा के वरिष्ठ कुम्हार श्री लोकनाथ राणा ने 46 पंजीकृत प्रतिभागियों को पॉटरी प्रशिक्षण प्रदान किया।
 - 2.1.2. छत्तीसगढ़ का जूट शिल्प : आठ दिवसीय 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन 15 से 22 मई, 2015 तक किया गया जिसमें श्रीमती सुलच्छिनी पंत ने 29 पंजीकृत प्रतिभागियों को जूट शिल्प प्रशिक्षण प्रदान किया।
 - 2.1.3. ओडिशा की सावरा भित्ति चित्र कला : आठ दिवसीय 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 23 से 30 मई, 2015 तक किया गया जिसमें रायगढ़, ओडिशा के एक युवा सावरा कलाकार श्री जुनेश गोमांगो ने पंजीकृत प्रतिभागियों को पारम्परिक सावरा चित्रकला का प्रशिक्षण दिया।
 - 2.1.4. मैसूर की ग्लास पेंटिंग : आठ दिवसीय 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 1 से 8 जून, 2015 तक किया गया। कर्नाटक से श्रीमती चन्द्रिका एवं श्रीमती उमा देवी ने 63 पंजीकृत प्रतिभागियों को ग्लास पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया।

Educational and Outreach activities had been an integral part of the museum as it directly associates masses with the Museum. In order to maintain the Museum visitor alliance, IGRMS organises various education programmes and outreach activities catering to a wide-range of audience such as school children, youth, adults, teachers, housewife etc.

The Museum education and outreach activities include 'Do & Learn' Museum Education Programme, Artists Workshop, Seminar/Conference/academic workshop, Museum Popular Lectures, Annual IGRMS Lecture, particular festivals and celebration of national and international days as also the occasion and issues related to tangible and intangible heritage etc.

During the year 2015-16, following education and outreach activities were carried out by the Museum:

- 2.1. 'Do and Learn' Museum Education Programme: The Museum organises demonstration and training programmes for registered participants. Folk and tribal artisans of various creative indigenous knowledge systems are invited to impart the training of their respective craft. During the period under review the following four programmes were organised in the Museum campus at Bhopal and other places.
 - 2.1.1. **Pottery and Terracotta of Odisha**: Nine day long 'Do and Learn' Museum Education Programme was organised from 12th to 20th May, 2015 in which Shri Loknath Rana, a senior potter from Sonpur, Odisha imparted training of pottery and terracotta to 46 registered participants.
 - 2.1.2. **Jute craft of Chhattisgarh**: Eight day long 'Do and Learn' Museum Education Programme was organised from 15th to 22nd May, 2015 in which Smt. Sulachhini Pant imparted training of Jute craft to 29 registered participants.
 - 2.1.3. **Saora Wall painting of Odisha**: Eight day long 'Do and Learn' Museum Education Programme was organised from 23rd to 30th May, 2015 in which Shri Junesh Gomango, a Saora youth from Raigada, Odisha imparted training of traditional Saora paintings to 40 registered participants.
 - 2.1.4. **Mysore Glass painting**: Eight day long 'Do and Learn' Museum Education Programme was organised from 1st to 8th June, 2015. Smt. Chandrika and Smt. Uma Devi from Karnataka imparted training of glass painting to 63 registered participants.



Glimpses of Do & Learn programmes organised by IGRMS





राष्ट्रीय बहुमाध्यमिक जनजातीय कला कार्यशाला का श्री मनोज श्रीवास्तव द्वारा उद्घाटन

Glimpses of various Artist Workshops activities organised by IGRMS

चित्र आकार कलाकार शिविर में कलाकारों के साथ चर्चा करते श्री प्रमोद जैन संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार



चित्र आकार कलाकार शिविर के उद्घाटन सत्र में कलाकारों से चर्चा करती सुश्री प्रिया सेठी, राज्य मंत्री, जम्मू कश्मीर

गोदना सृजन कलाकार शिविर में गोदना आकृति तैयार करता एक जनजातीय कलाकार



2.2. **कलाकार कार्यशाला:** लोक तथा जनजातीय समुदायों के बीच कलाकृतियों या शिल्प सामग्रियों का सृजन केवल आजीविका के साधन के रूप में ही नहीं है बल्कि इसमें सामाजिक धार्मिक महत्ता और सम्बद्ध कारीगर समुदाय का सौन्दर्य बोध भी सम्मिलित है। समय और स्थान में विकसित ये कला रूप एक क्षेत्र अथवा उसमें रहने वाले समुदाय की पहचान रहे हैं। अपने प्राकट्य में स्पर्शनीय होते हुए भी इन परम्पराओं में कई अमूर्त पक्ष जो विभिन्न देशज समुदायों और उनके अंतर्सम्बन्धों के अध्ययन में महत्वपूर्ण होते हैं भी समाहित होते हैं। विविध कला परम्पराओं के प्रलेखन, कारीगर समुदायों के प्रोत्साहन और साथ ही संग्रहालय के संकलन में अभिवृद्धि करने तथा दर्शकों को कलाकारों से एक ही स्थान पर सीधे सम्वाद के अवसर उपलब्ध कराने के विचार से इंगारामांस देश के विभिन्न स्थानों, भोपाल स्थित अपने मुख्यालय तथा दक्षिण क्षेत्रिय केन्द्र, मैसूर में कलाकार शिविरों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित कलाकार कार्यशालाएँ आयोजित की गईं :

2.2.1. **राष्ट्रीय बहुमाध्यमिक जनजातीय कला कार्यशाला :** 'राष्ट्रीय बहुमाध्यमिक जनजातीय कला कार्यशाला' शीर्षक से बारह दिवसीय सहयोगात्मक कलाकार कार्यशाला जो 26 मार्च, 2015 को प्रारम्भ हुई थी 6 अप्रैल, 2015 को भोपाल में सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला का आयोजन ललित कला अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से संग्रहालय परिसर में किया गया। तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर, आन्ध्रप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम, नई दिल्ली, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल तथा राजस्थान के लगभग 83 जनजातीय कलाकारों ने प्रतिभागिता की और चित्रकला, धातु शिल्प तथा टेराकोटा इत्यादि में अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

2.2.2 **चित्र आकार :** पाषाण शिल्पियों और लोक व जनजातीय चित्रकारों की 10 दिवसीय कलाकार कार्यशाला का आयोजन 7 से 16 अप्रैल, 2015 तक कला केंद्र, जम्मू में भाषा, कला एवं संस्कृति अकादमी, जम्मू के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र तथा ओडिशा के लगभग 27 लोक तथा जनजातीय कलाकारों ने अपने पारम्परिक कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यशाला का उद्घाटन सुश्री प्रिया सेठी, राज्य मंत्री, सूचना और प्रसारण, शिक्षा तथा संस्कृति विभाग, जम्मू ने किया। श्री प्रमोद जैन, संयुक्त सचिव भी समापन कार्यक्रम में मौजूद थे। श्री जैन ने कार्यशाला में तैयार की गई कलाकृतियों पर केंद्रित एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

2.2.3 **गोदना सृजन :** 'गोदना सृजन' शीर्षक से दस दिवसीय कलाकार कार्यशाला का आयोजन 5 से 14 मई, 2015 तक भोपाल में किया गया। इस कार्यशाला में मध्यप्रदेश के लगभग 10 कलाकारों ने प्रतिभागिता की और कैनवास पर गोदना चित्र तैयार किये। अलंकरण और उपचार की वैकल्पिक पद्धति के रूप में अनेक संग्रहालय दर्शकों ने भी अपने शरीर पर पारम्परिक गोदना गोदवाने के अवसर का लाभ लिया। कार्यशाला 'गोदना परम्परा तथा उसके औषधीय एवं वैज्ञानिक पक्ष' पर एक सम्वाद के साथ सम्पन्न हुई।

2.2.4 **तैत्रीयम:** देश के विभिन्न भागों से 46 एवं लोक जनजातीय कलाकारों की प्रतिभागिता में एक कलाकार कार्यशाला का आयोजन मई, 2015 में कान्हागोड, केरल में किया गया।

2.2.5 **बाघ :** लोक तथा जनजातीय मिथकों में बाघ की स्थिति पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 5 से 12 अक्टूबर, 2015 तक मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड तथा राजस्थान के 28 कलाकारों की प्रतिभागिता में किया गया।

2.2.6 **कृति-2015:** 'कृति-2015' शीर्षक से लोक तथा जनजातीय कलाकारों के वार्षिक राष्ट्रीय मेले का आयोजन 24 दिसम्बर, 2015 से 1 जनवरी, 2016 तक पूर्वोत्तर भारत के 45 कलाकारों की प्रतिभागिता में किया गया। 9 दिवसीय प्रदर्शन सह विक्रय के इस कार्यक्रम से दर्शक कपड़ा, धातु, बुनाई, बांस शिल्प एवं अन्य विविध सजावटी एवं उपयोगी सामग्रियों के रूप में पूर्वोत्तर के लोक तथा जनजातीय समुदायों की रंग-बिरंगी सृजनात्मक और सौन्दर्यात्मक क्षमता से परिचित हो सके।

2.2.7 **मृदा आकार :** पूर्वोत्तर भारत के कुम्हारों की एक प्रादर्श निर्माण कार्यशाला का आयोजन 12 जनवरी से 14 मार्च, 2016 तक मणीपुर और नागालैण्ड के 12 कुम्हारों की प्रतिभागिता में किया गया। प्रतिभागी कलाकार संग्रहालय में विशेष संदर्भों के साथ प्रदर्शन हेतु दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, बर्तन तथा अनुष्ठानिक उपयोग की सामग्रियाँ बनाने में संलग्न रहे।



Glimpses of various Artist Workshops activities organised by IGRMS



2.2. Artist Workshops: Creation of craft items or artefacts among folk and tribal communities is not only a medium of livelihood but also contains socio-religious significance and aesthetic sense of respective artisan community. These art forms evolved in time and space have been an identity mark of a region or community residing there. Although being tangible in their appearance such art traditions contain several intangible aspects important for the study of various ethnic groups and their interrelations. With an aim to document various art traditions, artisans as well as to enrich museum's collection as also to provide an opportunity of direct interaction between artists and visitors at same place IGRMS organises artists camps and workshops in various parts of country and its headquarter at Bhopal and Southern Regional Centre, Mysore. During the year, following seventeen artist workshops were organised:

2.2.1. National Multimedia Tribal Art Workshop: Twelve day long collaborative artists workshop entitled "National Multimedia Tribal Art Workshop" began from 26th March was concluded on 6th April, 2015 at Bhopal. This workshop was organised in collaboration with Lalit Kala Academy, New Delhi in the Museum premises. Nearly 83 tribal artists from Tamilnadu, Jammu & Kashmir, Andhra Pradesh, Himachal Pradesh, Karnataka, Mizoram, Tripura, Meghalaya, Sikkim, New Delhi, Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Bihar, Odisha, West Bengal and Rajasthan participated and demonstrated their skill on painting, metal casting, Terracotta etc.

2.2.2. Chitra Aakar: Ten day long artist workshop of stone carvers and folk and tribal painters was organised from 7th to 16th April, 2015 at Kala Kendra, Jammu in collaboration with Academy of Language, Art and Culture, Jammu. In this programme nearly 27 folk and tribal artists from Gujarat, Jammu & Kashmir, Rajasthan, Bihar, Maharashtra and Odisha demonstrated their traditional craft skill. The workshop was inaugurated by Ms. Priya Sethi, State Minister for Information and Broadcasting, Education and Culture, Jammu and Kashmir. Shri Promod Kumar Jain, Joint Secretary was also present in the Valedictory Function. Shri Jain also inaugurated the exhibition based on the products generated in the workshop.

2.2.3. Godna Srijan: Ten day long artists workshop entitled 'Godna Srijan' was organised at Bhopal from 5th to 14th May, 2015. In this workshop nearly 10 artists from Madhya Pradesh participated and prepared tattoo motives on canvas. A number of museum visitors availed the opportunity of having traditional tattoos on their body as decoration as also and optional of way healing. The workshop concluded with a colloquium on tattoo traditions and their medicinal and scientific aspects.

2.2.4. Taittireeyam: An artists workshop with participation of 46 folk and tribal artisans from different parts of the country was organised in May, 2015 at Kanhangod, Kerala.

2.2.5. Baagh: A national workshop of folk and tribal artists to highlight the realm of tiger in folk and tribal myths was organised by the Museum from 5th to 12th October, 2015 with participation of 28 artists from Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Odisha, Bihar, West Bengal, Jharkhand and Rajasthan.

2.2.6. Kriti-2015 : Annual National Craft Fair of folk and tribal artists entitled "Kriti-2015" was organised from 24th December, 2015 to 1st January, 2016, with participation of nearly 45 artists from North Eastern States. This 9 day long demonstration cum sale event enabled visitors to be introduced with colour full creative and aesthetic ability of folk and tribal communities of North East in form of textile, metal, weaving, Bamboo craft and various other decorative and utility items.

2.2.7. Mrida-Aakar : An exhibit preparation workshop of potters from North-East India organised during the period of 12th January to 14th March, 2016 with participation of nearly 12 potters from the states of Manipur and Nagaland. Participating artists were engaged in preparing articles of daily use, pots and objects of ritual purpose etc. for display in the museum with special reference.

Glimpses of various Artist Workshops activities organised by IGRMS

- 2.3. **संगोष्ठियां/ परिसम्वाद/ कार्यशालाएं**: संग्रहालय द्वारा मानवजाति के सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों के विभिन्न पक्षों पर संगोष्ठियां, परिसंवाद, संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान इत्यादि का आयोजन किया जाता है। यह गतिविधियाँ देश में एक नवीन संग्रहालय आंदोलन उत्पन्न करने के लिए उपयोगी हैं। अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित सोलह विषयों पर संगोष्ठियाँ/ परिसंवाद आयोजित किए गए।
- 2.3.1. **कल्चरल हैरिटेज ऑफ असम** : असम की सांस्कृतिक धरोहर पर एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 23 से 25 अप्रैल, 2015 तक मानवविज्ञान विभाग, गोहाटी विश्वविद्यालय, गोहाटी के सहयोग से किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन 23 अप्रैल, 2015 को मुख्य अतिथि प्रो. बीरेन्द्र नाथ दत्ता ने श्री हरि प्रसाद शर्मा, अधिाशिक्षक, गोहाटी विश्वविद्यालय, प्रो. ए.सी. भगवती, विशेष अतिथि तथा प्रो मिनि भट्टाचार्य, अध्यक्ष उद्घाटन सत्र की उपस्थिति में किया। प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने परिचयात्मक भषण दिया। प्रमुख वक्ता थे प्रो. के.के. बासा, पूर्व निदेशक, इंगारामासं तथा प्रो., मानवशास्त्र विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने प्रस्तुत किया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान लगभग 94 शोध पत्र प्रस्तुत किये गये तथा असम की सांस्कृतिक धरोहर के विभिन्न पक्षों पर चर्चा की गई।
- 2.3.2. **कल्चरल हैरिटेज ऑफ सिक्किम** : सिक्किम की सांस्कृतिक धरोहर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 25 से 27 अप्रैल, 2015 को मानवशास्त्र विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी, गंगटोक, सिक्किम में किया गया। तीन दिवसीय संगोष्ठी की शुरुआत 25 अप्रैल को उद्घाटन सत्र से हुई। प्रो. समीरा मैत्री संगोष्ठी की आयोजक सचिव तथा डीन, स्कूल ऑफ ह्यूमन साइंसेस ने संगोष्ठी की विषय वस्तु से परिचित कराया। 25 तारिख को ही प्रो. टी.बी. सुब्बा, कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय ने सिक्किम की सांस्कृतिक धरोहर पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 2.3.3. **म्यूजियम फॉर ए सस्टेनेबल सोसायटी** : 19 मई, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह के भाग के रूप में एक सम्वाद का आयोजन किया गया जिसमें इंगारामासं तथा भोपाल के अन्य विभिन्न संग्रहालयों के कर्मियों, विद्वानों इत्यादि ने अपने विचार साझा किये।
- 2.3.4. **एन्थ्रोपोलॉजी एंड ह्यूमन वेलफेयर** : मानवशास्त्र और मानव कल्याण विषय पर एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 23 से 25 मई, 2015 तक इंगारामासं द्वारा एन्थ्रोपोलॉजिकल सोसायटी, कोलकाता के सहयोग से कोलकाता में किया गया।
- 2.3.5. **इन्टेन्जिबल कल्चरल हैरिटेज ऑफ साउथ इण्डिया** : दक्षिण भारत की अमूर्त संस्कृति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 11 एवं 12 मई, 2015 को कन्नूर विश्वविद्यालय के सहयोग से पी.के. राजम मेमोरियल कैम्पस, कससगोड़ा जिला, केरल में किया गया।
- 2.3.6. **सेवन बिलियन ड्रीम्स एंड वन प्लानेट** : कन्ज्यूम विथ केयर : विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के भाग के रूप में एक सम्वाद का आयोजन संग्रहालय के शैलकला केंद्र में 6 जून, 2015 को किया गया जिसमें डॉ. ए.के. भट्टाचार्य, आई.एफ.एस., एडीशनल प्रिंसिपल चीफ कन्जर्वेटर ऑफ फारेस्ट, मिशन डायरेक्टर, एम.पी. स्टेट बैम्बू मिशन ने मुख्य व्याख्यान दिया। सम्वाद में शहर के विद्वानों और दर्शकों द्वारा प्रतिभगिता की गई।
- 2.3.7. **म्यूजियम मूवमेंट इन साउथ इण्डिया** : 'दक्षिण भारत में संग्रहालय आन्दोलन' पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 27 एवं 28 जुलाई, 2015 को क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, मैसूर के सहयोग से दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर में किया गया। प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। प्रो. पी.के. मिश्रा, अध्यक्ष एन्थ्रोपोलॉजिकल एसोसिएशन, मैसूर ने दक्षिण भारत में संग्रहालय आंदोलन के विकास पर अवलोकनात्मक जानकारी दी तथा संगोष्ठी की विषय वस्तु से संबंधित कुछ तार्किक मुद्दे उठाये।
- 2.3.8. **नैशनल वर्कशॉप ऑन एन्थ्रोपोलॉजी एंड म्यूजियम** : भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में मानवशास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु मानवशास्त्र तथा संग्रहालय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 23 से 25 सितम्बर, 2015 तक भोपाल में किया गया। इस कार्यशाला में झारखण्ड, अमरकंटक, धारवाड़, मणीपुर, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली इत्यादि विश्वविद्यालयों के 54 विद्यार्थियों ने प्रतिभगिता की। कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. के.के. बासा, भूतपूर्व निदेशक, इंगारामासं तथा प्राध्यापक, मानवशास्त्र विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर ने किया। विद्यार्थियों को प्रो.के.के. बासा, प्रो. एस.एन. चौधुरी, राजीव गांधी चेर इन कन्टेम्प्रेरी स्टडीज, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल तथा प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं द्वारा भी संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिये गये।
- 2.3.9. **कल्चरल हैरिटेज ऑफ नागालैण्ड** : नागालैण्ड की सांस्कृतिक धरोहर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कोहिमा साइन्स कॉलेज, कोहिमा, नागालैण्ड के सहयोग से 29 एवं 30 सितम्बर 2015 को कोहिमा साइन्स कॉलेज, कोहिमा में किया गया।
- 2.3.10. **कन्जर्वेशन ऑफ इन्थोग्राफिक स्पेसीमेन्स** : मानवशास्त्रीय प्रादर्शों के संरक्षण पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 27 से 29 अक्टूबर, 2015 तक मानव शास्त्रीय प्रादर्शों के संरक्षण में संलग्न अन्य संस्थानों तथा संग्रहालयों के 32 कर्मियों की प्रतिभगिता में किया गया।
- 2.3.11. **एन्थ्रोपोलॉजी** : अनवीलिंग द मिस्टीक : इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से इग्नू में दिनांक 28 एवं 29 अक्टूबर, 2015 को एन्थ्रोपोलॉजी : अनवीलिंग द मिस्टीक' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन इग्नू में किया गया। प्रो. नागेश्वर राव कुलपति, इग्नू ने उद्घाटन भाषण दिया जबकि पद्मश्री प्रो. के. पदैय्या, एमेरिटस प्रोफेसर तथा पूर्व निदेशक डेक्कन कॉलेज ने मुख्य वक्तव्य दिया।
- 2.3.12. **सिन्क्रेटिज़्म इन इण्डिया** : कल्चरल एण्ड रिलीजियस डायमेंशन्स : 'भारत में समन्वयता : सांस्कृतिक और धार्मिक आयाम' शीर्षक से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन संस्कृति-एनईआईसीआर, गोहाटी के सहयोग से 22 नवम्बर, 2015 को संस्कृति एनईआईसीआर में किया गया।

- 2.3. Seminars/Conferences/Workshops:** The Museum organises seminars, symposium, colloquium, museum popular lectures etc on various aspects of socio-cultural relations of humankind. These activities are useful to generate a new museum movement in the country. During the period sixteen such seminars/symposiums on the following themes were organised in different parts of the country:
- 2.3.1. **Cultural Heritage of Assam :** A three day National Seminar on 'Cultural Heritage of Assam' was organized from 23rd -25th April 2015 in collaboration with Deptt. of Anthropology, Guwahati University, Guwahati, Assam. The Seminar was inaugurated on 23rd April 2015 by Prof. Birendranath Datta in presence of Prof. Hari Prasad Sarmah, the Rector, Gauhati University as Chief Guest, Prof. A.C. Bhagabati as Guest of honour and Prof. Mini Bhattacharya as president of the inaugural session. Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS gave introductory speech. The Keynote address was presented by Prof. K.K. Basa, the former Director of IGRMS and Prof. of Dept. of Anthropology, Utkal University, Bhubaneswar. During this three day event around 94 papers were presented and discussed on different aspects of the cultural heritage of Assam.
 - 2.3.2. **Cultural Heritage of Sikkim:** A national seminar on 'Cultural Heritage of Sikkim' was organised from 25th to 27th April, 2015 in collaboration with Deptt. of Anthropology, Sikkim University, at Namgyal Institute of Tibetology, Gangtok, Sikkim. The three day conference started with the inaugural session on the 25th April. The Organizing Secretary of the conference and Dean, School of Human Sciences, Prof. Sameera Maiti introduced the theme of the seminar. On the 25th April a special lecture on 'The Cultural Heritage of Sikkim' was delivered by Prof. T. B. Subba, Vice Chancellor, Sikkim University.
 - 2.3.3. **Museums for a Sustainable Society:** A colloquium on 'Museums for a Sustainable Society' as part of International Museum Day celebration was organised on 19th May, 2015 in which museum personnels from IGRMS and scholars of other various Museums of Bhopal, etc. shared their views.
 - 2.3.4. **Anthropology and Human Welfare:** A three day National Seminar on "Anthropology and Human Welfare" was organized from 23rd to 25th May, 2015 by IGRMS in collaboration with Anthropological Society, Kolkata at Kolkata.
 - 2.3.5. **Intangible Cultural Heritage of South India:** Two day National Seminar on 'Intangible Culture of South India' was organized on 11th and 12th May, 2015 in collaboration with Kannur University at P.K. Rajam Memorial campus, Kasargoda district in Kerala.
 - 2.3.6. **Seven Billion Dreams and One Planet:** Consume with Care: a colloquium as part of World Environment Day celebration was organised at Rock Art Centre of Museum on 6th June, 2015, in which Keynote address was delivered by Dr. A. K. Bhattacharya, IFS, Additional Principal Chief Conservator of Forest Mission, Director, M.P. State Bamboo Mission. Colloquium was participated by scholars and visitors from the city.
 - 2.3.7. **Museum Movement in South India:** A two day national seminar on 'Museum Movement in South India' in collaboration with Regional Museum of Natural History, Mysore was organised on 27th and 28th July, 2015 at Southern Regional Centre, Mysore. Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS inaugurated the seminar, Prof. P.K. Mishra, President of Anthropological Association, Mysore reflected overview of the growth of the Museum Movement in South India and raised certain pertinent issues linking with the theme of the seminar.
 - 2.3.8. **National Workshop on Anthropology and Museums:** A national workshop on Anthropology and Museums was organized at Bhopal from 23rd to 25th September, 2015 for the post-graduate students of department of anthropology in various universities of India. In this workshop altogether 54 students from University of Jharkhand, Amarkantak, Dharward, Manipur, Sikkim, Arunachal Pradesh, Delhi University etc. participated. The workshop was inaugurated by Prof. K.K. Basa, former Director, IGRMS and Prof. in Deptt. of Anthropology in Utkal University, Bhubneswar. Prof. K.K. Basa, Prof. S.N. Chaudhary, Rajiv Gandhi Chair in Contemporary Studies, Barkatullah University, Bhopal and Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS river given lectures to the students on the related topic. Students were taken to the various open-air and indoor exhibitions and facility units of the Sangrahalaya. They were also visited World Heritage site Bhimbetka as educational excursion.
 - 2.3.9. **Cultural Heritage of Nagaland:** A National Seminar on the Cultural Heritage of Nagaland was organised in collaboration with Kohima Science College, Kohima, Nagaland on 29th and 30th September, 2015 at Kohima Science College, Kohima.
 - 2.3.10. **Conservation of Ethnographic specimens:** Three day national workshop on Conservation of Ethnographic Specimen was organised by the Museum from 27th to 29th October, 2015 with participation of 32 officials from the Museums and other organisations of country engaged in conservation of ethnographic specimens.
 - 2.3.11. **Anthropology: Unveiling the Mystique:** National Seminar on 'Anthropology: Unveiling the Mystique' was organised in collaboration with Indira Gandhi National Open University, New Delhi on 28th and 29th October, 2015 at IGNOU, New Delhi. Prof. Nageshwar Rao, Vice Chancellor, IGNOU gave the inaugural address where as Padma Shree Prof. K. Paddayya, Emeritus Professor and Former Director, Deccan College gave the keynote address.
 - 2.3.12. **Syncretism in India : Cultural and Religious Dimensions:** National Seminar entitled 'Syncretism in India: Cultural and Religious Dimensions' was organised in collaboration with SANSKRITI-NEICR, Guwahati on 21st to 22nd November, 2015 at SANSKRITI-NEICR, Guwahati

- 2.3.13. **एन्थ्रोपोलॉजिकल गेज** : 'मानव विज्ञान, मानवशास्त्रीय संग्रहालय तथा जनजातीय प्रतिनिधित्व एक मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण' शीर्षक से एक सम्वाद का आयोजन 26 नवम्बर, 2015 को किया गया जिसमें संग्रहालय के क्यूरेटोरियल तथा अन्य स्टाफ सदस्यों ने विषय पर चर्चा की। सम्वाद की अध्यक्षता प्रो. सरित के. चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने की।
- 2.3.14. **नैशनल वर्कशॉप ऑन म्यूजियम एण्ड एन्थ्रोपोलॉजी** : मानवशास्त्र के विश्वविद्यालयीन शिक्षकों की चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 11 से 14 जनवरी, 2016 तक झारखण्ड विश्वविद्यालय, विश्वभारती विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय इत्यादि के 13 शिक्षकों तथा फैकल्टीज की प्रतिभागिता में किया गया।
कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. विनय के. श्रीवास्तव, मानवशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, डा. हैब लीडिया गुर्जी, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉर्क, नैशनल यूनिवर्सिटी आफ आयरलैण्ड, आयरलैण्ड तथा प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने संयुक्त रूप से किया। डॉ गुर्जी ने इंगारामासं, भोपाल तथा विश्व के अन्य संग्रहालयों के तुलनात्मक अध्ययन के अपने निष्कर्ष बताते हुए मुख्य भाषण दिया। प्रो. श्रीवास्तव ने नव संग्रहालय आंदोलन की उपत्ति और प्रसार में इंगारामासं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागी शिक्षकों ने भी अपने निवनतम शोध कार्यों पर प्रस्तुतियाँ दीं।
- 2.3.15. **इण्डियन एन्थ्रोपोलॉजिकल कॉंग्रेस** : 2016 : इण्डियन नैशनल कॉन्फेडरेशन एण्ड एकेडमी ऑफ एन्थ्रोपोलॉजी के सहयोग से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 21 से 23 फरवरी, 2016 तक असम विश्वविद्यालय दिफु कैम्पस, असम में किया गया।
- 2.3.16. **ओरल एण्ड लिट्रेरी ट्रेडीशन्स ऑफ नागालैण्ड** : इंगारामासं के 40 वें स्थापना दिवस समारोह के भाग के रूप में नागालैण्ड की वाचिक एवं साहित्यिक परम्पराओं पर एक सम्वाद का आयोजन 23 मार्च, 2016 को किया गया। प्रसिद्ध अध्येता पद्मश्री प्रो. तेम्सुला आओ ने मुख्य वक्तव्य दिया। सम्वाद में मोनालिसा चांगिकजा, प्रो. अनुंगला आय्यर, एग्नेस कोचा टेपा, फेज़िन कोन्याक, पीटर बॉस, रीटा कोचा तथा डॉ. के.के. चक्रवर्ती इत्यादि के द्वारा शोध पत्र भी प्रस्तुत किये गये। सम्वाद की अध्यक्षता प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने की।



Glimpses of various academic activities organised by IGRMS Academic Workshops



2.3.13. **Anthropological Gaze:** A colloquium entitled "Anthropology, Ethnographic Museum & Tribal Representation" was organised on 26th November, 2015 in which Curatorial and other staff of the Museum discussed on the theme. The colloquium was chaired by Prof. Sarit K. Choudhuri, Director, IGRMS.

2.3.14. **National workshop on Anthropology and Museums :** Four day long national Workshop of university teachers of anthropology was organised from 11th to 14th January, 2016 with participation of 13 teachers and faculties from the University of Jharkhand, Vishwa Bharati University, Delhi University, etc.

The workshop was jointly inaugurated by Prof. Vinay K. Srivastav, Deptt. of Anthropology, Delhi University, Delhi, Dr. Hab Lydia Guzy, University College Cork, National University of Ireland, Ireland and Prof. Sarit Kumar Choudhuri, Director, IGRMS. Dr. Guzy gave the key note address explaining findings of a comparative study of other museums of the world and the IGRMS, Bhopal. Prof. Shrivastava highlighted the role of IGRMS in generation and spreading of New museum Movement. Participating teachers also gave presentations on their latest research works during the workshop.

2.3.15. **Indian Anthropological Congress:** 2016: A National Seminar was organised in collaboration with Indian National Confederation and Academy of Anthropology from 21st to 23rd February, 2016 at Assam University, Diphu campus, Assam.

2.3.16. **Oral and Literary Traditions of Nagaland:** As part of the 40th Foundation Day celebration of the IGRMS a colloquium on Oral and Literary Traditions of Nagaland was organised on 23rd March, 2016. Noted Scholar Padmashri Prof. Temsula Ao delivered the keynote address. The Colloquium was also marked by paper presentations of Monalisa Changkija, Prof. Anungla Aier, Agnes Krocha Tapa, Phejin Konyak, Peter Bos, Rita Krocha and Dr. K.K. Chakravarti etc. The colloquium was chaired by Prof. Sarti Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS.



Glimpses of various academic activities organised by IGRMS Academic Workshops



2.4. संग्रहालय लोक रूचि व्याख्यान : अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा निम्नलिखित संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यानों का आयोजन किया गया:

- 2.4.1. प्रो सविता राजे, स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर, भोपाल ने 18 अप्रैल, 2015 को 'लिविंग आर्किटेक्चरल हैरिटेज ऑफ भोपाल' पर एक व्याख्यान दिया। व्याख्यान की अध्यक्षता प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने की।
- 2.4.2. कोलकाता के एक फिल्म निर्माता श्री सजल समदर ने 1 जून, 2015 को संग्रहालय परिसर में 'ऐस्थेटिक्स इन एन्थ्रोपोलॉजिकल फिल्मस' पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.4.3. श्री स्वरूप भट्टाचार्य, क्यूरेटर, मौलाना आजाद संग्रहालय, कोलकाता ने 4 अगस्त, 2015 को 'टाइपोलॉजिकल वेरिएशन एण्ड टेक्नोलॉजिकल एक्सीलेंस इन बेंगाल बोट डिजाइन' पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.4.4. डॉ. एल.के. माथुर, वैज्ञानिक, केंद्रीय भू-जल मण्डल, भोपाल ने 6 अगस्त, 2015 को 'जल संरक्षण एवं प्रबंधन' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.4.5. प्रसिद्ध मानवशास्त्री प्रो. एस.एम. पटनायक, मानवशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने 9 अगस्त, 2015 को 'अण्डरस्टैंडिंग इण्डिजनस क्वेश्चन : हिस्ट्री, पॉलिटिक्स एण्ड द फ्यूचर' पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.4.6. विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर विख्यात छायाकार श्री अविनाश पसरीचा, नई दिल्ली ने बेगम अख्तर पर एक आडियो-वीजुअल प्रस्तुति के साथ छायांकन के विभिन्न तकनीकों पर 22 अगस्त, 2015 को शैलकला केन्द्र में एक व्याख्यान दिया।
- 2.4.7. एक युवा प्राणी वैज्ञानिक तथा यंग साइंटिस्ट अवार्ड के विजेता डॉ. तुषार लोखंडे ने 'बाघों के संरक्षण में जनजातियों की भूमिका' पर एक व्याख्यान 7 अक्टूबर, 2015 को दिया।
- 2.4.8. सीबीआई के निरीक्षक श्री अर्जुन कदम ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर 29 अक्टूबर 2015 को 'प्रिवेंटिव विजिलेंस एज ए टूल ऑफ गुड गवर्नेंस' पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.4.9. डॉ. वीणा सिन्हा सीएमएचओ, भोपाल ने अक्टूबर 2015 में 'क्लीनलीनेस एण्ड प्रिवेशन फॉर्म द डिजीजलाइक डेंगू एण्ड स्वाइन फ्लू' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.4.10. 'डैवलपमेन्ट ऑफ इंग्लिश अल्फाबेट एण्ड इट्स इण्टररिलेशन विथ एन्शियन्ट इण्डियन अल्फाबेट' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन 5 दिसम्बर, 2015 को किया गया। व्याख्यान डॉ. विम ब्रॉसबूम, एक स्वतन्त्र शोध अध्येता एवं भाषाविद् ने दिया। इस अवसर पर 'अल्फाबेट ऑर आब्रा का डाबरा' शीर्षक से उनके द्वारा लिखित पुस्तक जिसमें पाणिनी द्वारा विकसित प्राचीन भारतीय वर्णमाला की प्राचीनता को स्थापित करते कई रोचक तथ्य उद्धृत हैं, का भी विमोचन किया गया।
- 2.4.11. सुश्री सिसेल गिल्यूम ने 27 फरवरी, 2016 को 'द ट्रांसफार्मेटिव जर्नी ऑफ ए सावरा पेंटिक्स' पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.4.12. श्री दीपांकर सेनगुप्ता, तकनीकी निदेशक एवं वैज्ञानिक, एनआईसी, नई दिल्ली ने 15 मार्च 2016 को 'इन्फॉर्मेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नालॉजी इनिशियेटिव्स इन एकाउंटिंग एण्ड फाइनेंशियल मैनेजमेन्ट' विषय पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.4.13. सुश्री फ्रेंचेस्का क्यूबिलो, वरिष्ठ क्यूरेटर, नैशनल गैलरी ऑफ ऑस्ट्रेलिया, कैनबरा ने 'एबोरिजनल आर्ट ऑफ ऑस्ट्रेलिया' पर 16 मार्च, 2016 को भोपाल में एक व्याख्यान दिया।



Glimpses of various academic activities organised by IGRMS Museum Popular Lecture



Glimpses of various academic activities organised by IGRMS Museum Popular Lecture



Glimpses of various academic activities organised by IGRMS Museum Popular Lecture





Glimpses of various academic activities organised by IGRMS Museum Popular Lecture



Glimpses of various academic activities organised by IGRMS Museum Popular Lecture



2.4. Museum Popular Lecture: During the period following museum popular lectures were organised in the Sangrahalaya:

- 2.4.1. Prof. Savita Rajee, School of Planning and Architecture, Bhopal delivered a lecture on 'Living Architectural Heritage of Bhopal' on 18th April, 2015. The lecture was chaired by Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS.
- 2.4.2. Shri Sajal Samaddar, a Filmmaker from Kolkata delivered Museum Popular lecture on 'Aesthetics in Anthropological Films' in the Museum premises on 1st June, 2015.
- 2.4.3. Shri Swaroop Bhattacharya, Curator, Maulana Azad Museum, Kolkata delivered a lecture on "Typological Variation and Technological Excellence in Bengal Boat Design" on 4th August, 2015. The lecture was chaired by prof. Sarit Kumar Chauddhury, Director, IGRMS.
- 2.4.4. Dr. L.K. Mathur, Scientists, Central Ground Water Board, Bhopal delivered a lecture on the theme 'Water Conservation and Management' on 6th August, 2015.
- 2.4.5. Renowned Anthropologist Prof. S.M. Patnayak, Deptt. of Anthropology, Delhi University, Delhi delivered a lecture on "Understanding Indigenous Question: History, Politics and the Future" on 9th August, 2015.
- 2.4.6. On the occasion of World Photography Day famous photographer Shri Avinash Pasricha, New Delhi delivered a lecture on the different techniques of Photography on 22nd August, 2015 at Rock Art Centre along with the audio-visual presentation on Begum Akhtar.
- 2.4.7. Dr.Tushar Lokhande, a young zoologist and the winner of young Scientist award delivered a lecture on 'The Role of Tribals in Conservation of Tigers' on 7th October, 2015.
- 2.4.8. Shri Arjun Kadam, Inspector of CBI delivered a lecture on 'Preventive Vigilance as a Tool of Good Governance' on 29th October, 2015 on the occasion of Vigilance Awareness Week.
- 2.4.9. Dr. Veena Sinha, CMHO, Bhopal delivered a lecture in 'Cleanliness and prevention from the disease like Dengue and Swine flue' on October, 2015.
- 2.4.10. A lecture on the topic 'Development of English alphabet and its interrelation with ancient Indian Alphabet' was organised on 5th December, 2015. The lecture was delivered by Dr. Wim Brosboom an independent linguist and researcher. A book entitled 'Alphabet or Abra ca Dabra' written by him exploring many interesting facts and establishing the antiquity of ancient Indian alphabet developed by Panini, was also launched on the occasion.
- 2.4.11. Ms Cecile Guillaume delivered a lecture on "the transformative Journey of a Sora Paintings" on 27th February, 2016
- 2.4.12. Shri Deepankar Sengupta, Technical Director and Scientist, NIC, New Delhi delivered a lecture on the topic 'Information and Communication Technology Initiatives in Accounting and Financial Management' on 15th March, 2016.
- 2.4.13. Ms. Franchesco Cubillo, Senior Curator, National Gallery of Australia, Canberra delivered a lecture on 'Aboriginal Art of Australia' on 16th March, 2016 at Bhopal.



Glimpses of various academic activities organised by IGRMS Museum Popular Lecture



Glimpses of various academic activities organised by IGRMS



2.5. वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान :

2.5.1. 12 वॉ वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान 22 मार्च, 2016 को प्रो. अमरेश्वर गल्ला, कार्यकारी निदेशक, इन्टरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द इन्क्लूसिव म्यूजियम द्वारा 'रीथिकिंग म्यूजियम्स एण्ड इंडिजिनस पीपुल्स' विषय पर दिया गया। व्याख्यान की अध्यक्षता डॉ. जयन्त सेनगुप्ता, सचिव एवं क्यूरेटर, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता ने की।





Glimpses of various academic activities organised by IGRMS



2.5. Annual IGRMS Lecture:

2.5.1. 12th Annual IGRMS lecture was delivered by Prof. Amreswar Galla, Executive Director, International Institute for the Inclusive Museum on the topic 'Rethinking Museums and Indigenous Peoples' on 7th January, 2016. The lecture was chaired by Dr. Jayanta Sengupta, Secretary & Curator, Victoria Memorial Hall, Kolkata.



2.6. प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन:

सभी कला रूपों में मानव जीवन में संगीत और नृत्य का महत्वपूर्ण स्थान है और लोक तथा जनजातीय समाजों में तो यह उनके जीवन और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। अपने विविध रूपों में संगीत मानवीय भावों के सम्प्रेषण और अभिव्यक्ति सहित शिक्षण का भी माध्यम रहा है। संग्रहालय को समुदायों तक पहुँचाने तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने हेतु इंगारामासं लोक जनजातीय, शास्त्रीय संगीत व मंचीय प्रस्तुतियाँ इत्यादि के विविध कार्यक्रमों का आयोजन करता है। यह गतिविधियाँ विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच सांस्कृतिक समझ को मजबूती प्रदान करने तथा दूसरी ओर देश में नव संग्रहालय आन्दोलन की शुरुवात में उपयोगी होती है। अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा भोपाल सहित देश के विभिन्न भागों में सोलह कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

- 2.6.1. **आरोही** : भोपाल की दो युवा प्रतिभाओं श्री सत्येन्द्र सिंह सोलंकी तथा श्री आमिर खान ने 18 अप्रैल, 2015 को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर क्रमशः सन्तूर एवं सरोद वादन की प्रस्तुति दी।
- 2.6.2. **पूनम-35**: शास्त्रीय संगीत की विशेष कार्यक्रम श्रृंखला में सुविख्यात शास्त्रीय गायक पद्मविभूषण पं. जसराज के गायन का आयोजन 4 अप्रैल, 2015 को 35 वी कड़ी के रूप में भोपाल में किया गया।
- 2.6.3. उदीयमान कलाकार सुश्री शिंजनी कुलकर्णी द्वारा कथक नृत्य की प्रस्तुति का आयोजन 18 मई, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर किया गया।
- 2.6.4. **भारत के रंग**: भारत के रंग शीर्षक से प्रस्तुतिकारी कलाओं के प्रदर्शन का तीन दिवसीय सहयोगात्मक कार्यक्रम 5 से 7 अगस्त, 2015 तक आयोजित किया गया। जिसमें असम, मेघालय तथा सिक्किम के कलाकारों ने अपने पारम्परिक नृत्यों जैसे बिहु, सत्रीय, घाटो, ग्वालपड़िया, वांग्ला, रूगाला इत्यादि की प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम का आयोजन दो शैक्षणिक संस्थाओं आइसेक्ट विश्वविद्यालय रायसेन तथा कैम्पियन स्कूल, भोपाल के सहयोग से 6 तथा 7 अगस्त, 2015 को उनके परिसर में साथ ही 5 अगस्त, 2015 को इंगारामासं में किया गया।
- 2.6.5. **बेगम अख्तर शताब्दी समारोह** : 'बेगम अख्तर शताब्दी स्मृति समारोह' एक विशेष सहयोगी कार्यक्रम का आयोजन इंगारामासं द्वारा भोपाल स्थित अपने परिसर में 22 एवं 23 अगस्त, 2015 को आइजीएनसीए, नई दिल्ली तथा नादसागर, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में बेगम अख्तर की विरासत पर आधारित कई भाग थे। श्रीमती शुभा गुहा-प्रख्यात दुमरी-दादरा गायिका तथा जनाब माजिद हुसैन, कव्वाल और उनके साथियों ने क्रमशः 22 अगस्त 2015 को दादरा, दुमरी तथा कव्वाली की प्रस्तुतियाँ दी। वही दूसरे दिन विदुषी श्रुति सदोलीकर काटकर ने दुमरी- दादरा गीतों की तत्पश्चात् उस्ताद असलम खान ने गजल की प्रस्तुति दी।
- 2.6.6. **कठपुतली प्रदर्शन**: नवम्बर, 2015 में माह के प्रादर्श का उद्घाटन राजस्थान के पारम्परिक कठपुतली कलाकार श्री राजप्रकाश भट्ट द्वारा 11 नवम्बर, 2015 को कठपुतली के प्रदर्शन के साथ हुआ।
- 2.6.7. **राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव**: इंगारामासं ने 15 से 17 दिसम्बर, 2015 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव का आयोजन भुवनेश्वर में एससीएसटीआरटीआई, भुवनेश्वर के सहयोग से किया। इंगारामासं ने असम, मेघालय तथा नागालैण्ड से तीन कलाकार दल प्रायोजित किये।
- 2.6.8. **कृति- 2015**: प्रस्तुतिकारी कलाओं के प्रदर्शन का तीन दिवसीय कार्यक्रम 30 दिसम्बर 2015 से 1 जनवरी 2016 तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान असम, सिक्किम, मेघालय और मणीपुर के कलाकारों ने उनके पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुति दी।
- 2.6.9. **पोऊबी लाई**: जन सामान्य को पोऊबी लाई की कथा और साथ ही मणीपुर की समृद्ध सांस्कृति धरोहर से परिचित कराने के उद्देश्य से सीवायसीए, इम्फाल के कलाकारों ने 7 जनवरी, 2016 को एकल प्रादर्श प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर 'पोऊबी लाई' शीर्षक से एक नृत्य नाटिका का मंचन किया।
- 2.6.10. **फ्यूजन 2016**: इंगारामासं ने मणीपुर और नागालैण्ड से तीन विविध फ्यूजन बैंड ट्रुप आमंत्रित कर 11 से 13 जनवरी, 2016 तक फ्यूजन संगीत के तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का पहला दिन अर्थात् 11 जनवरी 2016 मणीपुर के डेल वादकों को समर्पित था जिसमे तीन महिलाओं सहित उदीयमान डेल वादकों तथा पारम्परिक वाद्ययंत्र वादकों ने फ्यूजन संगीत की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। 12 जनवरी, 2016 को गुरु र्यूबेन मशांग्वा और उनके पुत्र ने लोक, जनजातीय तथा पाश्चात्य संगीत के मोहक फ्यूजन की प्रस्तुति दी। तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन ग्रेमी अवार्ड हेतु नामित नागालैण्ड के बैंड एबायोजेनेसिस की एक उत्साहवर्धक और आकर्षक प्रस्तुति से हुआ, जिसमें सुश्री अरेन्ला सुबाँग, मोआ सुबाँग तथा साथियों ने नागालैण्ड की प्राकृतिक सुन्दरता का वर्णन करते गीत और संगीत की प्रस्तुति दी।
- 2.6.11. **लोकरंग-2016** : इंगारामासं ने असम, मणीपुर, त्रिपुरा, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश से 5 नृत्य दल प्रायोजित कर संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 26 से 31 जनवरी, 2016 तक आयोजित प्रतिष्ठित वार्षिक लोकरंग उत्सव में सहभागिता की।
- 2.6.12. **ओरिहा उत्सव** : अरुणाचल प्रदेश के 35 वांचो कलाकारों के दल ने 16 फरवरी, 2016 को अनुष्ठान और पारम्परिक नृत्य की प्रस्तुति देते हुए संग्रहालय परिसर में ओरिहा पर्व मनाया। इस कार्यक्रम से दर्शकों को वांचो संस्कृति, परिधान और परम्पराओं के बारे में जानने को मिला।

2.6. Performing Art Presentations:

Among all art forms dance and music have a significant position in life of humankind, and in folk and tribal societies it is an inseparable part of their life and culture. Music in its varied forms has been a medium of communication, expression of human feelings and a way of teaching as well. As part of its activities to take museum to the door steps of communities and strengthen the spirit of national integration IGRMS organises various programmes of the live presentation of folk, tribal, classical music, theatrical performance etc. These activities are useful to strengthen the cultural understanding among the people of different region and also to generate new museum movement in the country on other hand. During the period the museum organised sixteen programmes at different places of the country including Bhopal.

- 2.6.1. **Aarohi** : Two youth prodigy of Bhopal Shri Satyendra Singh Solanki and Shri Aamir Khan presented the Santoor and Sarod recital respectively in a programme on the occasion of World Heritage Day on 18th April, 2015 .
- 2.6.2. **Poonam-35**: Under the series of special programme of classical music entitled 'Poonam' the vocal recitation of renowned vocalist Padma Vibhushan Pt. Jasraj was organised on 4th April, 2015 as the 35th episode at Bhopal..
- 2.6.3. **Kathak performance** of upcoming artist Ms. Shinjini Kulkarni was organised on the occasion of International Museum Day on 18th May, 2015 at Bhopal.
- 2.6.4. **Bharat Ke Rang**: A three day long collaborative programme on performing art presentation entitled 'Bharat Ke Rang' was organised from 5th to 7th August, 2015 in which artists from Assam, Meghalaya, and Sikkim gave the presentations of their traditional dances like Bihu, Satriya, Ghato, Gwalpadiya, Wangla, Roogala etc. The programme was organised in collaboration with two educational institutions AISECT University, Raisen and Champion School, Bhopal on 6th and 7th August, 2015 in their campus as well as in IGRMS campus on 5th August, 2015.
- 2.6.5. **Begum Akhtar Centenary Celebration**: A special collaborative programme as part of 'Begum Akhtar Centenary Commemoration Festival' was organised by the IGRMS in its campus at Bhopal in collaboration with IGNC, New Delhi and NaadSaagar, New Delhi on 22nd and 23rd August, 2015. Two day long programme had various components based on the legacy of Begum Akhtar. Smt. Shubhra Guha, a noted Thumri- Dadra singer, and Janab Mazhid Hussain Quwwal and his troupes gave the performances of Dadra, Thumari and Quwwali respectively on 22nd August, 2015. Where as on the second day Vidushi Shruti Sadolikar-Katkar presented the Thumri-Dadra songs, followed by Ustad Aslam Khan's Ghazal.
- 2.6.6. **Puppet Show**: Opening of the exhibit of the month was coincided with a live show of puppet by Shri Rajprakash Bhatt a traditional puppeteer from Rajasthan on 11th November, 2015.
- 2.6.7. **National tribal dance festival** : IGRMS organised three day long National Tribal Dance festival from 15th to 17th December, 2015 in collaboration with SCSTRTI, Bhubaneshwar. IGRMS sponsored three performing troupes from the State of Assam, Meghalaya and Nagaland.
- 2.6.8. **Kriti-2015** : Three day programme of performing art presentation was organised from 30th December, 2015 to 1st January, 2016, Artists from Assam, Sikkim, Meghalaya and Manipur gave the performance of their traditional dances during the programme.
- 2.6.9. **Poubi Lai**: With an aim to explain the story of Poubi Lai to masses as also to make people introduced with rich cultural tradition of Manipur the artists of CYCA, Imphal staged a dance drama entitled 'Poubli Lai' on the occasion of inauguration of single object exhibition on 7th January, 2016.
- 2.6.10. **Fusion 2016**: The IGRMS organized a three day long special programme of fusion music from 11 to 13 January, 2016 by inviting three different fusion band troupe from Manipur and Nagaland. The day one i.e. 11th January, 2016 was dedicated to the drummers of Manipur in which Ehoal- a 15 member band troupe including three female artists and upcoming drummers and traditional instrumentalists gave tremendous performance of fusion music. On 12th January, 2016 Guru Rewben Mashangwa and his son gave mesmerising performance of fusion of folk, tribal and Western music. Three day long event concluded with an exciting and enthralling performance of Gramme award nominee band Abiogenesis from Nagaland, in which Ms. Arenla Subong, Moa Subong and troupe presented songs and music describing the natural beauty of Nagaland.
- 2.6.11. **Lokrang-2016**: IGRMS collaborated the prestigious annual Lokrang festival organised by the Department of Culture, Govt. of Madhya Pradesh from 26 to 31 January, 2016 as part of republic day celebration by sponsoring 5 dance troupes from Assam, Manipur, Tripura, Mizoram and Arunachal Pradesh.
- 2.6.12. **Celebration of Oriha** : The team of 35 Wancho artist from Arunachal Pradesh Celebrated annual Oriha Festival in the Museum premises on 16th February, 2016 by performing rituals and presenting traditional dances. This event enabled Museum visitors to learn about Wancho culture, customs and traditions.

- 2.6.13. एक ताल-एक साल : शारीरिक बाधा ग्रस्त बच्चों के लिये कार्यरत एक एनजीओ अरुषि ने 'एक ताल-एक साल' शीर्षक से अपना वार्षिक समारोह इंगारामासं के सहयोग से मनाया। इस कार्यक्रम में अरुषि के बच्चों ने नृत्य और संगीत की सुंदर प्रस्तुतियाँ दीं।
- 2.6.14. पुनीत वन महोत्सव : मणीपुर के मैतेयी समुदाय तथा मेघालय के खासी समुदाय द्वारा अनुष्ठानों की प्रस्तुति के साथ तीन दिवसीय पुनीत वन महोत्सव भोपाल में 4 से 6 मार्च, 2016 तक सम्मन्न हुआ।
- 2.6.15. नागालैण्ड का फ्युज़न संगीत : नागालैण्ड के दो प्रसिद्ध दलों (i) टेडिसयो बहने तथा (ii) पर्पल फ्युज़न के फ्युज़न संगीत का तीन दिवसीय कार्यक्रम 21 से 23 मार्च, 2016 तक नागालैण्ड सांस्कृतिक उत्सव के दौरान आयोजित किया गया। टेडिसयो बहनों के नागालैण्ड में पारम्परिक गीतों के फ्युज़न की 21 एवं 22 मार्च, 2016 को तथा पर्पल फ्युज़न ने 23 मार्च, 2016 को प्रस्तुति दी।
- 2.6.16. नाग उत्सव : नागालैण्ड की आओ, जेलियांग, सांग्ताम, चाखेसांग तथा सुमी जनजाति के दलों द्वारा लोक तथा जनजातीय नृत्य और गीतों की प्रस्तुति 21 से 23 मार्च, 2016 तक दी गई।



Glimpses of cultural events organised by IGRMS





- 2.6.13. **Ek Taal–Ek Saal:** Arushi an NGO working for physically challenged children in collaboration with IGRMS celebrated its annual celebration entitled 'Ek Taal- Ek Saal'. In this programme students of Arushi gave splendid performances of dance and music.
- 2.6.14. **Sacred Grove Festival :** Three day Sacred Grove festival featuring performance of rituals by the Maitei community of Manipur and Khasi community of Meghalaya at Bhopal from 4th to 6th March 2016.
- 2.6.15. **Fusion Music from Nagaland:** Three day programme of fusion music by 2 famous groups of Nagaland (i)Tetseo Sisters and (ii)Purple fusion was organised during Nagaland Cultural Festival from 21st to 23rd March, 2016. Tetseo Sisters gave presentation of fusion of traditional songs of Nagaland on 21st and 22nd March, 2016 and Purple Fusion gave performance on 23rd March, 2016.
- 2.6.16. **Naga Festival:** Folk and tribal Dance and songs of Nagaland troupes of Ao, Zeliang, Sangtam, Chakesang and Sumi tribe gave performances of traditional dances from 21st and 23rd March, 2016.

Glimpses of cultural events organised by IGRMS



2.7. **प्रकाशन :** अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा निम्नलिखित प्रकाशन जारी किये गये:

पुस्तकें:

- (i) 'ट्रेडीशन ऑफ मास्क इन इण्डियन कल्चर : एन एन्थ्रोपोलॉजिकल स्टडी ऑफ माजुली', असम, अरीफुर जमन द्वारा लिखित
- (ii) 'एन्थ्रोपोलॉजी एण्ड हेल्थ इश्यू' बुद्धदेव चौधरी तथा सुबीर बिस्वास द्वारा सम्पादित
- (iii) 'मेगालिथिक ट्रेडीशन इन इंडिया-2 खंड' के.के. बासा, रबी मोहन्ती तथा एस.बी. ओता द्वारा सम्पादित
- (iv) 'जंगल राभा मास्क एण्ड मास्कड डांस' सबिता रंजन सरकार द्वारा लिखित
- (v) 'अनरेस्ट इनसरजेन्सी एण्ड बियाँड' ए.के. दांडा, एस. सेनगुप्त, दीपाली दाण्डा द्वारा सम्पादित
- (vi) ह्यूमनकाइंड : एनुअल. आईजीआरएमएस जर्नल अंक 9-10, 2013-14

ब्रोशर, फोल्डर/ पुस्तिकाएँ

अवधि के दौरान संग्रहालय ने वार्षिक प्रतिवेदन 2014-15, संग्रहालय के तिमाही न्यूज़ लैटर तथा समय-समय पर आयोजित कार्यक्रमों और गतिविधियों को उजागर करते विभिन्न फोल्डर, पोस्टर, हैण्डआउट तथा बुकलेट्स इत्यादि का प्रकाशन किया।

2.7. **Publications:** The following publications were brought out by the Sangrahalaya during the period.

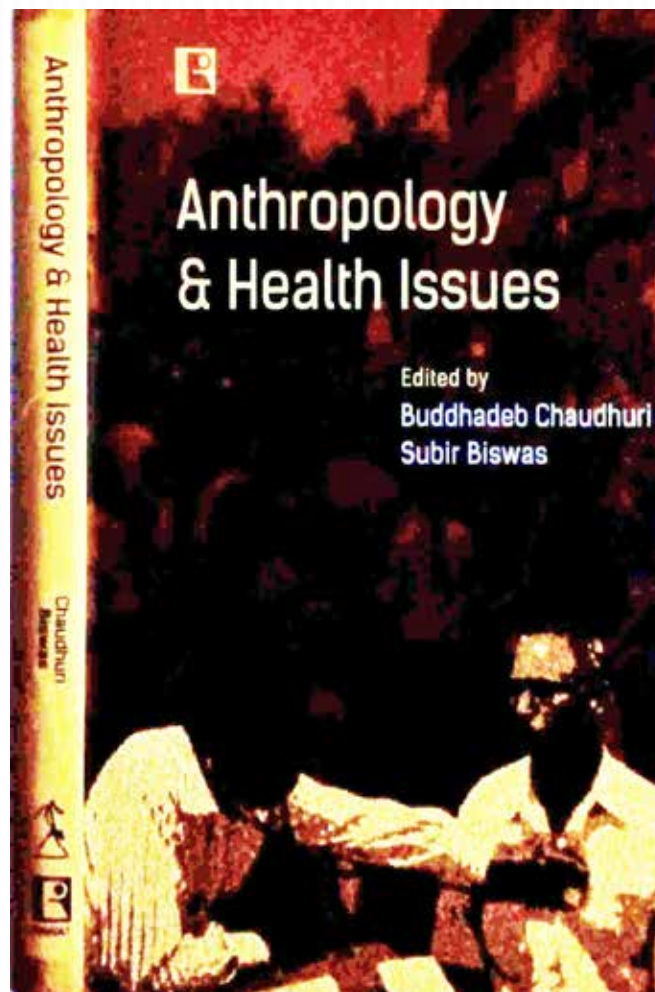
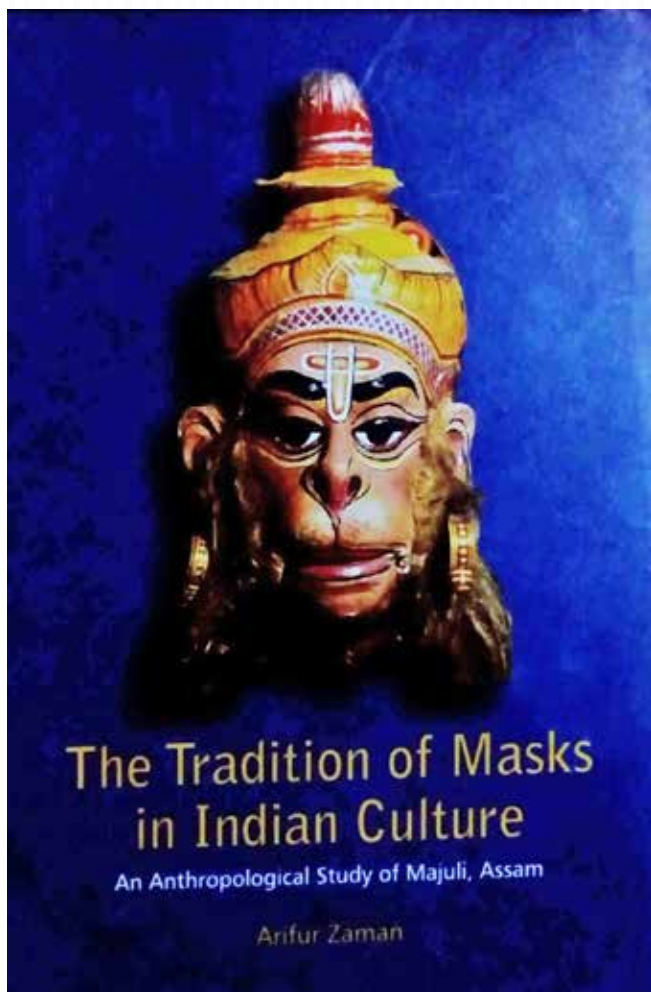
Books:

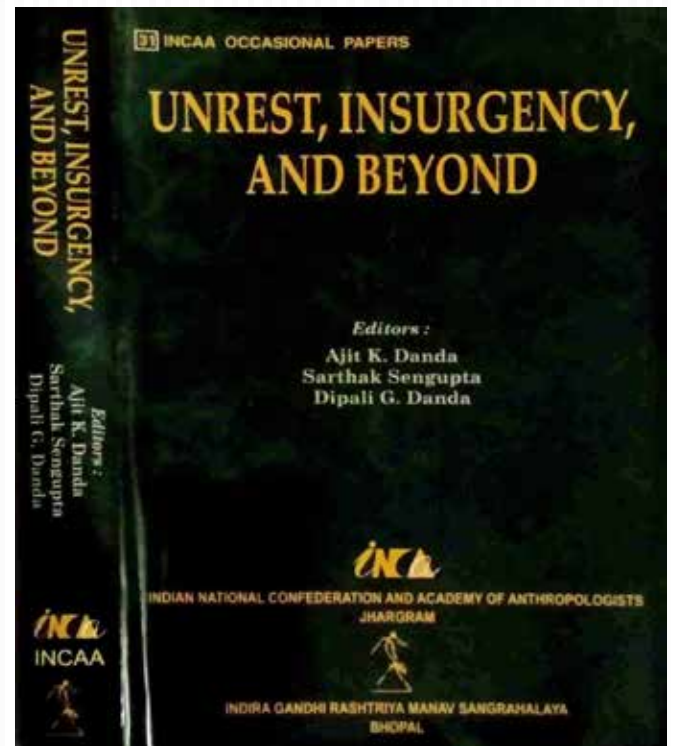
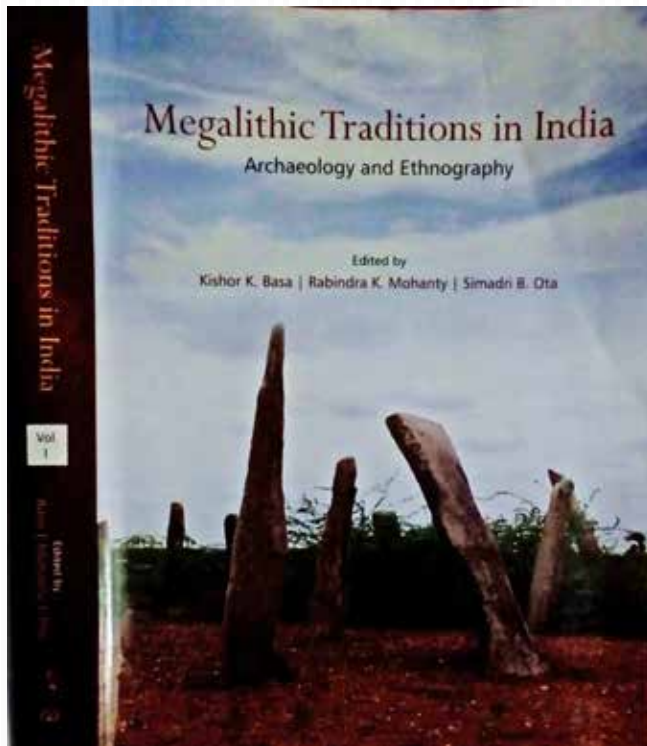
- (i) "Tradition of Mask in Indian Culture: An Anthropological Study of Majuli, Assam" authored by Arifur Zaman
- (ii) "Anthropology and Health Issues" edited by Buddhadeb Chaudhary and Subir Biswas
- (iii) "Megalithic Tradition in India-2Vol." edited by K.K. Basa, Rabi Mohanty and S.B.Ota
- (iv) "Jungle Rabha Masks and Masked Dance" authored by Sabita Ranjan Sarkar
- (v) "Unrest Insurgency and Beyond" edited by A.K. Danda, S. Sengupta, Deepali Danda
- (vi) "Humankind: Annual IGRMS Journal Vol-9-10, 2013-14"

Brochure, Folder, Booklets:

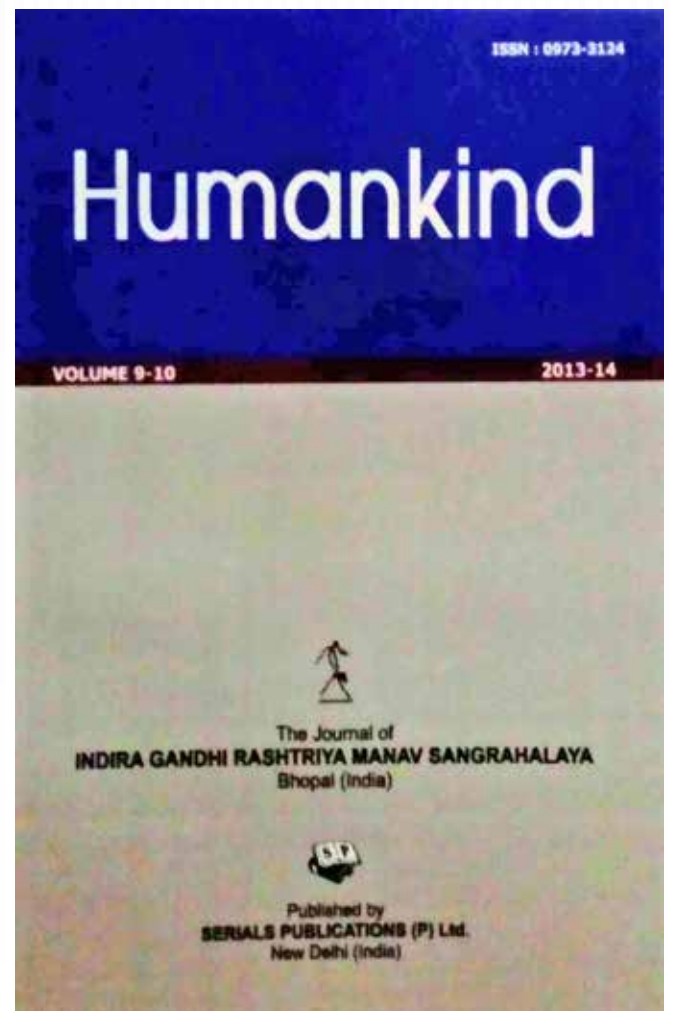
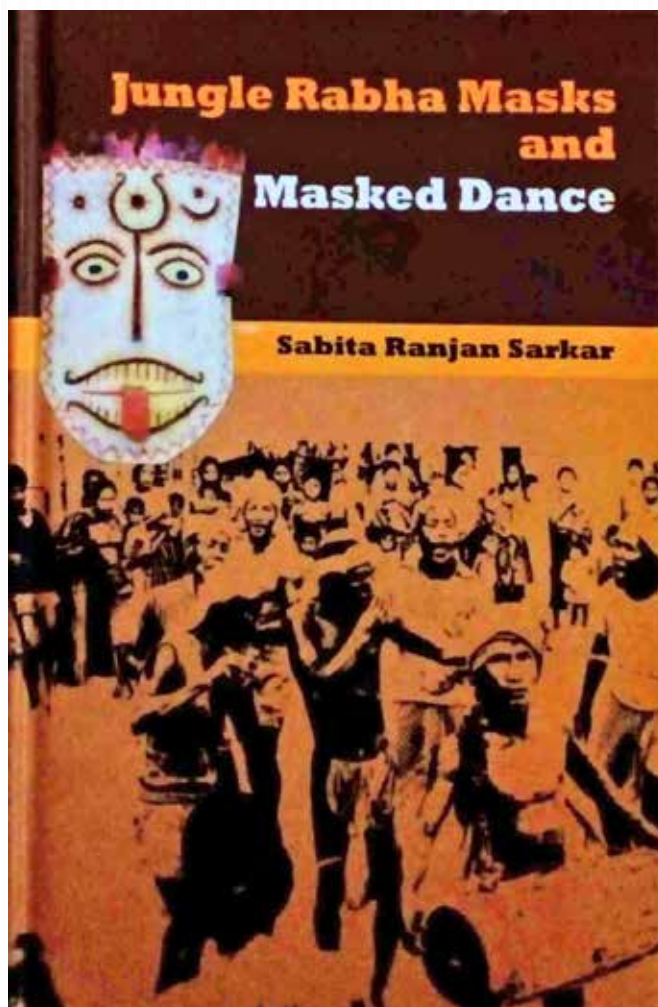
During the period Sangrahalaya published its Annual Report 2014-15, quarterly newsletter of Sangrahalaya and various folders, posters, handouts, and booklets etc. to highlight its programme and activities organised time to time.

इंगारामासं के विविध प्रकाशन।
Various publications of IGRMS





इंगारमासं के विविध प्रकाशन।
Various publications of IGRMS



2.8. अन्य विशेष गतिविधियाँ/कार्यक्रम:

- 2.8.1. विश्व धरोहर दिवस समारोह : विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर इंगारामासं ने निम्नलिखित गतिविधियों के साथ 18 अप्रैल, 2015 को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया :
- 2.8.1.1. हैरिटेज वाक : स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर के सहयोग से पुरातात्विक स्थल इस्लाम नगर की धरोहर यात्रा का आयोजन किया।
- 2.8.1.2. आरोही : भोपाल की दो युवा प्रतिभाओं श्री सत्येन्द्र सिंह सोलंकी तथा श्री आमिर खान ने क्रमशः संतूर व सरोद की प्रस्तुति दी।
- 2.8.1.3. व्याख्यान : प्रो. सविता राजे, स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर ने भोपाल की जीवंत वास्तुकला धरोहर पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.8.2. फिल्म प्रदर्शन
- 2.8.2.1. 'द ट्राइब्स ऑफ वेस्ट बेंगाल' तथा 'द हिडेन ट्रेजर ऑफ लिम्बू ट्राइब' नामक दो वृत्त चित्रों का प्रदर्शन 30 अप्रैल, 2015 को संग्रहालय परिसर में किया गया।
- 2.8.2.2. बेगम अख्तर शताब्दी स्मृति समारोह के भाग के रूप में बेगम अख्तर के जीवन पर वृत्तचित्र तथा मेहबूब खान द्वारा निर्देशित और अख्तरी बाई फैजाबादी (बेगम अख्तर) द्वारा मुख्य भूमिका अभिनीत फिल्म 'रोटी' का प्रदर्शन क्रमशः 22 एवं 23 अगस्त, 2015 को किया गया।
- 2.8.3 अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह : अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाने हेतु इंगारामासं द्वारा फोरम ऑफ म्यूजियम्स ऑफ भोपाल के सहयोग से दो दिवसीय कार्यक्रम 18 एवं 19 मई, 2015 को आयोजित किया गया जिसमें भोपाल के सभी संग्रहालयों ने विभिन्न गतिविधियाँ जैसे प्रदर्शनी, व्याख्यान, चर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि का आयोजन उनके परिसर में तथा सहयोगात्मक आधार पर भी किया।
- 2.8.3.1. म्यूजियम्स ऑफ भोपाल : इंगारामासं के शैलकला केंद्र में 'म्यूजियम्स ऑफ भोपाल' शीर्षक से एक छायाचित्र प्रदर्शनी संयोजित की गई।
- 2.8.3.2. सम्वाद : 'म्यूजियम्स फॉर ए सस्टेनेबल सोसायटी' की विषय वस्तु पर एक सम्वाद का आयोजन 18 मई, 2015 को इंगारामासं के स्टाफ तथा विविध अन्य संग्रहालयों के क्यूरेटर्स की प्रतिभागिता में किया गया।
- 2.8.3.3. कथक : एक युवा कलाकार सुश्री शिंजनी कुलकर्णी ने 18 मई, 2015 को कथक नृत्य की प्रस्तुति दी।
- 2.8.3.4. खजाने की खोज : भोपाल शहर के लगभग 100 प्रतिभागियों की प्रतिभागिता में 'खजाने की खोज' शीर्षक से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन 19 मई, 2015 को किया गया। प्रतिभागियों को एक प्रश्न पत्र के रूप में कुछ संकेत दिये गये थे जिनका प्रयोग करते हुए उन्हें संग्रहालयों को पहचानना था।
- 2.8.4. अंतर्राष्ट्रीय शिल्प एवं संस्कृति मेला : इंगारामासं ने इनोवेटिव फिल्म सिटी बंगलूरु में 1 से 10 मई, 2015 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिल्प एवं संस्कृति मेले में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडू, मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, असम, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा से 11 सांस्कृतिक दल प्रायोजित कर सहयोग किया।
- 2.8.5. विश्वपर्यावरण दिवस समारोह: पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 5 जून, 2015 को पर्यावरण दिवस मनाने हेतु कई कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ आयोजित की गई।
- 2.8.5.1. साईकल रैली: इस अवसर पर ग्रीन प्लानेट बायसिकल रायडर्स एसोसिएशन भोपाल के सहयोग से 100 से भी ज्यादा किशोर एवं युवाओं की प्रतिभागिता में 'सेवन बिलियन ट्रीम्स एण्ड वन प्लानेट: कंज्यूम विथ केयर' के संदेश के साथ सायकल रैली का आयोजन किया गया।
- 2.8.5.1. पानी बरसा धरती पर..... की विषयवस्तु पर लगभग 40 बच्चों की प्रतिभागिता में एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया विजेताओं को नगद पुरस्कार तथा प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।
- 2.8.5.1. वृक्षारोपण: मध्यप्रदेश राज्य बैम्बू मिशन के सहयोग से शैलकला क्षेत्र में बांस के पौधों का रोपण किया गया।
- 2.8.5.1. प्रश्नोत्तरी: केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल द्वारा इंगारामासं के सहयोग से बच्चों के लिए एक विशेष प्रदर्शन सह प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से वैज्ञानिकों के एक दल ने प्रदूषण के प्रकार, प्रदूषण हेतु उत्तरदायी कारक, प्रदूषण नापने हेतु विविध उपकरण और प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के संबंध में जानकारी प्रदान की।
- 2.8.5.1. पुनीतवन तथा तामिलनाडू के पारंपरिक अय्यनार देवालय में अनुष्ठानों की प्रस्तुति तथा
- 2.8.5.1. दर्शक सुविधा: इंगारामासं के 200 एकड़ के परिसर में दर्शकों हेतु सायकल चालन की सुविधा पुनः प्रारंभ की गयी।
- 2.8.6. विश्व योग दिवस:
- 2.8.6.1. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर यूनेस्को द्वारा 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने हेतु कई कार्यक्रम और गतिविधियाँ भारत सहित पूरे विश्व में आयोजित हुईं। इंगारामासं, भोपाल ने अपने परिसर में योग आसन प्रशिक्षण का एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। श्री विक्रमादित्य सिंह तथा श्री रोशन लाल माकोड़े, आर्ट ऑफ लिविंग ने संग्रहालय स्टाफ को योग का प्रशिक्षण दिया।
- 2.8.6.2. इंगारामासं ने संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा योग चक्र प्रदर्शनी में प्रदर्शित करने हेतु प्रादर्श दिये। संग्रहालय के संकलन में से छत्तीसगढ़ क्षेत्र के एक लोक तथा जनजातीय देवता दूल्हा देव की काष्ठ मूर्ति तथा पांच थंका चित्र प्रदर्शनी में प्रदर्शित किये गये।

2.8. Other Special Activities/Programmes :

- 2.8.1. **World Heritage Day Celebrations:** IGRMS organised a special programme on the occasion of World Heritage Day on 18th April, 2015 featuring following events:
- 2.8.1.1. **Heritage Walk:** A Heritage Walk to Archeological site Islam Nagar was organised in collaboration with School of Planning and Architecture, Bhopal.
- 2.8.1.1. **Aarohi :** Two youth prodigy of Bhopal Shri Satyendra Singh Solanki and Shri Aamir Khan presented the Santoor and Sarod recital respectively.
- 2.8.1.1. **Lecture:** Prof. Savita Raje, School of Planning and Architecture, Bhopal delivered a lecture on Living Architectural Heritage of Bhopal.
- 2.8.2. **Film Shows :**
- 2.8.2.1. Two documentary films entitled 'The Tribes of West Bengal' and 'The hidden treasures of Limbu Tribe' were screened on 30th April, 2015 at Museum premises.
- 2.8.2.2. As part of Begum Akhtar Centenary Commemoration Festival two film shows including a documentary film on the life of Begaum Akhtar and the film 'Roti' directed by Mehboob Khan starring Akhtaribai Faizabadi (Begaum Akhtar) were screened in the museum premises on 22nd and 23rd August, 2015 respectively.
- 2.8.3. **International Museum Day Celebration:** Two day programme to mark the International Museum Day was organised by IGRMS in collaboration with the Forum of Museums of Bhopal on 18th and 19th May, 2015 in which all the Museums of Bhopal organised different activities viz: exhibition, lecture, discussion, cultural programme etc. in their premises and also on collaborative basis.
- 2.8.3.1. **Museums of Bhopal:** A photographic exhibition entitled "Museums of Bhopal" was organised at the Rock Art Centre of IGRMS.
- 2.8.3.2. **Colloquium:** A colloquium on the theme 'Museums for a Sustainable Society' with participation of Staff of IGRMS and Curators from various other Museums of Bhopal, scholars etc. was organised on 18th May, 2015.
- 2.8.3.3. **Kathak:** A young artist Ms. Shinjini Kulkarni gave the performance of Kathak on 18th May, 2015.
- 2.8.3.4. **Treasure Hunt:** a special programme entitled 'Treasure Hunt' with participation of over 100 participants from the city of Bhopal was organised on 19th May, 2015. Participants were given hints in form of a question paper and supposed to identify museums using hints given in paper.
- 2.8.4. **Intentional Craft and Culture Fair:** IGRMS collaborated in 'Intentional Craft and Culture Fair' held at Innovative Film City, Bangluru from 1st to 10th May, 2015 by sponsoring 11 cultural troupes from Andhra Pradesh, Karnataka, Kerala, Tamilnadu, Madhya Pradesh, Jharkhand, Chhattisgarh, Assam, Manipur, Meghalaya and Tripura.
- 2.8.5. **World Environment Day Celebration:** A number of programmes and events were organised to mark the World Environment Day on 5th June, 2015 with the aim to generate awareness about environment conservation.
- 2.8.5.1. **Bicycle Rally:** On this occasion a bicycle rally with participation of over 100 children, adolescent and adults was organised in collaboration with Green Planet Bicycle Raiders Association, Bhopal, spreading the message "Seven Billion Dreams and One Planet: Consume with Care".
- 2.8.5.2. A painting competition on theme of '**Pani Barsa Dharti Par....**' was organised with participation of nearly 40 children. The winners were given cash prizes with certificates to each participant.
- 2.8.5.3. **Tree Plantation:** Plantation of Bamboo grove at Rock Art area was carried out in collaboration with MP State Bamboo Mission.
- 2.8.5.4. **Quize:** A special programme of demonstration and quiz for children was organised by Central Pollution Control Board, Bhopal in collaboration with Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya. A team of Scientists from Pollution Control Board imparted information about the types of pollution, factors responsible for pollution, various equipments for measuring pollution and measures for pollution free environment.
- 2.8.5.5. **Rituals at Sacred Groves and traditional Ayyanar Shrine complex of Tamilnadu in Museum premises, and**
- 2.8.5.6. **Visitor facility:** Bicycle Riding facility in the 200 acre premises of IGRMS was revamped for the visitors.
- 2.8.6. **World Yoga Day :**
- 2.8.6.1. On initiation of Prime Minister Shri Narendra Modi, 21st June has been declared as International Day of Yoga by UNESCO. To mark the first International Day of Yoga a number of programme and activities held across the world including India. IGRMS, Bhopal organised special programme of training of Yoga Aasan in its premises. Shri Vikramaditaya Singh and Shri Roshanlal Makode from Art of Living gave the training of Yoga Museum to museum Staff.
- 2.8.6.2. IGRMS also contributed exhibits for display in exhibition 'Yog Chakra' mounted by Sangeet Natak Academy, New Delhi. The wooden sculptures of Dulha Dev a folk and tribal deity of Chhattisgarh region and 5 Thangka paintings from Museum's reserve collection were displayed in the exhibition.

- 2.8.7. **क्यूरोटेरियल टॉक:** इंगारामासं की अकादमिक तथा शैक्षणिक श्रंखला में 16 जून, 2015 से क्यूरोटेरियल टॉक नामक कार्यक्रम के साथ एक नया अध्याय जुड़ा। कार्यक्रम का उद्देश्य संग्रहालय क्यूरेटर द्वारा उनके संकलन हेतु उनके क्षेत्रकार्य के दौरान प्राप्त अनुभव और विचारों को साझा करना है।
- 2.8.7.1. इस श्रंखला में प्रथम क्यूरोटेरियल टॉक 16 जून, 2015 को श्री एन.सकमाचा सिंह, संग्रहालय एसोसिएट द्वारा 'इन्नकी: मणिपुर की मारिंग जनजाति की एक अनुष्ठानिक संरचना' पर दी गयी।
- 2.8.7.2. सुश्री बनिता बेहरा, संग्रहालय सहायक ने 30 जुलाई, 2015 को 'द हाई अल्टीट्यूट कल्चर्स ऑफ इंडिया: अन एनकाउंटर विथ द ब्रोक्पा एण्ड चांगपा ट्राइब्स आफ कारगिल एण्ड लेह लद्दाख' पर वक्तव्य दिया।
- 2.8.7.3. डॉ. सुदीपा रॉय, सहायक कीपर ने 22 सितम्बर, 2015 को 'पटचित्र ए ट्रेडीशनल नरेटिव स्कॉल पैटिंग ऑफ वेस्ट बंगाल' पर व्याख्यान दिया।
- 2.8.7.4. श्रीमति रश्मि शुक्ला, संग्रहालय एसोसिएट ने 27 नवम्बर, 2015 को 'गोदना ए सोशियो कल्चरल एनालिसिस' पर व्याख्यान दिया।
- 2.8.7.5. श्री राजेश गौतम, संग्रहालय सहायक ने 26 फरवरी, 2016 को 'एथ्नोमेडिसिनल स्टडी एण्ड स्पेसिमेन कलेक्शन अमंग द हिल कोरवास ऑफ छत्तीसगढ़' पर एक व्याख्यान दिया।
- 2.8.8. **युवा मित्र:** संग्रहालय कुल के विस्तार तथा संग्रहालय की प्रदर्शनियों, संकलन एवं अन्य सुविधाओं एवं संग्रहालय द्वारा आयोजित विविध गतिविधियों पर विचार प्रस्तुति हेतु एक मंच प्रदान करने के उद्देश से विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के छात्र दलों को समर्पित एक कार्यक्रम। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक तथा सांस्कृतिक धरोहर, मल्यालम विश्वविद्यालय मल्लपुरम केरल से विद्यार्थियों के एक दल ने इंगारामासं का भ्रमण किया। विद्यार्थियों को क्यूरेटर्स द्वारा व्याख्यान तथा प्रदर्शनियों का मार्गदर्शी भ्रमण कराया गया।
- 2.8.9. **डिजिटल इंडिया सप्ताह:** इंगारामासं ने 12 जुलाई, 2015 को 'आस्क अवर डायरेक्टर' शीर्षक से एक लाईव ब्लॉग का आयोजन सोशल मीडिया के माध्यम से किया। लाईव ब्लॉग का विषय इंगारामासं की एक सामयिक प्रदर्शनी अरुणाचल परिदृश्य थी। लगभग 10 अध्येताओं ने अरुणाचल प्रदेश के सांस्कृतिक पक्षों पर सीधे चर्चा की तथा प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक इंगारामासं ने प्रतिभागियों से चर्चा कर उत्तर दिये।
- 2.8.10. **प्रशिक्षण एवं कौशल विकास कार्यक्रम:** इंगारामासं अपने स्टाफ को विशेषीकृत संस्थानों में विशेषज्ञों के अधीन प्रशिक्षण हेतु प्रतिनियुक्त कर उनके कौशल एवं व्यक्तित्व विकास हेतु हर संभव प्रयास कर रहा है। इस क्रम में क्यूरोटेरियल स्टाफ सहित आठ संग्रहालय अधिकारियों ने विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यशालाओं में भाग लिया।
- 2.8.10.1. श्री अशोक वर्धन, संग्रहालय एसोसिएट, द.क्षे.के., मैसूर ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीएसएम, कोलकाता तथा आर्ट इंस्टिट्यूट, शिकागो द्वारा 15 से 18 जुलाई, 2015 एनसीएसएम, कोलकाता तथा 28 सितम्बर से 14 अक्टूबर, 2015 तक आर्ट इंस्टिट्यूट, शिकागो, यूएसए में दो चरणों में आयोजित स्वामी विवेकानंद मेमोरियल प्रोग्राम फॉर म्यूजियम एक्सीलेन्स कार्यक्रम को सफलता पूर्वक पूर्ण किया।
- 2.8.10.2. दो संग्रहालय अधिकारियों ने एनआईटीटीआर में हिन्दी प्रशिक्षण में भाग लिया जिसका आयोजन राजभाषा विभाग, संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली ने किया था।
- 2.8.10.3. दो संग्रहालय अधिकारियों ने सीएसएमवीएस, मुम्बई में 20 से 24 नवम्बर, 2015 तक ब्रिटिश संग्रहालय द्वारा सीएसएमवीएस, मुम्बई के सहयोग तथा गेटी फाउंडेशन, मुम्बई की वित्तीय सहायता से 'क्रियेटिंग म्यूजियम्स ऑफ वर्ल्ड स्टोरीज' पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 2.8.10.4. एक संग्रहालय अधिकारी ने सेन्टर फॉर कल्चरल एण्ड रिसोर्स ट्रेनिंग(सीसीआरटी), संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा धरोहर प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद, विश्वविद्यालय के सहयोग से 1 से 6 फरवरी, 2016 तक आर्ट कल्चरल एण्ड हेरिटेज: ए मैनेजमेन्ट पर्सपेक्टिव पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 2.8.10.5. संग्रहालय की सिने-वीडियो इकाई के एक सदस्य ने आईजीएनसीए, नई दिल्ली में 17 फरवरी, 2016 को एनसीए परियोजना के अंतर्गत कार्यक्रमों की दृष्य-श्रव्य रिकॉर्डिंग के डिजिटाइजेशन हेतु मेटाडाटा इनपुटिंग से सम्बन्धित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 2.8.10.6. इंगारामासं की संरक्षण इकाई के एक अधिकारी ने 3 एवं 4 मार्च, 2016 को राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल में 'प्रिजर्वेशन एण्ड कन्जर्वेशन ऑफ नैचुरल हिस्ट्री' पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 2.8.11. **विश्व देशज जन दिवस:** इंगारामासं ने विश्व देशज जन दिवस मनाने हेतु अपने परिसर में 9 से 12 अगस्त, 2015 तक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। 'अण्डरस्टैंडिंग इंडिजिनस क्वेश्चन, हिस्ट्री, पोलिटिक्स एण्ड फ्यूचर' पर संवाद, 'देशज' शीर्षक से एक प्रदर्शनी तथा आन्ध्रप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ एवं मणीपुर के देशज जनसमूहों के पारम्परिक कलाकारों द्वारा पारम्परिक व देशज तकनीकों के प्रदर्शन कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण थे। आमंत्रित कलाकारों ने पारम्परिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी में चूना बनाने, पानी खींचने, मखाना बनाने तथा फोरजरी तकनीक, सिंचाई तकनीक, नमक निर्माण तकनीक इत्यादि का प्रदर्शन किया। संवाद में युवा विद्यार्थियों, इनसीईआरटी के शिक्षकों तथा संग्रहालय स्टाफ ने भाग लिया कार्यशाला का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के सुविख्यात मानवशास्त्री प्रो. एस.एम.पटनायक ने किया।
- 2.8.12. **विश्व फोटोग्राफी दिवस:** संग्रहालय द्वारा 19 से 24 अगस्त, 2015 तक विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाने हेतु अपने परिसर में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों हेतु एक छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। 37 पंजीकृत प्रतिभागियों को संग्रहालय की छाया इकाई द्वारा व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला का समापन आवृत्ति भवन में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा खीचे गये चित्रों की प्रदर्शनी के साथ हुआ।

- 2.8.7. **Curatorial Talk:** A new chapter in the series of academic and educational activities of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya has begun with programme entitled "Curatorial Talk" from 16th June, 2015. The programme intends to sharing of ideas and experiences gained by the Curators of this Museum during their field works for collection.
- 2.8.7. 1. The first talk in this series was given by Shri N. Sakmacha Singh, Museum Associate delivered a lecture on "Inn Ki: A Ritual Structure of the Maring Tribe of Manipur" on 16th June, 2015.
- 2.8.7. 2. Miss Banita Behera, Museum Assistant delivered a talk on 'The High Altitude Cultures of India: an encounter with the Brokpa and Changpa tribes of Kargil and Leh-Ladakh' on 30th July, 2015.
- 2.8.7. 3. Dr.Sudipa Roy, Assistant Keeper delivered a talk on 'Patachitra: A Traditional narrative Scroll Printing of West Bengal' on 22nd September, 2015.
- 2.8.7. 4. Smt. Rashmi Shukla, Museum Associate delivered a talk on 'Godana: a Socio-Cultural Analysis' on 27th November, 2015 .
- 2.8.7. 5. Shri Rajesh Gautam, Museum Assistant delivered a lecture entitled 'Ethno-Medicinal Study and Specimen collection among the Hill Korwas of Chattisgarh' on 26th February, 2016.
- 2.8.8. **Youva Mitra:** Dedicated to group of students from university/college the programme aims to extend the museum fraternity and providing open forum to its young friends to give their opinion about the Museum exhibition, collection and other facilities as well as the activities carried out by the Museum, a group of graduate students and faculties of Anthropology from Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak and Post-graduate students of Cultural Heritage, Thunchath Ezhuthachan Malayalam University, Malappuram, Kerala visited IGRMS. Curators given them lecture and guided tour to exhibitions.
- 2.8.9. **Digital India Week :** IGRMS organised online live blog via its social media titled 'Ask Our Director' on 12th July, 2015. The topic of the live blog was 'Arunahal Pardrishya' a periodical exhibition in IGRMS. Nearly 10 scholars interacted live on the issues related to Cultural aspects of Arunachal Pradesh. Prof. Sarit Kumar Choudhuri, Director, IGRMS gave replies and interacted with the participants.
- 2.8.10. **Training and Skill Development Programme:** The IGRMS has been making all possible efforts for the skill and personality development of its staff by deputing them to various other specialized institutions for training under experts. In this connection 8 museum officials including curatorial staff attended training workshop organised by various institute.
- 2.8.10.1. Shri Ashok Vardhan, Museum Associate, SRC, Mysore had successfully completed the Swami Vivekananda Memorial Programme for Museum Excellence organised by Ministry of Culture, Govt. of India, NCSM, Kolkata and Art Institute of Chicago, USA in two modules held at NCSM, Kolkata from 15th to 18th July, 2015 and at Art Institute of Chicago, USA from 28th September, 2015 to 14th October, 2015.
- 2.8.10.2. Two Museum officials attended training on Hindi Anuvad (Translation) at NITTTR, Bhopal which was organised by Rajbhasha Department, Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi.
- 2.8.10.3. Two officials of the Museum attended the International Workshop on 'Creating Museums of World Stories' at CSMVS, Mumbai from 20th -1st November, 2015. The workshop was organised by British Museum in collaboration with CSMVS, Mumbai, with support from the Getty Foundation Mumbai.
- 2.8.10.4. A museum official attended a training course on Art, Culture and Heritage : a management perspective organised by the Centre for Cultural Resource and Training (CCRT) Ministry of Culture, Govt. of India in collaboration with Heritage Management, Ahmedabad University from 1st to 6th February, 2016.
- 2.8.10.5. A staff of Cine Video section attended training programme related to Metadata inputting for digitization of audio-video recording under the NCAA project at IGNCA, New Delhi on 17th February, 2016.
- 2.8.10.6. An official from the conservation unit of IGRMS participated in two day workshop cum Training programm on 'Preservation and Conservation of Natural History' on 3rd and 4th March, 2016 at Regional Museum of Natural History, Bhopal.
- 2.8.11. **World Indigenous Peoples Day:** The IGRMS organised a special programme in its premises to mark the 'World Indigenous Peoples Day' from 9th to 12th August, 2015. The programme featured a colloquium on 'Understanding Indigenous questions, History, Politics and the Future', an exhibition entitled 'Deshaj' and a demonstration workshop on Traditional and Indigenous Technologies by traditional artist from indigenous populations from Andhara Pradesh, Bihar, West Bengal, Chhatisgarh and Manipur. Invited artists gave live demonstration of lime making & grinding, water lifting, Makhana preparation, Forgery techniques, Irrigation technology, Salt making, Iron smelting, Oil extracting, lost work techniques etc. at Traditional Technology open air exhibition. The colloquium was attended by young students, teachers from NCERT and museum staff. The workshop was inaugurated by renowned anthropologist Prof. S.M. Patnayak from Delhi University.
- 2.8.12. **World Photography Day:** A six day long training workshop for students from class IX to XII was organised by the Museum from 19th to 24th August, 2015 to mark the World Photography Day in its premises, 37 registered participants were imparted practical training by the Photography unit of the Museum. The workshop concluded with photo exhibition of photographs clicked by the trainees at Avritti Bhawan.

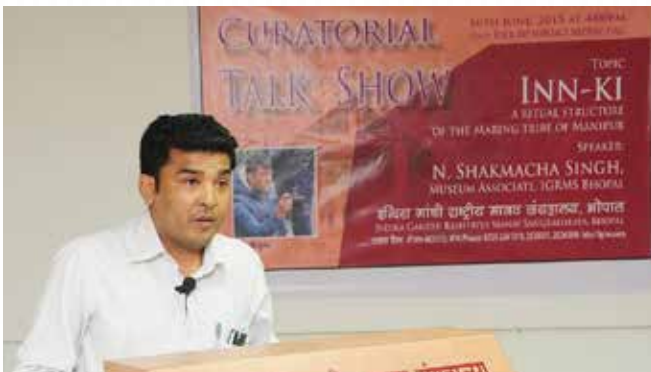
- 2.8.13. **स्वच्छता जागरूकता सप्ताह:** माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के आह्वान पर संग्रहालय ने अपने परिसर तथा जनसामान्य में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु स्वच्छता सप्ताह का आयोजन किया। पर्यावरण तथा आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की शपथ, संग्रहालय के विविध स्थानों पर साप्ताहिक स्वच्छता अभियान हेतु वार्षिक कैलेंडर, स्वच्छता पर प्रेरणादायी नारों के साथ सूचना पट्टिकाओं का प्रदर्शन, संग्रहालय में उचित स्थानों पर पेय जल, कूड़ेदान एवं शौचालय की व्यवस्था तथा शहर में नुक्कड़ नाटकों जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की गयी।
- 2.8.14. **राजभाषा कीर्ति सम्मान:** इंगारामासं की उपलब्धियों के मुकुट में वर्ष 2014-15 के लिए राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन हेतु राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के साथ एक रत्न और जुड़ गया। इंगारामासं के निदेशक प्रो. सरित कुमार चौधुरी ने भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी से 14 सितम्बर, 2015 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में यह सम्मान ग्रहण किया।
- 2.8.15. **हिन्दी पखवाड़ा:** स्टाफ के मध्य कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी की लोकप्रियता के विचार से 'हिन्दी पखवाड़ा' शीर्षक से एक पंद्रह दिवसीय कार्यक्रम 14 से 29 सितम्बर, 2015 तक आयोजित किया गया। हिन्दी पखवाड़े के दौरान अहिन्दी भाषियों हेतु विशेष कार्यक्रम सहित कई प्रतियोगी कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- 2.8.16. **सतर्कता जागरूकता सप्ताह:** भारत सरकार के निर्देशानुसार केन्द्र सरकार के कार्यालयों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इंगारामासं भोपाल ने भी इसे मनाने हेतु कई कार्यक्रम आयोजित किये। चार दिवसीय समारोह की शुरुआत 29 अक्टूबर, 2015 को कार्यालयीन कार्यों में इमानदारी और पारदर्शिता की शपथ से हुई। 30 अक्टूबर, 2015 को श्री अर्जुन कदम, निरीक्षक, सीबीआई ने 'प्रिवेन्टिव विजिलेन्स एज़ ए टूल ऑफ गुड गवर्नेन्स' पर तथा लेफ्टिनेंट कर्नल श्री नितिनराज देशपांडे ने 'इम्पोर्टेन्स ऑफ विजिलेन्स फॉर सिव्हीरिटी पर्सनल पर एक व्याख्यान दिया। इसके अतिरिक्त वाद-विवाद तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी।
- 2.8.17. **विश्व विज्ञान दिवस:** इंगारामासं ने क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र भोपाल द्वारा 9 एवं 10 नवम्बर, 2015 को आयोजित साईंस फिएस्टा में अपने प्रकाशनों की प्रदर्शनी सह विक्रय तथा इंगारामासं की गतिविधियों पर छायाचित्रों की एक प्रदर्शनी आयोजित कर प्रतिभागिता की। संग्रहालय की प्रस्तुति को दर्शकों विशेषकर विद्यार्थियों ने बहुत सराहा।

- 2.8.13. **Cleanliness awareness Week:** On the call of Clean India Movement by Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi the Museum also organised cleanliness week to create awareness towards cleanliness in its campus as also amongst masses. Different activities like pledge to keep environment and surrounding clean, preparation of annual calendar for weekly cleanliness campaign at various location of the Museum, display of signages with motivating slogans on cleanliness, arrangements of drinking water, dustbin and toilets at suitable places in the Museum and street shows in the city had held.
- 2.8.14. **Rajbhasha Kirti Award:** A feather in cap of IGRMS's achievement have been added with award of 'Rajbhasha Kirti' puruskar for implementation of Official Language Hindi for the year 2014-15. Director, IGRMS, Prof. Sarit K. Chaudhuri received the award from the Hon'ble President of India Shri Pranab Mukherjee on 14th September, 2015 at Vigyan Bhawan, New Delhi.
- 2.8.15. **Hindi Pakhwada:** With a view of popularisation of the use of Hindi in Official working among the staff, a fortnight long programme entitled 'Hindi Pakhwada' was organised by the Museum from 14th to 29th September, 2015. A number of competitive events including special for non-Hindi speaking staff was organised during the Hindi Pakhwada.
- 2.8.16. **Vigilance Awareness Week:** As per the instruction of Govt. of India Vigilance Awareness Week had been celebrated by the officer of Central Government of India. IGRMS, Bhopal also organised a number of programmes and events to mark the same. Four day long celebration began with pledge of honesty and transparency in official working on 29th October, 2015. On 30th October, 2015 Shri Arjun Kadam, Inspector of CBI delivered lecture on Preventive Vigilance as a tool of good governance" and Lt. Col. Shri Nitin Raj Deshpandey delivered a lecture on 'Importance of Vigilance for Security Personnel'. In addition debate and essay writing competition were also organised.
- 2.8.17. **World Science Day:** The IGRMS participated in 'Science Fiesta' organised by Regional Science Centre, Bhopal on 9th and 10th November, 2015 by mounting up an exhibition cum sale of its publication and a photographic exhibition on activities of IGRMS. The visitors, specially the students very much appreciated the presentation of Sangrahalaya.

Glimpses of Curatorial Talk series



- 2.8.18. **कौमी एकता सप्ताह:** संग्रहालय ने 19 से 25 नवम्बर, 2015 तक निम्नानुसार एक सप्ताहभर गतिविधियाँ आयोजित कर 'राष्ट्रीय एकता सप्ताह' मनाया।
- 2.8.18.1. संवाद :19 नवम्बर,2015 को राष्ट्रीय एकता और संग्रहालय की भूमिका विषय पर एक संवाद का आयोजन किया गया जिसमें मूर्धन्य, संस्कृति कर्मी तथा नेशनल टैगोर अध्येता श्री वसंत निरगुणे ने इंगारामासं के स्टॉफ सदस्यों के साथ राष्ट्रीय एकता को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर चर्चा की।
- 2.8.18.2. सप्ताह का दूसरा दिन अल्पसंख्यक समुदायों को समर्पित था तथा भारत सरकार द्वारा जारी गाईडलाईन्स के अनुसार 20 नवम्बर, 2015 को एक संवाद का आयोजन किया गया जिसमें फादर एथ्नेस लकड़ा एस.जे. प्राचार्य कैम्पियन स्कूल भोपाल ने अल्पसंख्यक कल्याण हेतु 15 सूत्रीय कार्यक्रम पर व्याख्यान दिया तथा इस बात पर बल दिया कि भारत की विविधता ही उसकी शक्ति है।
- 2.8.18.3. तीसरा दिन भाषाई समानता दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें क्षेत्रीय भाषाओं में कविता और गीतों की प्रस्तुति का एक कार्यक्रम 21 नवम्बर,2015 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संग्रहालय से कई लोक एवं जनजातीय कलाकारों ने प्रस्तुतियाँ दी।
- 2.8.18.4. चौथा दिन समाज के कमजोर वर्ग को समर्पित था। इंगारामासं ने एक एन.जी. परवरिश के सहयोग से 22 नवम्बर, 2015 को संग्रहालय भ्रमण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में शहर की गंदी बस्तियों में निवासरत् 37 बच्चों ने प्रतिभागिता की। इसके बाद राष्ट्रीय एकता की विषयवस्तु पर एक चर्चा भी की।
- 2.8.18.5. 23 नवम्बर,2015 सांस्कृतिक एकता दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें भील समुदाय के बच्चों हेतु जनजातीय चित्रकला की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमति गंगू बाई तथा श्रीमति सरमन बाई ने प्रशिक्षण दिया।
- 2.8.18.6. 24 नवम्बर,2015 महिलाओं को समर्पित था तथा समाज में महिलाओं की पारंपरिक स्थिति और अदृश्य भूमिका पर एक संवाद के साथ महिला दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ (श्रीमति) वंदना अग्निहोत्री, प्राचार्य, शासकीय सरोजनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल मुख्य अतिथि, डॉ. रश्मि राठौर, विभागाध्यक्ष, नृत्य विभाग, शासकीय सरोजनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय तथा श्री वसंत निरगुणे, नेशनल टैगोर फेलो ने विशेष अतिथि के रूप में अपने विचार दिये। प्रो. एस.के. चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।
- 2.8.18.7. एक सप्ताह का राष्ट्रीय एकता सप्ताह समारोह दिनांक 25 नवम्बर, 2015 को पर्यावरण संरक्षण दिवस पर इंगारामसं के रसायनज्ञ द्वारा सम्बंधित विषय पर व्याख्यान के साथ सम्पन्न हुआ।



2.8.18. **Quami Ekta Saptah**(National Integration Week):The Museum celebrated National Integration Week from 19th to 25th November, 2015 by organising week long events as given below:

- 2.8.18.1. Colloquium: a colloquium on National Integration and the role of Museum was organised on 19th November, 2015 in which an eminent cultural activist and National Tagore Scholar Shri Vasant Nirgune along with staff members of IGRMS discussed various issues affecting the National Integration.
- 2.8.18.2. Second day of the week was dedicated to the minority communities and as per the guidelines issued by the Govt. of India a colloquium was organised on 20th November, 2015 in which Fr. Athnes Lakra S.J., Principal of Campion School, Bhopal delivered a lecture on the 15 points welfare programme for minorities and emphasised that diversity is the strength of India.
- 2.8.18.3. Third day was celebrated as Linguistic harmony day in which a programme of poem and songs recitation in regional languages was organised on 21st November, 2015. In this programme a number of folk and tribal artists from the Museum gave performances.
- 2.8.18.4. Fourth day was dedicated to the weaker sections of society. The IGRMS in collaboration with Parvarish-an NGO organized a visit of Museum school on 22nd November, 2015. In this programme 36 children living in various slum areas of the city participated. It was followed by discussion on the theme of National Integration.
- 2.8.18.5. 23 November, 2015 was celebrated as the Cultural Unity Day in which a workshop of tribal painting for the children of Bhil community was organised in which Smt. Gangubai and Smt. Sarmanbai imparted the training.
- 2.8.18.6. 24 November, 2015 was dedicated to women and had been celebrated as the Women Day by organising colloquium on the conventional status and the invisible role of women in society. Dr.(Smt.) Vandana Agnihotri, Principal, Sarojini Naidu Govt. Girls P.G.College, Bhopal was the Chief Guest. Dr. Rashmi Rathore, HOD, Dance Department, Sarojini Naidu Govt. Girls P.G. College, and Shri Vasant Nirgune, National Tagore Fellow as special guest shared their views on the topic. Prof. S.K. Choudhuri, Director,IGRMS presided over the programme.
- 2.8.18.7. The week long National Integration Week celebration concluded with organization of Environment Conservation Day on 25 November, 2015 with a lecture on related topic by Shri D.S. Rao, Chemist, IGRMS.

Curatorial Talk series

2.8.19. **विश्व विकलांग दिवस** : इंगारामासं सामाजिक सांस्कृतिक मूल्यों की निरंतरता हेतु एक सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थान के रूप में अपनी भूमिका को बखूब समझता है तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच एक सेतु की भूमिका अदा करने का प्रयास करता है। दिव्यांग व्यक्तियों ने हमें सदा ही कार्य करने के लिए एक दिशा और शक्ति प्रदान की है। संग्रहालय द्वारा विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर आरूपी के साथ ऐसे बच्चों की विशिष्ट क्षमताओं को समारोहित करने के लिए 'मैत्री महोत्सव' शीर्षक से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन सुगम्य भारत अभियान के साथ जुड़कर किया गया। दिव्यांग बच्चों के उत्साह वर्धन और मनोबल बढ़ाने के लिए चमच दौड़, व्हील चेयर रेस, चित्रकला प्रतियोगिता सहित कई प्रतियोगी कार्यक्रमों का आयोजन 3 दिसम्बर, 2015 को किया गया।

2.8.20. **इंटेन्जिबल हेरिटेज फेस्टिवल** : क्षेत्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय के सहयोग से इंटेन्जिबल हेरिटेज फेस्टिवल नामक तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 3 से 5 दिसम्बर, 2015 तक कल्लाड़ि केरल में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अमूर्त तथा प्राकृतिक धरोहर को बचाना था। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण चर्चा, अर्णाकुलम में अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले का भ्रमण तथा कोराट्टी में केरल के अमूर्त लोक रूपों का प्रदर्शन थे। संगोष्ठी के दौरान इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंक्लूसिव म्यूजिम, आस्ट्रेलिया, डान बोस्को सेन्टर फॉर इंडिजिनस कल्चर्स, शिलांग, भारतीय संग्रहालय कोलकाता, पर्यावरण तथा वन मंत्रालय एवं राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, नई दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ तथा डेजर्ट म्यूजिम, जोधपुर इत्यादि से कुल 20 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये।

2.8.21. **सावा**: संग्रहालय द्वारा स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर, भोपाल तथा इंडियन ट्रस्ट फॉर रुरल डेवलपमेंट नई दिल्ली के सहयोग से 1.संगोष्ठी, 2.प्रदर्शन कार्यशाला, 3.प्रदर्शनी, 4.प्रस्तुतिकारी कलाओं की प्रस्तुति का एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम 11 से 13 दिसम्बर, 2015 तक भोपाल में आयोजित किया गया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमति यशोधरा राजे सिंधिया, वाणिज्य, उद्योग, रोजगार खेल, युवा मामले धार्मिक न्यास तथा अक्षय निधि मंत्री, मध्यप्रदेश द्वारा किया गया।

2.8.21.1. **सावा संगोष्ठी** का आयोजन 'चैलेन्जेस टू द कन्टीन्यूटी ऑफ वार्नाकुलर आर्किटेक्चर एण्ड स्ट्रेटजी फार फ्यूचर' विषय पर भारत सहित दक्षिण एशियाई देशों के शोधकर्ताओं की प्रतिभागिता के साथ किया गया। संगोष्ठी का एक रुचिकर पहलू था कि शोध पत्र पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किये गये।

2.8.21.2. **प्रदर्शन**: लोक एवं जनजातीय कलाकारों द्वारा वास्तुकला की देशज तकनीक का प्रदर्शन कार्यक्रम का एक ओर पहलू था। आंध्रप्रदेश की येरुकुला जनजाति के कलाकारों ने उनकी कुटिया निर्माण की पारंपरिक तकनीक का प्रदर्शन किया।

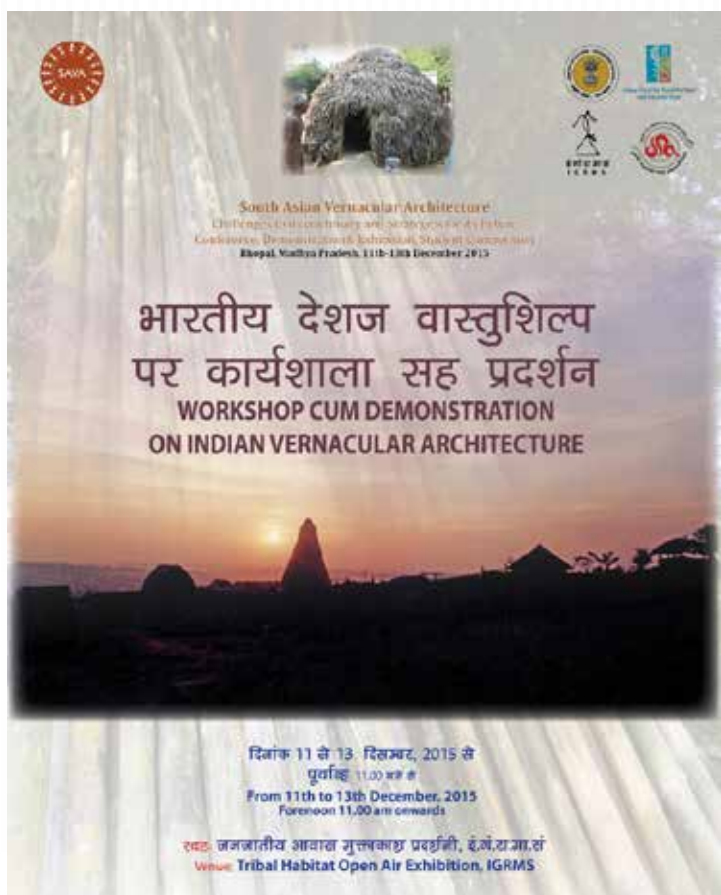
2.8.21.3. **वास्तु** : इंगारामासं की मुक्ताकाश प्रदर्शनियों के विशेष संदर्भ में भारत के देशज वास्तुशिल्प के वास्तुशिल्पी एवं सांस्कृतिक महत्व को दर्शाती एक विशेष प्रदर्शनी 'वास्तु' शीर्षक से संग्रहालय के शैल कला केंद्र में सावा के अवसर पर आयोजित की गई। प्रदर्शनी के संयोजन में भारतीय देशज वास्तुकला के जलवायु, सांस्कृतिक तथा विशिष्ट वितरण आधारित छायाचित्रों, रेखांकनों, स्केचेस, प्रतिरूपों, ग्राफिकल प्रतिनिधित्वों का उपयोग किया गया।

2.8.21.4. **प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन**: असम, मणीपुर, त्रिपुरा तथा मेघालय के लोक तथा जनजातीय कलाकारों ने तीन दिन तक अपने राज्यों के लोक तथा जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुतियाँ दीं।



Various activities during International Days celebrations at IGRMS





2.8.19. **World Disabled Day:** IGRMS understands its role as a social and cultural institution for sustaining socio-cultural values and tries to play a bridging role for various sections of society. Distinctly abled persons have always provided us with a strength and dimension of working. In order to celebrate the distinct ability of such children a special programme entitled Maitri Mahotsav, joining the mission "Sugamya Bharat" was organised by the Museum on the occasion of World Disabled Day in collaboration with Arushi, Bhopal. A number of competitive events including spoon race, wheel chair race, painting competition etc. to boost up and encourage distinctly able children were organised on 3rd December, 2015.

2.8.20. **Intangible Heritage Festival:** Three day event entitled Intangible Heritage Festival was organised from 3rd to 5th December, 2015 in collaboration with National Museum of Natural History at Kallady, Kerala. The programme was aimed to Save the Intangible Heritage and the Natural Heritage. The programme featured discussions, visit to International book fair at Ernakulam and demonstration of Intangible folk forms of Kerala at Koratty. All together 20 papers were presented during the seminar by scholars from International Institute of Inclusive Museum, Australia, Don Bosco Centre for Indigenous Culture, Shillong, Indian Museum, Kolkata, Ministry of Environment and Forest and National Museum of Natural History, New Delhi, Aligarh Muslim University, Aligarh and the Desert Museum, Jodhpur etc .

2.8.21. **SAVA:** An international event featuring i) conference ii) demonstration workshop iii) exhibition and iv) performing art presentation was organised by the Museum in collaboration with the School of Planning and Architecture, Bhopal and Indian Trust for Rural and Heritage development, New Delhi at Bhopal from 11th to 13th December 2015. This 3 day long event was inaugurated by Smt. Yashodhara Raje Scindhia, Hon'ble Minister for Commerce, Industry, Employment, Sports, Youth Affair, Religious Trust and Endowment, Madhya Pradesh.

2.8.21.1. The **SAVA conference** was organised on the topic "Challenges to the continuity of vernacular architecture and strategies for its future" with participation of researchers from South Asian countries including India. One of the interesting aspect of the conference was paper presentation in form of posters.

2.8.21.2. **Demonstration:** Demonstration of indigenous technique of architecture by folk and tribal artists was another aspect of the event. Artists of Yerukula community from Andhra Pradesh demonstrated the construction technology of their traditional hut.

2.8.21.3. **Vastu:** a special exhibition comprising of photographs of housetypes displayed as the open air exhibits in IGRMS, drawings, sketches, models and related objects from IGRMS collection was also organised at the Rock Art building of the Museum.

2.8.21.4. **Performing art presentations:** Folk and tribal artists from Assam, Manipur, Sikkim, Tripura and Meghalaya gave presentations of folk and tribal dances of their respective states during all the three days.



2.8.22. **बालरंग**: बालरंग-2015 शीर्षक से स्कूली बच्चों के वार्षिक समागम का आयोजन संग्रहालय द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय के सहयोग से 18 से 20 दिसम्बर, 2015 तक अपने परिसर में किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ श्री दीपक जोशी, मंत्री स्कूल एवं उच्चशिक्षा मध्यप्रदेश शासन द्वारा 18 दिसम्बर, 2015 को किया गया। स्वागत उद्बोधन प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं, भोपाल द्वारा दिया गया। बच्चों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि संग्रहालय देश की जनजातीय कला और संस्कृति के संरक्षण में संलग्न है तो शिक्षा विभाग बालरंग जैसी गतिविधियों का आयोजन कर संस्कृति के महत्व को समझाने का प्रयास कर रहा है। कार्यक्रम का दूसरा दिन अर्थात् 19 दिसम्बर, 2015 राष्ट्रीय लोक नृत्य प्रतियोगिता को समर्पित था जिसमें प्रतिभाशाली किशोर बच्चों ने अपने संबंधित राज्य के लोक नृत्यों की प्रस्तुति दी और विविध समकालिन मुद्दों पर संदेश दिये। 'लघु भारत' शीर्षक से भारतीय राज्यों के त्यौहारों को दर्शाती एक प्रदर्शनी का संयोजन भोपाल के विविध स्कूलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन 20 दिसम्बर, 2015 को विभिन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं तथा 23 भारतीय राज्यों एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यार्थियों की प्रतिभागिता में आयोजित राष्ट्रीय लोक नृत्य प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। सिक्किम, असम तथा हरियाणा के दलों ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।



2.8.23. **राजभाषा संगोष्ठी**: राजभाषा पर एक संवाद का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय तथा राजभाषा विभाग संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्तरूप से किया गया। श्री पंकज राग, आईएएस, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने संग्रहालय में राजभाषा कार्यान्वयन के उत्तरोत्तर विकास पर एक संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री पंकज राग ने प्रकाशनों, विज्ञापनों तथा टैंडर में हिन्दी के अधिकतम उपयोग पर बल दिया। उन्होंने संग्रहालय को इंगारामासं द्वारा प्रकाशित विविध उत्कृष्ट पुस्तकों के हिन्दी में प्रकाशन के लिए भी कहा तथा संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान हिन्दी में आयोजित करने का आग्रह किया।



2.8.24. **पोऊबी लाई**: पोऊबी लाई एक दैत्याकार अजगर की कहानी शीर्षक से एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन वीथि संकुल की विशेष दीर्घा में 7 जनवरी, 2016 को प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, सदस्य अकादमिक सलाहकार समिति तथा कार्यकारी परिषद, इंगारामासं द्वारा किया गया। समकालीन मैतेई कलाकारों द्वारा इस अवसर पर पाऊबी लाई की कहानी के 29 चित्रों के साथ प्रदर्शनी माह जनवरी व फरवरी, 2016 के दौरान जारी रही। अपने सहयोगी प्रादर्शों के साथ यह 21 फिट लम्बा काष्ठ निर्मित प्रादर्श नैतिक शिक्षा और बच्चों को पर्यावरण की शिक्षा का एक साधन बन गया। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली तथा भारतीय संग्रहालय, कोलकाता की यात्रा करने के पश्चात इस प्रादर्श को भोपाल में दर्शकों की अपार प्रतिक्रिया मिली। इंगारामासं द्वारा अपने मुख्यालय में पोऊबी लाई के संयोजन का उद्देश्य मणीपुर की सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा प्राकृतिक पर्यावरण एवं मानव प्रकृति संबंध इत्यादि के बारे में भी जागरूकता पैदा करना था। ?

Glimpses of Balrang- 2015



भगवान पाखंग्बा की विविध कथाओं, उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने तथा उनके माध्यम से विभिन्न सन्देशों को प्रदर्शित करते चित्रांकनों को मणीपुर से आये संग्रहालय दर्शकों एवं सोशल मीडिया पर वर्चुअल दर्शकों सहित भोपाल तथा अन्य स्थलों से संग्रहालय दर्शकों द्वारा वृहद रूप से सराहा गया।

अखिलभारतीय चित्रकला प्रतियोगिता: बालभास्कर के सहयोग से 10 से 15 वर्ष तक आयु के बच्चों हेतु एक अखिल भारतीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन छत्तीसगढ़, हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश के 200 बच्चों की प्रतिभागिता में किया गया।

प्रसार भारती दूरदर्शन केन्द्र, भोपाल द्वारा नृत्य नाटिका की रिकार्डिंग तथा प्रसारण: दर्शकों को मैतेई संस्कृति और पोऊबी लाई का दृश्य श्रव्य अनुभव उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंगारामासं ने 8 जनवरी, 2016 को दूरदर्शन भोपाल के माध्यम से मल्टीकैमरा सेटअप के साथ नृत्य नाटिका 'पोऊबी लाई' की विशेष रिकार्डिंग का आयोजन किया। लगभग एक घण्टे की यह रिकार्डिंग बाद में 11 जनवरी, 2016 को दूरदर्शन भोपाल द्वारा प्रसारित की गयी। दूरदर्शन ने संग्रहालय को उक्त रिकार्डिंग की एक मास्टर सीडी भी उपलब्ध करायी जिसे स्कूली विद्यार्थियों को दिखाया गया।





Glimpses of Balrang- 2015 (Above)
International Workshops for Museum Professionals
(Below)



2.8.22. **Balrang:** Annual convention of School children entitled Balrang:2015 was organised by the Museum in collaboration with Directorate of Public Instruction, Govt. of Madhya Pradesh in its premises from 18th to 20th December, 2015. Three day long event was inaugurated by Shri Deepak Joshi, Minister School and higher education, Govt. of Madhya Pradesh on 18th December, 2015, Welcome address was given by Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS, Bhopal, while addressing children he said if IGRMS is engaged in conservation of tribal art and culture of the country, Department of education is trying to explain the significance of culture by organising the event like Balrang. Second day of the programme i.e. 19th December, 2015 was dedicated for National folk dance competition in which talented adolescent gave performances of folk dance of their respective states as also conveyed messages on various contemporary social issues. An exhibition entitled 'Mini India or Laghu Bharat' showcasing main festivals of different Indian States was mounted by different schools of Bhopal. Event concluded on 20th December, 2015 with prize distribution to the winners of various state level competition and the winners of the National folk dance competition with participation of the students from 23 States and 2 union territories of the country. Teams from Sikkim, Assam and Haryana won 1st, 11nd and 111rd prizes respectively.

2.8.23. **Rajbhasha Sangoshti :** A colloquium on 'Official Language' was jointly organised by the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya and Official Language Department, Ministry of Culture, Govt of India. Shri Pankaj Raag, IAS, Joint Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India inaugurated the programme. On this occasion Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS presented a brief report on progressive development of official language implementation in the museum. The chief guest of the colloquium, Shri Pankaj Rag in his address emphasized on maximum use of hindi publications, advertisements and tenders. He also asked Sangrahalaya to publish hindi in versions of the excellent books published by IGRMS and he insisted to organize museum popular lectures in hindi also.

2.8.24. **Single object Exhibition :Poubi lai :** A special exhibition entitled "Poubi Lai- The Story of Giant Python" was inaugurated on 7th January, 2016 at the special gallery of Veethi Sankul by Prof. Vinay Kumar Shrivastava, Member Academic Advisory Committee and Executive Council of IGRMS. Supported by 29 illustrations on the story of Poubi Lai on canvas by contemporary Meitei artists has been on display during the month January and February, 2016. This 21 ft. long wooden object with its supporting objects has become an object of moral education and source of educating children about conservation of environment. After travelling to the National Museum, New Delhi and Indian Museum, Kolkata it received overwhelming response of the visitors of Bhopal. The objective of mounting of Poubi Lai by IGRMS in its head quarter was to create awareness about the cultural heritage and socio- religious values of Manipur and also to create awareness about conservation of natural environment and human nature relationship etc.

Paintings depicting various stories of Lord Pakhangba, his transformation in various forms and various messages through them were highly appreciated by the visitors of Bhopal and other places including people from Manipur as museum visitors and on the social media as virtual visitors.

All India painting competition: In collaboration with Bal Bhaskar an All India painting competition for children ageing 10 to 15 years had been organised with participation of nearly 200 students from the States of Chhattisgarh, Haryana, Rajasthan and Madhya Pradesh.

Recording and telecast of dance drama by Prasar Bharati/ Doordarshan Kendra, Bhopal: In order to provide and audio visual experience of the Meitei culture and Poubi Lai to the visitors, IGRMS organised special recording of the dance drama Poubi Lai on 8th January, 2016 with multi camera setup through Doordarshan Bhopal. This recording of nearly an hour duration was later telecast by Doordarshan Bhopal on 11th January, 2016. Doordarshan also provided a master CD of the recording to museum which was shown to school students.

2.8.25. 10वीं ब्लाइंड चैलेन्ज कार रैली : अपने परिसर को दिव्यांग दर्शक अनुकूल बनाने तथा शारीरिक बाधाग्रस्त व्यक्तियों की विशिष्ट योग्यताओं के प्रति जागरूकता पैदा करने के अन्य संस्थाओं के साथ इंगारामासं के प्रयास निरंतर जारी हैं तथा लोगों द्वारा सराहे जाते हैं। अरूणि द्वारा इंगारामासं के सहयोग से आयोजित 10वीं ब्लाइंड चैलेन्ज कार रैली इस श्रृंखला का एक उदाहरण है। 9 जनवरी, 2016 को प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने डीबी मॉल से जब 10वीं ब्लाइंड चैलेन्ज कार रैली को झंडी दिखाकर खाना किया तो 50 से अधिक कारों में उतने ही चालकों, पथ प्रदर्शकों के साथ सेकड़ों चेयरअप पर्सन ने सामान्य जनता का ध्यान आकर्षित किया और दृष्टिबाधित लोगों के प्रति समानता की एक भावना का संचार किया। शहर में मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थलों से होती हुई यह रैली एक लंबी दूरी तय करते हुए इंगारामासं में विजेताओं को पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुई।

2.8.26. फिल्म प्रदर्शन एवं समूह चर्चा: विख्यात छाया पत्रकार श्री दिलीप बैनर्जी के दो वृत्तचित्रों 'नमिता एण्ड फुटबॉल' तथा 'कलकत्ता: ए ट्रेडिशन इन साइंस' का प्रदर्शन 27 जनवरी, 2016 को संग्रहालय परिसर में किया गया। फिल्म प्रदर्शन के उपरान्त एक चर्चा में श्री बैनर्जी ने विविध लोक समूहों के बीच तथा विषय से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपने अनुभव साझा किये।

2.8.27. इन हाउस फायर फाइटिंग प्रशिक्षण: संग्रहालय के सुरक्षा कर्मियों हेतु इन हाउस फायर फाइटिंग ट्रेनिंग शीर्षक से एक कार्यशाला संग्रहालय परिसर में आयोजित की गयी जिसमें प्रतिभागी प्रशिक्षणार्थियों को आग पर नियंत्रण के दौरान विविध सुरक्षात्मक कदमों की जानकारी दी गयी।

2.8.28. पुनीत वन उत्सव: मणीपुर के मैतेई समुदाय तथा मेघालय के खासी समुदाय द्वारा संग्रहालय परिसर में उनके समुदाय के पुनीत वन संकुल में अनुष्ठानों की प्रस्तुति तथा विशेषज्ञों एवं समुदाय प्रतिनिधियों की प्रतिभागिता में एक संगोष्ठी के आयोजन के साथ 4 से 6 मार्च 2016 तक पुनीत वन उत्सव का आयोजन किया गया।



10th Blind Challenge Car Rally



Encouraging Tribal kids through Artist workshops



Academic activities held in IGRMS





Seminar on Hindi Bhasha implementation in Govt. organisation

2.8.25. 10th Blind Challenge Car Rally: Efforts of IGRMS towards making disabled friendly environment and creating awareness towards the distinct abilities of physically challenge persons in association with other organizations and NGOs are continuing and been appreciated by the masses. 10th Blind challenge car rally organised by Arushi in collaboration with IGRMS had been an example in the series. More then 50 cars with equal number of navigators, drivers and hundreds of cheer up persons drew the attention of common people and sensitised with a feel of commonness for visually impaired persons on 9th January, 2016 when 10th blind challenge car rally was flagged off by Prof. Sarit Kumar Choudhuri, Director IGRMS, from DB Mall. Passing through the main streets and public places in the city rally covered a long distance and concluded at IGRMS with prize distribution to winners.

2.8.26. Film Show and Panel Discussion: 'Namita and Football' and 'Calcutta : a tradition in science' two documentary films of Shri Dilip Banerjee renowned photo Journalist were screened in the museum premises on 27th January, 2016. The film show was followed by a panel discussion in which Shri Banerjee shared his experiences with different ethnic groups and discussed various issues related to the theme .

2.8.27. In house fire fighting training: A workshop entitled 'In house fire fighting training' for security workers of the Museum had held in Museum premises, in which participating trainees were imparted information on safety measures to be taken while controlling the fire.

2.8.27. Sacred Grove Festival: Three day Sacred Grove festival featuring performance of rituals by the Maitei community of Manipur and Khasi community of Meghalaya in the Sacred Grove complex of their community in the Museum premises and a Seminar with participation of experts and community representatives had been organised from 4th to 6th March 2016.



Academic activities held in IGRMS



Cultural event held during World Disabled Day



2.8.29. 40वाँ स्थापना दिवस:

2.8.29.1. इंगारामासं ने विविध कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित कर 21 से 23 मार्च, 2016 तक अपना 40वाँ स्थापना दिवस मनाया। औपचारिक कार्यक्रम की शुरुआत 21 मार्च 2016 को प्रो. बी.के.कौवर, कुलपति नागालैंड विश्वविद्यालय द्वारा वीथि संकुल में पुर्ननिर्मित दीर्घा देशज संगीत' के लोकार्पण, लोक तथा जनजातीय कलाकारों रिसोर्स पर्सन्स तथा इंगारामासं के सेवानिवृत्त कर्मियों, भोपाल में मलयाली समुदाय के सदस्यों, नागालैंड के लोग तथा जनजातीय कलाकारों तथा संग्रहालय स्टॉफ, विशेष व्यक्तियों तथा आमंत्रित अतिथियों और दर्शकों की उपस्थिति में केरल के 1001 बातियों वाले पारंपरिक दीप अलविलक्कु के प्रज्वलन के साथ हुई।

इस अवसर पर उन कलाकारों को जिन्होंने संग्रहालय की प्रदर्शनियों के विकास और संग्रहालयीन कार्यक्रम और गतिविधियों के लोकप्रिय करण में उल्लेखनीय योगदान दिया है को सम्मानित किया गया। इस वर्ष आंध्रप्रदेश से श्री ओमी सत्यम, केरल से श्री के. यू. कृष्णकुमार तथा श्री वी. जयराजन, तमिलनाडु से श्री आर. कुमारेसन एवं अरुणाचल प्रदेश से श्री नोक्कई वांगसाम संग्रहालय द्वारा सम्मानित किये गये।

स्थापना दिवस समारोह के भाग के रूप में एवं क्षेत्रीय संस्कृतियों के समारोह श्रंखला के अंतर्गत नागालैंड प्रसंग शीर्षक से नागालैंड सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। इसके चार भाग थे (i) प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन, (ii) नागालैंड की वाचिक और साहित्यिक परंपराओं पर संवाद, (iii) द नागास: नागालैंड की सांस्कृतिक धरोहर पर तथा द लास्ट ऑफ टैटूड हेड हन्टर्स - द कोन्याक्स शीर्षक से दो विशेष प्रदर्शनियाँ, (iv) पारंपरिक कला और शिल्प का प्रदर्शन सह विक्रय। नागालैंड राज्य से लगभग 120 लोक एवं जनजातीय कलाकारों ने भोपाल के लोगों को अपनी प्रभावी प्रस्तुति से आकर्षित किया। दूसरी ओर लोगो ने नागालैंड के पारंपरिक शिल्प वस्तुओं को खरीदने का भी आनंद लिया।

2.8.29.2. देशज संगीत पर स्थाई दीर्घा का लोकार्पण: इंगारामासं ने भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न समुदायों से विगत साठे चार दशकों में समकालीन समय के 1400 संगीत वाद्ययंत्रों का संग्रह अपने संकलन में किया है। अपनी प्रकृति, शैली, बजाने की तकनीक तथा सामाजिक धार्मिक महत्व के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में चयनित प्रादर्शों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का लोकार्पण प्रो. बी.के. कौवर, कुलपति, नागालैंड विश्वविद्यालय ने 21 मार्च, 2016 में किया।

2.8.29.3. द नागास : नागालैंड उत्सव के साथ द नागास शीर्षक से एक प्रदर्शनी संग्रहालय के संकलन से आवृत्ति भवन में आयोजित की गयी। यह प्रदर्शनी नागालैंड के सामाजिक सांस्कृतिक पक्षों पर आधारित थी। प्रदर्शनी छायाचित्रों और नागालैंड की संस्कृति और धरोहर को चित्रांकन कला, शिल्प, वस्त्र, आभूषणों का एक सन्मिश्रण थी।

2.8.29.4. द लास्ट आफ टैटूड हेड हन्टर्स: द कोन्याक्स: अंतिम शीर्षक आखेटको के रूप में भी ज्ञात नागालैंड की कोन्याक नागा जनजाति की विलुप्त होती गोदना परम्परा के दुर्लभ छायाचित्रों की एक प्रदर्शनी वीथि संकुल की विशेष दीर्घा मे 22 मार्च, 2016 को आयोजित की गई। प्रदर्शनी कोन्याक लोगों के मध्य गोदना चिन्हों के सांस्कृतिक अभिप्रायों की व्याख्या करती और यह भी बताती है गोदना धारकों द्वारा किस प्रकारे जीवन यात्रा और यादगार घटनाओं को एक सन्देश के रूप में धारण किया जाता था। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. आर.एस. नेगी, भूतपूर्व निदेशक, इंगारामासं तथा सुश्री रीना दीवान, निदेशक, आर्ट फाउन्डेशन कोलकाता ने संयुक्त रूप से किया प्रदर्शनी का आयोजन सुश्री फेजिन कोन्याक तथा छायाकार श्री पीटरबॉस के सहयोग से किया गया।

2.8.29.5. वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान: 12 वॉ वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान 22 मार्च, 2016 को प्रो. अमरेश्वर गल्ला, कार्यकारी निदेशक, इन्टरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द इन्क्लूसिव म्यूजियम द्वारा "रीथिंकिंग म्यूजियम्स एण्ड इंडिजिनस पीपुल्स" विषय पर दिया गया। व्याख्यान की अध्यक्षता डॉ. जयन्त सेनगुप्ता, सचिव एवं क्यूरेटर, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, ने की।

2.8.29.6. प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन: सांस्कृतिक संध्याओं की शुरुवात् 21 मार्च, 2016 को नागालैंड के अत्यंत लोकप्रिय बैण्ड 'टैटूड हेड सिस्टर्स' की रोमांचक प्रस्तुति से हुई जिनके गीतों की लय ने श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान नागालैंड की विभिन्न जनजातियों के पारम्परिक लोक नृत्य भी प्रस्तुत किये गये। अगले दिनों में नागालैंड के अंतर्राष्ट्रीय बैण्ड 'पर्पल फ़्युजन' ने मंच को अपनी प्रस्तुति से उत्साहित कर दिया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव श्री एंथोनी डीसा भी मौजूद थे। पारम्परिक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति की शुरुवात् हार्न बिल नृत्य से करते हुए सांगताम तथा चाखेसांग नागा लोक नृत्य एवं आओ नागा जनजाति के युद्ध नृत्य प्रस्तुत किये।

2.8.29.7. ओरल एण्ड लिट्रेरी ट्रेडीशन्स ऑफ नागालैंड : इंगारामासं के 40 वें स्थापना दिवस समारोह के भाग के रूप में नागालैंड की वाचिक एवं साहित्यिक परम्पराओं पर एक सम्वाद का आयोजन 23 मार्च, 2016 को किया गया। प्रसिद्ध अध्येता पद्मश्री प्रो. तेम्सुला आओ ने मुख्य वक्तव्य दिया। सम्वाद में मोनालिसा चांगिकज़ा, प्रो. अनुंगला आय्यर, एग्नेस कोचा टेपा, फेजिन कोन्याक, पीटर बॉस, रीटा कोचा तथा डॉ. के.के. चक्रवर्ती इत्यादि के द्वारा शोध पत्र भी प्रस्तुत किये गये। सम्वाद की अध्यक्षता प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने की।

2.8.29.8. नागालैंड के कला और शिल्पों का प्रदर्शन-सह विक्रय: लकड़ी, कपड़ा, बांस, ड्राय फ्लॉवर इत्यादि में कार्य करने वाले नागालैंड के 30 शिल्पकारों ने अपने संबंधित शिल्प का प्रदर्शन किया।

2.8.29.8. पारंपरिक व्यंजन उत्सव: इस अवसर पर उपरोक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त गुजरात, पश्चिम बंगाल तथा मालवा अंचल, मध्यप्रदेश के पारम्परिक व्यंजनों का तीन दिवसीय मेला भी आयोजित किया गया जिसमें लोगों ने स्वादिष्ट खाद्यपदार्थों के आस्वादन का आनन्द लिया।

2.8.28. **40th Foundation Day:**

2.8.28.1. IGRMS celebrated its 40th Foundation Day from 21st to 23rd March, 2016 by organising various programmes and activities. The formal programme began on 21st March, 2016 with dedication of recently renovated gallery on "Ethno Music" in the Veethi Sankul by Prof. B.K. Konwar, Vice Chancellor, Nagaland University followed by felicitation of folk and tribal artists, resource persons and retired employees of IGRMS, lighting of 'Al-Vilakku'- the 1001 wicks traditional brass lamp of Kerala in presence of members from Malayali community of Bhopal, folk and tribal artists from Nagaland, Museum staff, dignitaries and other invited guests and visitors.

Artists who had given remarkable contribution in development of museum exhibitions and popularization of museum programmes and activities were felicitated on the occasion. This year Shri Omni Satyam from Andhra Pradesh, Shri K.U. Krishnakmar & Shri V. Jayarajan from Kerala, Shri R. Kumaresan from Tamilnadu, and Shri Nokkai Wangsaham from Arunachal Pradesh were felicitated by the Museum.

As part of Foundation Day celebration as also under the series of Celebrating Regional Cultures the cultural festival of Nagaland entitled 'Nagaland Prasang' was organised. It had four components (a) Performing art presentations (b) Colloquium on 'Oral and Literary Traditions of Nagaland', (c) Two special periodical exhibitions entitled The Nagas: A special exhibition on Cultural Heritage of Nagaland & Tattoo Traditions of Nagaland entitled The Last of Tattooed Head Hunters- The Konyaks and (d) traditional art and craft demonstration cum sale. Nearly 120 folk and tribal artists from the State of Nagaland enthralled the people of Bhopal by their tremendous performances. On the other hand people also enjoyed purchasing traditional craft items of Nagaland.

2.8.28.2. **Dedication of Permanent Gallery on Ethnic Music:** The Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya has collected 1400 musical instruments of the contemporary times in its reserve collection from different communities across the Indian sub-continent in the last four and half decades. Selected objects under various categories according to their nature, style/ technique of playing and socio-religion was significance had been display. The exhibition was dedicated by Prof. B.K. Konwar, Vice Chancellor, Nagaland University on 21st March, 2016.

2.8.28.3. **Periodical exhibition 'The Nagas':** Coinciding with the Nagaland Festival an exhibition entitled 'The Nagas' from the collection of the museum was organised at Avritti Bhawan of IGRMS. This exhibition was based on social-cultural aspects of the people of Nagaland. Presented with a combination of variety of objects and photographs covering vivid details of Naga Arts, crafts, textile, ornaments and to illustrate the colourful culture and Heritage of Nagaland.

2.8.28.4. **The Last of the Tattooed Head-hunters:** The Konyaks: : An exhibition on the collections of rare photographs of the vanishing tattoo tradition of the Konyak Naga tribe also known to be the last head-hunters was organised in the periodical gallery of Veethi Sankul on 22nd March, 2016. The exhibition explains the cultural meaning of tattoo marks among the Konyak people and it narrates how the journey of life and memorable events are carried as messages by the tattoo bearers. The exhibition was jointly inaugurated by Dr. R.S. Negi, former Director, IGRMS, Ms. Reena Diwan, Director, Art Acre Foundation, Kolkata. The exhibition was hosted with supports from Ms. Phejin Konyak and the photographer Mr. Peter Boas.

2.8.28.5. **Annual IGRMS lecture:** 12th Annual IGRMS lecture was delivered by Prof. Amreswar Galla, Executive Director, International Institute for the Inclusive Museum on the topic 'Rethinking Museums and Indigenous Peoples'. The lecture was chaired by Dr. Jayanta Sengupta, Secretary & Curator, Victoria Memorial Hall, Kolkata.

2.8.28.6. **Performing Art Presentation:** The Cultural evenings began from 21st March, 2016 with thrilling performances from the most popular band of Nagaland- the Tetsco Sisters whose hymn and rhythmic gaits enthrall the audience. Traditional folk dances from various tribes of Nagaland were also presented during the programme. Later, in the succeeding days, an international fusion band from Nagaland 'Purple Fusion' rocked the stage with their performances. On this occasion, Chief Secretary, Govt. of Madhya Pradesh, Shri Anthony De Sa was also present. The traditional artists commenced their performance with Hornbill dance, Sangtam and Chakhesang Naga folk dances and Warrior dance of 'Ao Naga' tribe.

2.8.28.7. **Colloquium on Oral and Literary Traditions of Nagaland:** As part of the 40th Foundation Day of the IGRMS, Bhopal a colloquium on Oral and Literary Traditions of Nagaland was organised on March, 23rd, 2016. Noted Scholar Padmashree Prof. Temsula Ao delivered the keynote address. The Colloquium was also marked by paper presentations by Monalisa Changkija, Prof. Anungla Aier, Agnes Krocha Tepa, Phejin Konyak, Peter Bos and Rita Krocha, Dr. K.K. Chakravarti, Dr. Amreshwar Galla, Dr. Suchta Sen Chaudhuri also participated in discussion. Colloquium was chaired by Prof. Sarti Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS.

2.8.28.8. **Demonstration cum sale of art and crafts of Nagaland:** 30 craft persons from Nagaland working in mediums of wood, cloths, bamboo, dry flowers etc. gave demonstration of their respective craft.

2.8.28.9. **The ethnic food festival:** In addition to above mentioned events three day long ethnic food festival of Gujrat, West Bengal and Malwa region of Madhya Pradesh was also organised on the occasion in which people enjoyed tasting delicious food items.



Glimpses of 40th Foundation day celebration at IGRMS



- 3.1. **संकलन द्वारा साल्वेज :** अवधि के दौरान प्रादर्श भण्डार में 569 प्रादर्श प्राप्त और आरोहित किये गये जिसमें 358 प्रादर्श स्थायी संकलन स्वरूप तथा 211 प्रादर्श अस्थायी संकलन के रूप में जोड़े गए। ये प्रादर्श असम, गुजरात, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, नागालैण्ड, ओडिशा, उत्तराखण्ड एवं पश्चिम बंगाल के लोक व जनजातीय समुदायों जैसे बंजारा, बैगा, ब्रम्हन, चमार, चितारा, चित्रकार, कूर्ग, गोंड, गढवाली, राजपूत, गौड़ा, जैनुकुरुबा, कसेरा, क्षत्रिय, खंडायक कुडावा, कुलवाल, कोन्याकनागा, मरुवन, सालिगा, सोनोवाल कचारी, सुद्र तिवा, विश्वकर्मा तथा वोक्कालिंगा से संकलित किये गये।
- 3.2. **क्षेत्र कार्य द्वारा साल्वेज :**
- 3.2.1. संग्रहालय के अधिकारियों ने उच्च हिमालय क्षेत्र में निवासरत् लोगो के संस्कृति के प्रलेखन हेतु लद्दाख में वृहद क्षेत्र कार्य किया।
- 3.2.2 संग्रहालय के एक अधिकारी ने उत्तराखण्ड के अलमोड़ा तथा नैनीताल जिलों में क्षेत्र-कार्य कर 50 मानवशास्त्रीय प्रादर्शों का संकलन किया।
- 3.2.3 संग्रहालय के एक अधिकारी ने उत्तराखण्ड के गौरीखाल एवं रामनगर और उसके आस पास के क्षेत्रों का दौरा कर भौतिक संस्कृति के प्रादर्शों का संकलन किया।
- 3.2.4 संग्रहालय के एक अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के कुरशियांग तथा कालिम्पोंग क्षेत्र में क्षेत्रकार्य किया तथा भूटीया व नेपाली समुदाय के 24 मानवशास्त्रीय प्रादर्शों का संकलन किया।
- 3.2.5 संग्रहालय के एक अधिकारी ने नरसिंगढ़, मध्य प्रदेश में माण्डना चित्रों का छाया प्रलेखन किया।
- 3.2.6 संग्रहालय के एक अधिकारी ने उत्तराखण्ड के रामनगर और उससे जुड़े हुए क्षेत्रों में मानवशास्त्रीय प्रादर्शों के प्रलेखन हेतु क्षेत्रकार्य किया। क्षेत्रकार्य के दौरान लगभग 152 प्रादर्श संकलित किये।
- 3.2.7 एक संग्रहालय अधिकारी ने राजपूत समुदाय के पारंपरिक आवास की पहचान हेतु अलमोड़ा जिले के कोतूलि, कोसी, मुआड़, अर्तोला, पटिया और कट्टरमल गाँवों में क्षेत्र कार्य किया।
- 3.2.8 संग्रहालय क्यूरेटर्स के एक दल ने अरुणाचल प्रदेश के खोंसा तथा लांगडिंग जिलों में अरुणाचल प्रदेश के वांचों समुदाय के पारंपरिक आवास के संकलन हेतु क्षेत्रकार्य किया।
- 3.2.9 एक संग्रहालय अधिकारी ने आंध्रप्रदेश के विजयनगरम जिले में येरुकुला समुदाय की पारंपरिक कुटिया के प्रलेखन हेतु क्षेत्र कार्य किया।
- 3.2.10 एक अधिकारी ने संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी में अरुणाचल प्रदेश के शार्दुकपेन समुदाय के पारंपरिक आवास के अधिग्रहण हेतु उनके बीच क्षेत्रकार्य किया।
- 3.1. **Salvage Through Collection:** During the period 569 number of objects received and accessioned in specimen store. Out of them 358 objects were added as permanent collection and 211 objects as temporary collection. These objects collected from Assam, Gujarat, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Nagaland, Odisha, Uttarakhand and West Bengal from different folk and tribal communities like Banjara, Baiga, Brahmin, Chamar, Chitara, Chitrakar, Coorg, Folk, Gond, Garhwali Rajput, Gowda, Jenu Kuruba, Kasera, Kashtriya, Khandayat Kodava, Koolaval, Konyak Naga, Maruvan, Salige, Sonowal Kachhari, Sudra Tiwa, Viswakarma, and Vokkalinga.
- 3.2. **Salvage Through Field Work:**
- 3.2.1. Officials of the Museum carried out extensive field work in Ladakh to document the culture of people living in the high altitude region and collected the material cultural objects.
- 3.2.2. An official of the Museum carried out field work in Almoda and Nainital district of Uttarakhand and collected 50 numbers of ethnographic objects.
- 3.2.3. An official performed tour to Gourikhal & Ramnagar, Uttarakhand and its adjoining areas for collection of material culture objects.
- 3.2.4. An official of the Museum carried out field work in Kursiang and Kalimpong area of West Bengal and collected 24 ethnographic objects related to Bhutia and Nepali communities.
- 3.2.5. An official of the Museum carried out photo documentation of Mandna painting in Narsingharh, Madhya Pradesh.
- 3.2.6. An official of the Museum carried out field work in Ramnagar and its adjoining areas of Uttarakhand for collection and documentation of ethnographic objects. During the field work around 152 objects were collected.
- 3.2.7. A Museum official carried out field work in Kotuli, Kosi, Muad, Artola, Patia and Katarmal villages of Almoda district for identification of Traditional Habitat of Rajput community.
- 3.2.8. A team of Curators carried out field work in the Khonsa and Longding district of Arunachal Pradesh for acquiring traditional house type of Wancho community of Arunachal Pradesh.
- 3.2.9. An official carried out field work in Vizianagaram district of Andhra Pradesh regarding the documentation of traditional hut of Yerukula community.
- 3.2.10. An official carried out field work among Sherdukpen community of Arunachal Pradesh for acquisition of their traditional house as an exhibit in the open air exhibition.

- 3.2.11 संग्रहालय के दो अधिकारियों ने पारंपरिक आवास के अधिग्रहण की संभावना तलाशने हेतु नागालैण्ड में क्षेत्रकार्य किया।
- 3.2.12 संग्रहालय अधिकारियों के एक दल ने पचमढ़ी, मध्यप्रदेश के भीतरी क्षेत्रों में स्थित अन्होनी जनजातीय ग्राम में क्षेत्रकार्य किया। दल ने संक्राति पर्व का छाया, आडियो-वीडियो तथा लिखित प्रलेखन किया एवं संग्रहालय के स्थाई संकलन हेतु मानवशास्त्रीय प्रादर्शों का संकलन भी किया।
- 3.2.13 संग्रहालय के एक अधिकारी ने पारंपरिक आवास प्रकार 'खोली' के संकलन हेतु उत्तराखण्ड में क्षेत्रकार्य किया।

- 3.2.11. Two officials of the Museum carried out field work in Nagaland for seeking possibility of acquiring traditional housetype.
- 3.2.12. A team of museum officials carried out field work in Anhonee, tribal village situated in the interior area of Pachmarhi, Madhya Pradesh. The team carried out photo, audio video and textual documentation of Sankranti festival and also collected ethnographic objects for museum's reserve collection.
- 3.2.13. A museum official carried out field work in Uttarakhand for collection of 'Kholi' a traditional house type.



Field work and documentation



4.1. निम्नलिखित 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

4.1.1. मैसूर के 'पारम्परिक इनले कार्य' पर एक 'करो और सीखो' शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन 14 से 23 सितम्बर, 2015 तक किया गया जिसमें श्रीमती फ्लारेस रुथ तथा उनकी सहायक ने 15 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

4.1.2. केरल के भित्ति चित्रण पर एक 'करो और सीखो' शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन 21 से 30 जनवरी, 2016 तक फोक लैण्ड सोसायटी, पय्यानुर, कासारुड के सहयोग से किया गया जिसमें श्री के.आर. बाबू और उनके दो सहायकों ने 19 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

4.2. कलाकार कार्यशाला :

4.2.1. राष्ट्रीय जनजातीय तथा लोक चित्र कार्यशाला : राष्ट्रीय जनजातीय एवं लोकचित्रण कार्यशाला का आयोजन 8 से 12 जून, 2015 तक दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र मैसूर में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन उप आयुक्त श्रीमती सी शिखा द्वारा 8 जून, 2015 को किया गया। इस कार्यशाला में कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, तेलंगाना तथा पश्चिम बंगाल के 40 जनजातीय कलाकारों ने प्रतिभागिता की तथा मैसूर पेंटिंग, मधुबनी चित्रकला, चौकी वर्क, पॉटरी पेंटिंग, लैडर पपेट, सुरापुर पेंटिंग, ओरां व पेंटिंग, पट्टचित्र, चौका पट्टचित्र तथा स्कॉल पेंटिंग में अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

4.3. प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन :

4.3.1. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र ने इनोवेटिव फिल्म सिटी, बिदाड़ी, बैंगलोर में 10 दिन तक सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया। आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखण्ड तथा पूर्वोत्तरी राज्यों असम, मणीपुर, त्रिपुरा तथा मेघालय के सांस्कृतिक दलों ने कार्यक्रम में प्रतिभागिता की।

4.3.2 प्रस्तुतिकारी कलाओं के प्रदर्शन का तीन दिवसीय कार्यक्रम 10 से 12 जून, 2015 तक दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र मैसूर में किया गया जिसमें आंध्रप्रदेश, केरल, असम, मणीपुर, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा तथा मेघालय के कलाकारों ने प्रस्तुतियाँ दीं।

4.3.3 जनजातीय उत्सव - गोत्रायणम् पूर्वोत्तरी राज्यों तथा केरल से एक जनजातीय कार्यशाला एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन 1 से 7 फरवरी, 2016 तक मन्नार, केरल में किया गया। यह इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल तथा किरटाइस, कालीकट की एक सहयोगात्मक गतिविधि

4.1. Following 'Do and Learn' Museum Education Programmes were organized on.

4.1.1. A "Do and Learn" museum education programmes on "Traditional Inlay work of Mysore" was organised from 14th to 23rd September, 2015 in which Smt. Flarence Ruth and her assistant gave training to the 15 registered participants.

4.1.2. A "Do and Learn" museum education programme was organised in collaboration with Folkland Society, Payyanur, Kasarud on 'Mural Painting of Kerala' from 21st to 30th January, 2016 in which Shri K.R. Babu and his two assistants gave training to the 19 registered participants.

4.2. Artist Workshop :

4.2.1. National Tribal and Folk Painting workshop: National Tribal and Folk Painting workshop was organised from 8th to 12th June, 2015 at Southern Regional Centre, Mysore. The workshop was inaugurated by Deputy Commissioner Smt. C. Shikha on 8th June, 2015. In this workshop nearly 40 tribal and folk artists from Karnataka, Andhra Pradesh, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Gujarat, Odisha, Bihar, Jharkhand, Chhattisgarh, Telangana and West Bengal participated and demonstrated their skill on Mysore painting, Madhubani painting, Chowki work, Pottery painting, Leather puppetry, Surapur painting, Oraon painting, Pattachitra painting, Saora painting, Chouka Pattachitra painting and Scroll painting.

4.3. Performing Art Presentation :

4.3.1. The Southern Regional Centre of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya organized cultural activities at Innovative film city, Bidadi, Bangalore for a period of 10 days. The cultural troupes from Andhra Pradesh, Karnataka, Tamil Nadu, Chhattisgarh, Madhya Pradesh, Jharkhand and North-Eastern states of Assam Manipur, Tripura and Meghalaya participated in the programme.

4.3.2. Three day long programme of performing art presentations was organised from 10th to 12th June, 2015 at Southern Regional Centre, Mysore in which performances were given by artists from Andhra Pradesh, Kerala, Assam, Manipur, Arunachal Pradesh, Tripura and Meghalaya.

4.3.3. Tribal Festival - Gothrayanam: A tribal workshop cum cultural performances from North Eastern States and Kerala was organized at Mannar, Kerala from 01-07 Feb 2016. This was a collaborative activity of Indira Gandhi

थी। केरल, मध्यप्रदेश तथा तमिलनाडु के जनजातीय दलों ने कार्यशाला में प्रतिभागिता की एवं असम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश तथा मिजोरम और केरल के दलों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में प्रतिभागिता की।

4.4. प्रदर्शनी :

भारत के कला और शिल्प : 'भारत के कला और शिल्प' शीर्षक से एक छायाचित्र प्रदर्शनी का संयोजन टेरेसियन कॉलेज मैसूर में 5 से 7 नवम्बर, 2015 तक किया गया। प्रदर्शनी भारतीय संस्कृति के विविध रूपों पर आधारित थी।

4.5. संगोष्ठी :

म्यूजियम मूवमेंट इन साउथ इण्डिया : 'दक्षिण भारत में संग्रहालय आन्दोलन' पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 27 एवं 28 जुलाई, 2015 को क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, मैसूर के सहयोग से दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर में किया गया। प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। प्रो. पी.के. मिश्रा, अध्यक्ष एन्थ्रोपोलॉजिकल एसोसिएशन, मैसूर ने दक्षिण भारत में संग्रहालय आंदोलन के विकास पर अवलोकनात्मक जानकारी दी तथा संगोष्ठी की विषय वस्तु से संबंधित कुछ तार्किक मुद्दे उठाये।

4.6. महत्वपूर्ण दिन :

4.6.1. विश्व पर्यावरण दिवस : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों हेतु एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कक्षा 3 से 7वीं तक के 74 विद्यार्थियों की प्रतिभागिता में किया गया।

4.6.2. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: 21 जून, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर द.क्षे.के., मैसूर ने योग सत्र का आयोजन किया। लोकप्रिय योग शिक्षक डॉ पल्लवी एम. डी. नाइक ने प्रतिभागियों को विभिन्न योग आसनों का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Glimpses of various activities organised by Southern Regional Centre



Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal with KIRTADS, Calicut. The tribal groups from Kerala, Tamilnadu, h, and Madhya Pradesh participated in the workshop and the tribal groups from Assam, Tripura, Arunachal Pradesh and Mizoram and Kerala participated in the cultural performances.

4.4. Exhibition:

Art and Craft of India :

A photo exhibition entitled 'Art and Craft of India' was mounted at Teresian College, Mysore from 5th to 7th November, 2015. The exhibition was based on various facets of Indian Culture.

4.5. Seminar :

A two day national seminar on Museum Movement in South India in collaboration with Regional Museum of Natural History, Mysore was organised on 27th and 28th July, 2015 at Southern Regional Centre, Mysore. Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS inaugurated the seminar. Prof. P.K. Mishra, President of Anthropological Association, Mysore gave inaugural speech. He reflected overview of the growth of the Museum Movement in South India and raised certain pertinent issues linking with the theme of the seminar.

4.6. Important Days :

4.6.1. **World Environment Day:** a drawing competition on the topic 'Man & Environment' was organised for School children on the occasion of World Environment Day with participation of 74 students from class 3rd to 7th.

4.6.2. **International Yoga Day :** On the occasion of International Yoga Day on 21st June 2015 the SRC, Mysore organized Yoga session. The popular Yoga Teacher Dr. Pallavi M.D Naik demonstrated different Yoga Asanas to the participants. Nearly 25 participants took part in the programme

पूर्वोत्तर भारत की गतिविधियाँ Activities for North Eastern India

संग्रहालय भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों की परम्पराओं के प्रलेखन और पुनर्जीवीकरण पर विशेष बल दे रहा है। वर्ष के दौरान संग्रहालय ने उत्तर-पूर्वी राज्यों और भारत के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर अपनी गतिविधियों का विस्तार किया।

- 5.1. **मुक्ताकाश प्रदर्शनी:** वर्ष के दौरान एक प्रादर्श अरुणाचल प्रदेश से वांचो जनजातीय आवास मुक्ताकाश कलाकारों ने संग्रहालय आकर वांचो के पारम्परिक आवास 'हाम' का निर्माण कार्य किया। (मार्च, 2016)
- 5.2. **अस्थाई एवं घुमंतु प्रदर्शनियाँ:**
 - 5.2.1. **पोऊबी लाई:** पोऊबी लाई एक दैत्याकार अजगर की कहानी शीर्षक से एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन वीथि संकुल की विशेष दीर्घा में 7 जनवरी, 2016 को प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, सदस्य अकादमिक सलाहकार समिति तथा कार्यकारी परिषद, इंगारामासं द्वारा किया गया। (जनवरी, 2016)
 - 5.2.2. पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक धरोहर पर संग्रहालय के संदर्भ ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तकों की एक विशेष प्रदर्शनी भोपाल में संयोजित की गई। (सितम्बर, 2015)
 - 5.2.3. **ईशानी:** पूर्वोत्तरी राज्यों की झलकियों पर केंद्रित एक घुमंतु प्रदर्शनी इंगारामासं द्वारा पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बारासात में आयोजित की गई (सितम्बर, 2015)
 - 5.2.4. **पूर्वोत्तर भारत की वस्त्र परम्पराएँ:** पूर्वोत्तर भारत की वस्त्र परम्पराएँ शीर्षक से एक छाया चित्र प्रदर्शनी का संयोजन राज्य संग्रहालय, ओडिशा में उसके स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री मनोरंजन वाणी, ग्रह सचिव, संस्कृति विभाग, ओडिशा ने किया (दिसम्बर, 2015)
 - 5.2.5. **द नागालैण्ड:** नागालैण्ड के देशज समुदायों के अनूठे और विशिष्ट लक्षणों को प्रदर्शित करती एक विशेष प्रदर्शनी आवृत्ति भवन में संयोजित की गई। प्रदर्शनी छायाचित्रों और नागालैण्ड की संस्कृति और धरोहर को चित्रांकन कला, शिल्प, वस्त्र, आभूषणों का एक सम्मिश्रण थी।
 - 5.2.6. **द लास्ट ऑ टैटूड हेड हन्टर:** द कोन्याक्स : नागालैण्ड में गोदना परम्परा के दुर्लभ छायाचित्र प्रस्तुत करती एक छायाचित्र प्रदर्शनी का संयोजन वीथि संकुल की विशेष दीर्घा में किया गया। प्रदर्शनी में प्रदर्शित छायाचित्र सुश्री फज़िन कोन्याक तथा श्री पीटर बॉस के वृद्ध शोध कार्य का परिणाम हैं। प्रदर्शनी का उद्घाटन सुश्री रीना दीवान, निदेशक, आर्ट एके फाउण्डेशन, कोलकाता द्वारा किया गया। (मार्च, 2016)

The Museum is giving special emphasis on the documentation and revitalisation of traditions of North-eastern states of India. During the year the Museum has strengthened its activities by organising various programmes in the North-eastern States and at different places in India.

- 5.1 **Open Air Exhibitions: Ham:** Artists from Wancho community, Arunachal Pradesh visited the museum and carried out the construction work of 'Ham' the traditional house type of Wancho tribe at the Tribal Habitat open air exhibition. (February, 2016)
- 5.2. **Temporary and Periodical Exhibition :**
 - 5.2.1. **Poubi Lai:** A special exhibition entitled "Poubi Lai- The Story of Giant Python" was inaugurated on 7th January, 2016 at the special gallery of Veethi Sankul by Prof. Vinay Kumar Shrivastava, Member Academic Advisory Committee and Executive Council of IGRMS. Supported by 29 illustrations on the story of Poubi Lai on canvas by contemporary Meitei artists has been on display during the month January and February, 2016.
 - 5.2.2. A special exhibition of Books on the Cultural Heritage of North-East India available in the Sandarbh Granthalaya of the Museum was mounted at Bhopal. (September, 2016)
 - 5.2.3. **ISHANEE:** A travelling exhibition focusing Glimpses of North Eastern States was organised by Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal at West Bengal State University, Barasat. (September/October, 2015)
 - 5.2.4. **Textile traditions of North East India :** A photo exhibition entitled "Textile traditions of North East India" was mounted at State Museum Bhubaneswar, Odisha on the occasion of its Foundation Day. This exhibition was inaugurated by Shri Manoranjan Wani, Home Secretary, Deptt. of Culture, Odisha. (December, 2015)
 - 5.2.5. **The Nagas:** A special exhibition showcasing the unique and distinct character of ethnic communities of Nagaland was mounted at Bhopal. (March, 2016)
 - 5.2.6. **The Last of the Tattooed Headhunters: The Konyaks:** A photographic exhibition presenting the rare photographs of tattoo tradition in Nagaland was mounted at Bhopal. (March, 2016).



Field work at Arunachal Pradesh

- 5.3. **माह का प्रादर्श**: माह का प्रादर्श नामक श्रृंखला के अंतर्गत पूर्वोत्तर राज्यों की संस्कृति से सम्बन्धित निम्न प्रादर्शों को प्रदर्शित किया गया।
- 5.4.1. **अरम्बई**: मणीपुर राज्य से एक प्रादर्श जो कि 17वीं-18वीं शताब्दी का सर्वाधिक घातक शस्त्र माना जाता है माह का प्रदर्श श्रंखला में प्रदर्शित किया गया (जून, 2015)
- 5.4.2. **खम**: अरुणाचल प्रदेश की वांचो जनजाति का एक विशालकाय लॉगड्रम माह के विशेष प्रादर्श के रूप में प्रदर्शित किया गया (फरवरी, 2016)
- 5.4.3. **हम्पेई**: मणीपुर के लोक समुदायों में अनुष्ठानिक महत्व रखता मिट्टी का एक पात्र (फरवरी, 2016)
- 5.4. **कलाकार कार्यशाला**: वर्ष के दौरान पूर्वोत्तर भारत के कलाकारों की प्रतिभागिता में निम्न लिखित कलाकार कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- 5.4.1. **राष्ट्रीय बहुमाध्यमिक जनजातीय कला कार्यशाला**: 'राष्ट्रीय बहुमाध्यमिक जनजातीय कला कार्यशाला' शीर्षक से बारह दिवसीय सहयोगात्मक कलाकार कार्यशाला जो 26 मार्च, 2015 को प्रारम्भ हुई थी 6 अप्रैल, 2015 को भोपाल में सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला का आयोजन ललित कला अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से संग्रहालय परिसर में किया गया। मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय तथा सिक्किम के जनजातीय कलाकारों ने प्रतिभागिता की और चित्रकला, धातु शिल्प तथा टेराकोटा इत्यादि में अपने कौशल का प्रदर्शन किया।
- 5.4.2. **कृति-2015**: 'कृति-2015' शीर्षक से लोक तथा जनजातीय कलाकारों के वार्षिक राष्ट्रीय मेले का आयोजन 24 दिसम्बर, 2015 से 1 जनवरी, 2016 तक पूर्वोत्तर भारत के 45 कलाकारों की प्रतिभागिता में किया गया।
- 5.4.3. **मूदा-आकार**: पूर्वोत्तर भारत के कुम्हारों की एक प्रादर्श निर्माण कार्यशाला का आयोजन 12 जनवरी से मार्च, 2016 तक मणीपुर और नागालैण्ड के 12 कुम्हारों की प्रतिभागिता में किया गया।
- 5.5. **संगोष्ठियाँ**:
- 5.5.1. **कल्चरल हैरिटेज ऑफ असम**: असम की सांस्कृतिक धरोहर पर एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 23 से 25 अप्रैल, 2015 तक मानवविज्ञान विभाग, गोहाटी विश्व विद्यालय, गोहाटी के सहयोग से किया गया।
- 5.5.2. **कल्चरल हैरिटेज ऑफ सिक्किम**: सिक्किम की सांस्कृतिक धरोहर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 25 से 27 अप्रैल, 2015 को मानवशास्त्र विभाग, सिक्किम विश्वविद्यालय के सहयोग से नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी, गंगटोक, सिक्किम में किया गया।
- 5.5.3. **कल्चरल हैरिटेज ऑफ नागालैण्ड**: नागालैण्ड की सांस्कृतिक धरोहर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कोहिमा साइन्स कॉलेज, कोहिमा, नागालैण्ड के सहयोग से 29 एवं 30 सितम्बर 2015 को कोहिमा साइन्स कॉलेज, कोहिमा में किया गया।
- 5.5.4. **सिन्केटिज़म इन इण्डिया**: कल्चरल एण्ड रिलीजियस डायमेंशन्स: 'भारत में समन्वयता: सांस्कृतिक और धार्मिक आयाम' शीर्षक से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन संस्कृति-एनईआईसीआर, गोहाटी के सहयोग से 22 नवम्बर, 2015 को संस्कृति एनईआईसीआर में किया गया।
- 6.5.5. **ओरल एण्ड लिट्रेरी ट्रेडीशन्स ऑफ नागालैण्ड**: इंगारामासं के 40 वें स्थापना दिवस समारोह के भाग के रूप में नागालैण्ड की वाचिक एवं साहित्यिक परम्पराओं पर एक सम्वाद का आयोजन 23 मार्च, 2016 को किया गया।
- 5.5.6. **इण्डियन एन्थ्रोपोलॉजिकल कॉंग्रेस: 2016**: इण्डियन नैशनल कॉन्फेडरेशन एण्ड एकेडमी ऑफ एन्थ्रोपोलॉजी के सहयोग से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 21 से 23 फरवरी, 2016 तक असम विश्वविद्यालय दिफु कैम्पस, असम में किया गया।



5.3. **Exhibit of the month** : The following exhibits related to the culture of North-Eastern states were displayed in the series Exhibit of Month :

- 5.3.1. **Arambai**- an exhibit from the state of Manipur. Arambai is regarded as one of the deadliest weapon of the 17th and 18th century. (June,2015)
- 5.3.2. **Khma** -is a huge size wooden drum belonging to the Wancho tribe of Arunachal Pradesh. (February,2016)
- 5.3.3. **Hampei** - an earthen vessel having ritual importance among the communities of Manipur.(February,2016)

5.4. **Artist workshop**: During the year following artist workshops were organised with participation of artist from North-East:

- 5.4.1. **National Multimedia Tribal Art Workshop**: Twelve day long artists workshop entitled "National Multimedia Tribal Art Workshop" from 26th March to 6th April, 2015 at Bhopal. This workshop was organised in collaboration with Lalit Kala Academy, New Delhi. Nearly 83 tribal artists from Mizoram, Tripura, Meghalaya and Sikkim participated and demonstrated their skill on painting, ceramic, Terracotta, etching etc.
- 5.4.2. **Kriti-2015** : Annual National Craft Fair of folk and tribal artists entitled "Kriti-2015" was organised from 24th December, 2015 to 1st January, 2016, with participation of nearly 45 artists from North Eastern States.
- 5.4.3. **Mrid-Aakar** : An exhibit preparing workshop of potters from North-East was organised from 12th 24th January, 2016 with participation of nearly 12 potters from the states of Manipur and Nagaland.

5.5 **Seminars** :

- 5.5.1. **Cultural Heritage of Assam**: A three day National Seminar on "Cultural Heritage of Assam" was organized from 23-25 April 2015 in collaboration with Deptt. of Anthropology, Guwahati University, Guwahati, Assam.
- 5.5.2. **Cultural Heritage of Sikkim**: A national seminar on 'Cultural Heritage of Sikkim' was organised from 25th to 27th April, 2015 in collaboration with Deptt. of Anthropology, Sikkim University, at Namgyal Institute of Tibetology, Gangtok, Sikkim.
- 5.5.3. **National Seminar on Cultural Heritage of Nagaland**: National Seminar on the Cultural Heritage of Nagaland was organised in collaboration with Kohima Science College, Kohima, Nagaland on 29th and 30th September, 2015 at Kohima Science College, Kohima.
- 5.5.4. **Syncretism in India** : Cultural and Religious Dimensions : National Seminar entitled "Syncretism in India : Cultural and Religious Dimensions" was organised in collaboration with SANSKRITI-NEICR, Guwahati on 21st to 22nd November, 2015 at SANSKRITI-NEICR, Guwahati
- 5.5.5. **Oral and Literary Traditions of Nagaland**: As part of the 40th Foundation Day of the IGRMS a colloquium on 'Oral and Literary Traditions of Nagaland' was organised on 23rd March, 2016.
- 5.5.6. **Indian Anthropological Congress: 2016**: A National Seminar was organised in collaboration with Indian National Confederation and Academy of Anthropology from 21st to 23rd February, 2016 at Assam University, Diphu campus, Assam.



5.6. प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन :

- 5.6.1. भारत के रंग: भारत के रंग शीर्षक से प्रस्तुतिकारी कलाओं के प्रदर्शन का तीन दिवसीय सहयोगात्मक कार्यक्रम 5 से 7 अगस्त, 2015 तक आयोजित किया गया। जिसमें असम, मेघालय तथा सिक्किम के कलाकारों ने अपने पारम्परिक नृत्यों जैसे बिहु, सत्रीय,घाटो, ग्वालपड़िया, वांग्ला, रूगाला इत्यादि की प्रस्तुतियाँ दी।
- 5.6.2. राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव: इंगारामासं ने 15 से 17 दिसम्बर, 2015 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय नृत्य महोत्सव का आयोजन भुवनेश्वर में एस सी टी आर आई, भुवनेश्वर के सहयोग से किया। इंगारामासं ने असम, मेघालय तथा नागालैण्ड से तीन कलाकार दल प्रायोजित किये।
- 5.6.3. कृति- 2015: प्रस्तुतिकारी कलाओं के प्रदर्शन का तीन दिवसीय कार्यक्रम (30 दिसम्बर 2015 से 1 जनवरी 2016 तक) आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान असम, सिक्किम, मेघालय और मणीपुर के कलाकारों ने उनके पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुति दी।
- 5.6.4. पोऊबी लाई: जन सामान्य को पोऊबी लाई की कथा और साथ मणीपुर की समृद्ध सांस्कृति धरोहर से परिचित कराने के उद्देश्य से सीवायसीए, इम्फाल के कलाकारों ने 7 जनवरी, 2016 को एकल प्रदर्श प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर 'पोऊबी लाई' शीर्षक से एक नृत्य नाटिका का मंचन किया।
- 5.6.5. फ्यूजन 2016: इंगारामासं ने मणीपुर और नागालैण्ड से तीन विविध फ्यूजन बैंड ट्रुप आमंत्रित कर 11 से 13 जनवरी, 2016 तक फ्यूजन संगीत तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का पहला दिन अर्थात् 11 जनवरी 2016 मणीपुर के ढोल वादकों को समर्पित था जिसमें तीन महिलाओं सहित उदीयमान ढोल वादकों तथा पारम्परिक वाद्ययंत्र वादकों ने फ्यूजन संगीत की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। 12 जनवरी, 2016 को गुरु ख्यूलेन मशांग्वा और उनके पुत्र ने लोक, जनजातीय तथा पाश्चात्य संगीत के मोहक फ्यूजन की प्रस्तुति दी। तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन ग्रेमी अवार्ड हेतु नामित नागालैण्ड के बैंड एबायोजेनेसिस की एक उत्साहवर्धक और आकर्षक प्रस्तुति से हुआ, जिसमें सुश्री अरेन्ला सुबाँग, मोआसुबाँग तथा साथियों ने नागालैण्ड की प्राकृतिक सुन्दरता का वर्णन करते गीत और संगीत की प्रस्तुति दी।
- 5.6.6. लोकरंग-2016 : इंगारामासं ने असम, मणीपुर, त्रिपुरा, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश से 5 नृदय दल प्रायोजित कर संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 26 से 31 जनवरी, 2016 तक आयोजित प्रतिष्ठित वार्षिक लोकरंग उत्सव में सहभागिता की।
- 5.6.7. पुनीत वन महोत्सव : मणीपुर के मैतेयी समुदाय तथा मेघालय के खासी समुदाय द्वारा अनुष्ठानों की प्रस्तुति के साथ तीन दिवसीय पुनीत वन महोत्सव भोपाल में 4 से 6 मार्च, 2016 तक सम्मन हुआ।
- 5.6.8. नागालैण्ड का फ्यूजन संगीत : नागालैण्ड के दो प्रसिद्ध दलों (i) टैटिसयो बहने तथा (ii) पर्पल फ्यूजन के फ्यूजन संगीत का तीन दिवसीय कार्यक्रम 21 से 23 मार्च, 2016 तक नागालैण्ड सांस्कृतिक उत्सव के दौरान आयोजित किया गया। टैटिसयो बहनों ने नागालैण्ड में पारम्परिक गीतों के फ्यूजन की 21 एवं 22 मार्च, 2016 को तथा पर्पल फ्यूजन ने 23 मार्च, 2016 को प्रस्तुति दी।
- 5.6.9. नागालैण्ड सांस्कृतिक उत्सव : नागालैण्ड की आओ, जेलियांग, सांग्ताम, चाखेसांग तथा सुमी जनजाति के दलों द्वारा लोक तथा जनजातीय नृत्य और गीतों की प्रस्तुति 21 से 23 मार्च, 2016 तक दी गई।



5.7. Performing Art Presentations:

- 5.7.1. **Bharat Ke Rang:** A three day long collaborative programme on performing art presentation entitled 'Bharat Ke Rang' was organised from 5th to 7th August, 2015 in which artists from Assam, Meghalaya, and Sikkim gave the presentation of their traditional dances like Bihu, Satriya, Ghato, Gwalpadiya, Wangla, Roogala etc.
- 5.7.2. **National tribal dance festival :** IGRMS organised three day long National Tribal Dance festival from 15th to 17th December, 2015 in collaboration with SCSTRTI, Bhubaneshwar. IGRMS sponsored three performing troupes from the State of Assam, Meghalaya and Nagaland.
- 5.7.3. **Kriti-2015 :** Three day programme of performing art presentation was organised from 30th December, 2015 to 1st January, 2016 in which artists from Assam, Sikkim, Meghalaya and Manipur gave the performance of their traditional dances.
- 5.7.4. **Poubi Lai:** With an aim to explain the story of Poubi Lai to masses as also to make people introduced with rich cultural tradition of Manipur the artists of CYCA, Imphal staged a dance drama entitled 'Poubli Lai' on the occasion of inauguration of single object exhibition on 7th January, 2016 at Veethi Sankul- indoor museum building.
- 5.7.5. **Fusion-2016:** The IGRMS organized a three day long special programme of fusion music from 11 to 13 January, 2016 by inviting three different fusion band troupe from Manipur and Nagaland. The day one i.e. 11th January, 2016 was dedicated to the drummers of Manipur in which Ehoon- a 15 member band troupe including three female artists and upcoming drummers and traditional instrumentalists gave tremendous performance of fusion music. On 12th January, 2016 Guru Rewben Mashangwa and his son gave mesmerising performance of fusion of folk tribal and Western music. Three day long event concluded with an exciting and enthralling performance of Gramme award nominee band Abiogenesis from Nagaland, in which Ms. Arenla Subong, Moea Subong and troupe presented songs and music describing the natural beauty of Nagaland.
- 5.7.6. **Lokrang-2016:** IGRMS collaborated the prestigious annual Lokrang festival organised by the Department of Culture, Govt. of Madhya Pradesh from 26 to 31 January, 2016 as part of republic day celebration by sponsoring 5 dance troupes from Assam, Manipur, Tripura, Mizoram and Arunachal Pradesh. (January, 2016)
- 5.7.7. **Sacred Grove Festival :** Three day Sacred Grove festival featuring performance of rituals by the Maitei community of Manipur and Khasi community of Meghalaya at Bhopal from 4th to 6th March 2016.
- 5.7.8. **Fusion Music from Nagaland:** Three day programmes of fusion music by 2 famous groups of Nagaland (i)Tetseo Sisters and (ii)Purple fusion was organised during Nagaland Cultural Festival from 21st to 23rd March, 2016. Tetseo Sisters gave presentation of fusion of traditional songs of Nagaland on 21st and 22nd March, 2016 and Purple Fusion gave performance on 23rd March, 2016.
- 5.7.8. **Naga Festival:** Folk and tribal Dance and songs of Nagaland troupes of Ao, Zeliang, Sangtam, Chakesang and Sumi tribe gave performances of traditional dances from 21st and 23rd March, 2016.





Glimpses of IGRMS activities related North East India



सुविधा इकाईयाँ Facility Units

संग्रहालय के अधोसंरचनात्मक विकास, शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियों तथा ऑपरेशन साल्वेज से संबंधित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये इंगारामासं के क्यूरेटोरियल विंग के अतिरिक्त कई सुविधा इकाईयाँ हैं जो उनके लिये निर्धारित कार्यों को करती हैं। इसमें सम्मिलित हैं संरक्षण इकाई, छाया इकाई, सिने-वीडियो इकाई, रेखा कला इकाई, बागवानी इकाई, प्रतिरूपण इकाई, सन्दर्भ ग्रंथालय, सिरेमिक इकाई, जनसम्पर्क इकाई, अभियांत्रिकी इकाई, राजभाषा एवं कम्प्यूटर इकाई ।

6.1. संरक्षण इकाई: संरक्षण इकाई : संग्रहालय में एक रासायनिक संरक्षण इकाई का विकास भारत के असमान जलवायु क्षेत्रों जैसे हिमाच्छादित हिमालय से लेकर राजस्थान के शुष्क क्षेत्र एवं अत्यंत नमीयुक्त समुद्र तटीय क्षेत्रों से प्राप्त संरचनाओं एवं प्रादर्शों के संरक्षण हेतु किया गया है। संग्रहालय द्वारा अपने स्थायी संग्रह में 26 हजार से अधिक संग्रहालय प्रादर्शों को संजोया गया है। संग्रहालय की संरक्षण इकाई ने कीड़ों और फफूंद इत्यादि जैव संरचनाओं के आक्रमण से सुरक्षा हेतु संग्रहालय में ही सुविधा विकसित की है। प्रादर्शों को धूम्रीकरण, कीटनाशकों के छिड़काव, एवं चूहामार दवाओं आदि का छिड़काव कर उपचारित किया जाता है। प्रादर्श भंडार तथा अंतरंग प्रदर्शनियों में उचित आपेक्षित आर्द्रता बनाये रखने के लिये सिलिका जैल कणों का प्रयोग किया जाता है। समीक्षावधि के दौरान संरक्षण इकाई ने पीतल, लौह, लकड़ी, चमड़ा, बांस, जूट, टेराकोटा, घास, एल्यूमिनियम, द्वाइटमेटल, तांबा, अस्थियों, पत्तियों, ऊन, एवं वस्त्रों से बने हुए 2091 प्रादर्शों की सफाई, संरक्षण, परिरक्षण, एवं जीर्णोद्धार किया। इकाई मुक्ताकाश प्रदर्शनियों के प्रादर्शों की भी देख-रेख करती है। अवधि के दौरान इकाई ने संग्रहालय प्रादर्शों के संरक्षण का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हुए मानवशास्त्रीय प्रादर्शों के संरक्षण पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इकाई के सदस्य स्वच्छता अभियान के भाग के रूप में विशेष व्याख्यान, नुक्कड़ नाटक, परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम इत्यादि गतिविधियों के आयोजन में संलग्न रहे।

6.2 छाया इकाई : वर्ष के दौरान संग्रहालय की छाया इकाई ने संग्रहालय की सभी गतिविधियों जैसे प्रदर्शनी, कलाकार शिविर, प्रस्तुतिकारी कला का प्रदर्शन, संगोष्ठियाँ, कार्यशाला एवं अन्य विशेष क्षेत्रीय कार्यक्रमों का छाया प्रलेखन किया तथा 8787 छायाचित्र एक्सपोज किये। इकाई ने प्रदर्शनियों एवं विभिन्न प्रचार सामाग्रियों हेतु विभिन्न आकार के 775 प्रिंट तैयार किये। इकाई ने विभिन्न घुमंतु एवं सामयिक प्रदर्शनियों को भोपाल स्थित संग्रहालय परिसर एवं भारत के अन्य भागों में संयोजित करने में भी सहायता की। इकाई के सदस्यों ने लद्दाख, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, केरल, कोलकाता, नई दिल्ली इत्यादि भारत के विभिन्न स्थानों पर संग्रहालयीन कार्यक्रमों, क्षेत्र की संस्कृति एवं समुदायों के प्रलेखन हेतु क्षेत्रीय दौरे किये। इकाई ने 37 विद्यार्थियों की प्रतिभागिता में फोटोग्राफी कर छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला भी आयोजित की। कार्यशाला प्रशिक्षणार्थियों द्वारा खींचे गये चित्रों की एक प्रदर्शनी तथा सुविख्यात छायाकार श्री अविनाश पसरीचा के व्याख्यान के साथ आवृत्ति भवन में सम्पन्न हुई।

To achieve the targets related to Museums infrastructural development, Education and Outreach activities and Operation Salvage other than the curatorial wing the IGRMS has a number of facility units which function for various works identified for them. These includes- Conservation Unit, Photography Unit, Cine Video Unit, Graphic Art Unit, Horticulture Unit, Modelling Unit, Reference Library, Ceramic Unit, Public Relation Unit, Engineering Unit, Official Language and computer unit.

6.1. Conservation Unit: Sangrahalaya developed a chemical conservation unit to conserve the structures and objects collected from different climatic zones right from the snow bound Himalayas to arid zone of Rajasthan and highly humid coastal areas of India. Over twenty-six thousand museum objects have been acquired by Museum in its reserve collection. The conservation unit of the Museum has developed in-house facilities to prevent attack from bio-organisms like insects and fungus etc. The objects are treated by using fumigation, spraying of insecticides, applying rodenticides and by giving anti termite root level treatment etc. Application of silica gel crystals is being carried out to maintain proper relative humidity both at specimen store and indoor exhibitions. During the period under review conservation unit carried out cleaning, conservation, preservation and restoration of 2091 objects made of brass, iron, bell metal, wood, leather, bamboo, jute, terracotta, grass, aluminum/ white metal, copper, bone, leaf, wool and textiles. The unit also looks after the exhibits of open air exhibitions. During the period the unit organised three day National Workshop on 'Conservation of Ethnographic Specimens' by imparting practical training on conservation of museum objects. Members of the unit had also been engaged in organisation of activities like special lecture, street shows, regular cleanliness drive in the premises etc. as part of 'Swachhata Abhiyan'.

6.2. Photography Unit: During the year Photography unit of the Museum carried out photo documentation of all in house activities such as exhibition, artist camps, performing art presentations, seminars, workshops and also other special field events, and exposed 8787 photographs. The unit also prepared 775 prints of various sizes for exhibitions and various propagation materials. Unit also extended assistance in mounting various travelling and periodical exhibitions in museum at Bhopal and at other places of India. Members of unit carried out tour for documentation of museum event, culture and communities in various parts of country including Ladakh, Chhattishgarh, Madhya Pradesh, Odisha, Kerala, Kolkata, New Delhi etc. The unit organised a 6 days long training workshop on photography with participation of 37 students. The workshop concluded with an exhibition of photographs exposed by the trainees and a lecture by renowned photographer Shri Avinash Pasricha.

- 6.3 सिने विडियो इकाई : वर्ष के दौरान संग्रहालय की सिने विडियो इकाई ने भोपाल एवं भारत के अन्य स्थानों में आयोजित संग्रहालय के विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों जैसे संग्रहालय लोक रुची व्याख्यान, प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन, प्रदर्शनियाँ, कलाकार शिविर, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाओं, बैठकों एवं चर्चाओं आदि का दृश्य श्रव्य प्रलेखन किया। इकाई के सदस्यों ने भारत के विभिन्न समुदायों की जीवन शैलियों के वीडियो प्रलेखन हेतु कई क्षेत्रीय दौरे किये। अवधि के दौरान कुल 354 घंटों की आडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग की गयी। अनुभाग अधिकारी तथा वरिष्ठ कैमरामेन ने संग्रहालय में दूरदर्शन केंद्र, भोपाल के माध्यम से मल्टी कैमरा सेटअप ओ.बी. वैन के साथ पोउबी लाई एक दैत्याकार अजगर की कहानी पर वृत्त चित्र की रिकॉर्डिंग हेतु विशेष प्रयास किये।
- 6.4 रेखा कला इकाई : संग्रहालय की रेखा कला इकाई ने कुछ संग्रहालय प्रकाशनों के डिजाइन तैयार किये। वर्ष के दौरान इसके साथ जुड़ी स्क्रीन प्रिंटिंग कार्यशाला ने प्रमाण पत्र एवं बैनर तैयार किये। इकाई के सदस्यों ने सभी कलाकार कार्यशालाओं के आयोजन, प्रदर्शनियों के संयोजन, चित्र कला/पोस्टर प्रतियोगिताओं, प्रस्तुतिकारी कला के प्रदर्शन एवं सूचना पट्ट तैयार करने में सहयोग किया। इसके अतिरिक्त रेखा कला इकाई ने चित्राकार शीर्षक से जम्मू में तथा भोपाल में बाघ पर कलाकार कार्यशालाओं का भी आयोजन किया। इकाई ने प्रदर्शनियों के संयोजन तथा कलाकार कार्यशालाओं के आयोजन हेतु कोलकाता व दिल्ली का क्षेत्रीय दौरा किया। इसके अतिरिक्त इकाई के सदस्यों ने 21 फिट लम्बे वक्राकार प्रादर्श के राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली, भारतीय संग्रहालय, कोलकाता तथा इंगारामासं, भोपाल में प्रदर्शन हेतु पेडिस्टल के डिजाइन तैयार किये। सदस्यों ने संग्रहालय परिसर में एकल प्रादर्श प्रदर्शनी के दौरान अखिल भारतीय चित्रकला प्रतियोगिता तथा अन्तर्क्रियात्मक गतिविधियों के आयोजन में भी सहयोग किया।
- 6.6 बागवानी इकाई : इकाई ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलों एवं फूलों का रोपण जारी रखा एवं संग्रहालय के विभिन्न भागों में लैंडस्केपिंग कार्य, पौध हस्तांतरण, औषधि उपवन का संधारण, घास कटाई, बीज संग्रह, जैव कीटनाशकों का उत्पादन तथा पुनीत वनों का संधारण कार्य भी किया। इकाई ने परिसर में दो दिवसीय पुनीत वन महोत्सव का आयोजन किया तथा 2000 पौधों का रोपण किया तथा पारंपरिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी में जल संरक्षण हेतु एक चैक डेम बनाने में सहायता की।
- 6.6 प्रतिरूपण इकाई : संग्रहालय की प्रतिरूपण इकाई ने विभिन्न प्रदर्शनियों के संयोजन एवं कलाकार कार्यशालाओं के आयोजन से संबंधित कार्य किये। इकाई ने ओडिशा, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ के पाषाण शिल्पियों की एक कार्यशाला भी भोपाल एवं जम्मू में आयोजित की। इकाई ने संग्रहालय की विभिन्न प्रदर्शनियों एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों के आयोजन में भी सहयोग किया। इकाई के सदस्यों ने पोउबी लाई के दौरान शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन में भी सहयोग किया। इकाई ने संग्रहालय दुकान के माध्यम से विक्रय हेतु संथाल, बिरहोर तथा नागालैंड के पारंपरिक आवासों की प्रतिकृतियाँ एवं पेपर मेशी के मुखौटो भी तैयार किये।
- 6.7 सन्दर्भ ग्रंथालय : इस वर्ष संग्रहालय के सन्दर्भ ग्रंथालय ने 55 नवीन पुस्तकों, 191 भारतीय एवं 10 विदेशी शोध पत्रिकाओं के अंकों की अभिवृद्धि की। अवधि के दौरान पाठकों को पुस्तकों/पत्रिकाओं का निर्गमन किया गया तथा संदर्भ सेवाएँ प्रदान की गईं। इकाई ने 587 पुस्तकों का वर्गीकरण, 83 पुस्तकों की कैटलॉगिंग, 14060 आइटम्स का सूचीकरण इत्यादि किया। इकाई इमेल के माध्यम से नवीन अधिग्रहणों तथा समाचारों की झलकियों की जानकारी भी उपलब्ध कराती है।
- 6.8 सिरेमिक इकाई : इकाई ने जनवरी से मार्च 2016 तक मृदा आकार कुम्हार कार्यशाला का विभिन्न चरणों में आयोजन किया। इकाई मिथक पथ प्रदर्शनी के विकास एवं रख-रखाव में संलग्न रही। इसके अतिरिक्त इकाई के सदस्य 'करों और सीखो' शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा सामयिक प्रदर्शनियों के आयोजन में सक्रिय रूप से संलग्न रहे।
- 6.9 जनसम्पर्क इकाई : संग्रहालय की जनसम्पर्क इकाई प्रिंट एवं इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से संग्रहालय की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की सूचना उपलब्ध कराने में संलग्न रही। एस एम एस तथा इमेल द्वारा भी आमंत्रण भेजे गए। इकाई ने लगभग 200 प्रेस विज्ञप्तियाँ, स्थानीय एवं राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु तैयार किये और भेजे।
- 6.10 अभियांत्रिकी इकाई : संग्रहालय परिसर के सामान्य रख-रखाव के अतिरिक्त इकाई वाटर रिर्वाज, स्ट्रक्चर, पुरानी पाईप लाईन की मरम्मत तथा नलकूप के परिचालन, प्रादर्शन भंडार में नवनिर्मित शेड की फालसिलिंग तथा केन्द्रीय भूजल मंडल के सहयोग से एक नए नलकूप के खनन इत्यादि में संलग्न रही।
- 6.11 राजभाषा : समीक्षा अवधि के दौरान संग्रहालय की राज भाषा इकाई ने चार त्रैमासिक बैठकों तथा 'राजभाषा की आवश्यकता एवं संसदीय राजभाषा संबंधि विविध मुद्दे' पर संगोष्ठी का आयोजन किया। स्टाफ सदस्यों के लिये प्रतियोगी गतिविधियों के साथ हिन्दी पखवाड़ा शीर्षक से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संग्रहालय की राजभाषा इकाई ने हिन्दी तथा विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किये। इंगारामासं की उपलब्धियों के मुकुट में एक रत्न वर्ष 2014-15 के लिये इन्दिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार के रूप में जुड़ गया। प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी से पुरस्कार प्राप्त किया।
- 6.12 कम्प्यूटर इकाई : संग्रहालय की कम्प्यूटर इकाई माह का प्रादर्श श्रंखला के अंतर्गत प्रादर्शों के सूचना पेनल्स के आकल्पन और मुद्रण में रत रही। इंगारामासं की कार्यालयीन वेबसाइट एचटीटीपी://आईजीआरएमएस.कोम का संधारण इकाई द्वारा किया जाता है। इंगारामासं अपनी गतिविधियों का प्रसारण तथा वर्चुअल दर्शकों के साथ संवाद फेसबुक/गुरुप्स, ट्विटर, ब्लागर, फिलकर तथा यू ट्यूब जैसी सोशल वेबसाइट के जरिये करता है। यह दीर्घाओं, प्रादर्शों, संग्रहालय से संबंधित प्रकाशनों जैसे पोस्टर, लेबल्स, फोल्डर, लीफलेट, पेनल, प्रमाण पत्र, वार्षिक प्रतिवेदन, न्यूज लेटर इत्यादि का प्रारूप तथा आकल्पन करती है।

- 6.3. Cine Video Unit: During the year the Cine video unit of the Museum carried out the audio video documentation of various activities and programmes of Museum like, Museum Popular Lectures, programmes of performing art presentation, Exhibitions, Artist Camps, Seminars, Workshops, Symposia and Discussions etc. organised at Bhopal and at other places in India. Members of the unit also made several field visits for video documentation of life ways of different communities of India. Altogether 354 hrs of audio video recording were made during the period. Section incharge and senior cameraman made special efforts for recording and telecast of a documentary film on 'Poubli Lai-Story of a giant phython' through Doordarshan Kendra, Bhopal with maltycamera set up O.B.Van in the Museum.
- 6.4. Graphic Art Unit: The Graphic Art unit of Sangrahalaya prepared designs for some of the museum publications. Screen printing workshop attached with it prepared prints of certificates and banner during the year. Members of the unit extended assistance in the organisation of all the artist workshops, mounting of exhibitions, painting/poster competition, programmes of performing art presentations, preparation of signages etc. In addition Graphic Art unit also organised an artists workshop entitled Chitra-Akar at Jammu and Baagh in the museum premises at Bhopal. They also made field visit to Kolkata and Delhi with regard to mounting of exhibitions and organisation of artist workshops. In addition members of the unit prepared design of display pedestal for 21' long curved object in the galleries of National Museum Delhi, Indian Museum Kolkata and IGRMS Bhopal. They also extended assistance in organisation of All India painting competition and interactive events during the single object exhibition in museum premises.
- 6.5. Horticulture Unit: The Unit continued plantation of various species of fruits and flowers in the campus and it also undertook landscaping work in different areas of museum, transplanted seedling, maintained medicinal garden, to cut the grass, collected seeds, productions of bio-pesticide and maintained the sacred groves plantations. It also organised two day sacred grove festival in Museum premises and transplanted 2000 plants in the campus and assisted in development of check dam for conservation of water in the traditional technology open air exhibition.
- 6.6. Modelling Unit: Modelling unit of the Museum attended the works related to mounting of various exhibitions and organisation of artist workshops. Unit also extended assistance in organised an artist workshop of Stone carver from Odisha and Rajasthan and Chhattisgarh at Bhopal & Jammu. Members of the unit also extended assistance in organising educational activities during the Poubi Lai. The unit also prepared replicas of traditional housetypes of Santal, Birhor and Nagaland as also as masks in papermachi for sale through Museum shop.
- 6.7. Reference Library: This year the reference library of the Museum added 55 new books, 191 volumes of Indian and 10 volumes of foreign journals. During the period books/journals were issued and reprographic services were provided to readers. The unit carried out classification of 587 books, cataloging of 83 books, Indexing of 14060 items etc. It is also providing information of new acquisitions and news clippings through email.
- 6.8. Ceramic Unit: The unit organised potters workshop Mrida-Aakar from January to March, 2016 in phase manner. The Unit was engaged in the development and maintenance work of the exhibition Mythological Trail. In addition to this member of the unit were actively involved in the organisation of 'Do and Learn' education programme and periodical exhibitions .
- 6.9. Public Relation Unit: The public relation unit of the Sangrahalaya has been engaged in imparting and disseminating information about the programmes and activities of the museum through the use of print and electronic media. Invitations were also sent through SMS and email. The unit also prepared around 200 press notes for publication in local and national newspapers.
- 6.10. Engineering Unit: Other than the general maintenance works of the Museum premise the unit had been engaged in preparation of water recharge structure, and repairing of old pipe line and functioning of tubewell, false ceiling of newly constructed shade at specimen store and drilling of a new tubewell with assistance from Central Ground water Board, etc.
- 6.11. Official Language: The official language unit of the Museum organised four quarterly meeting and seminar on 'Rajbhasha Ki Avashyakta Evam Sansadeey Rajbhasha Sambandhi Vividh Mudde' during the period under review. A special programme entitled 'Hindi Pakwada' was organized for the members of staff in which a number of competitive activities were held. The Official language unit of the Museum also organised special programmes for conservation and dissemination of Hindi and various regional languages of India. A feather in the cap of IGRMS, achievements had been added with award of IIInd prize of Indira Gandhi Rajbhasha Puraskar for the year 2014-15. Shri Sarit Kumar Choudhuri, Director, IGRMS received the award from Honourable President of India Shri Pranab Mukherjee.
- 6.12. Computer Unit: The computer unit of the Museum had been engaged in designing and printing of information panels for exhibits displayed under the series of the exhibit of the month. IGRMS official website <http://igrms.com> is maintained by the unit. IGRMS disseminates its activity information and interacts with virtual visitors via social websites like Facebook/groups, Twitter, Blogger, Flicker and You Tube. Unit provides maintenance service to all the sections, support in seminars/lectures, as well as Internet facilities. It also layouts and designs galleries, exhibits, Museum related publications such as poster, labels, folder, leaflets, panels, certificate, annual reports, newsletter, etc.



Republic day celebrations at IGRMS, Bhopal

Photo By: PH

7

लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखे / **Audit Report and Annual Accounts** (2015-16)

7.1

वर्ष 2015-16 के लेखे पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं प्रमाण पत्र
Audit Report and Audit Certificate on the accounts for the year 2015-16

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वर्ष 31 मार्च, 2016 को समाप्त लेखे पर भारतीय महालेखा परीक्षा एवं नियंत्रण का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के (सेवा के अधिकार, कर्तव्य और शर्तों) के अधिनियम 1971 अनुच्छेद 20 (1) के अंतर्गत इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (इंगारामासं) के 31 मार्च, 2016 के अनुसार तुलन पत्र तथा उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखे तथा भुगतान एवं पावती लेखे की परीक्षा कर ली है। लेखा परीक्षा का दायित्व वर्ष 2018-19 तक की अवधि हेतु सौंपा गया है। यह वित्तीय ब्यौरे इंगारामासं प्रबंधन का दायित्व है। इन वित्तीय ब्यौरों पर हमारा दायित्व अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर अपना अभिमत व्यक्त करना है।

- यह पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन लेखा प्रबंधन के संबंध में केवल वर्गीकरण, श्रेष्ठ लेखा संधारण व्यवहार की सुनिश्चितता, लेखा संधारण प्रतिमान और प्रकटीकरण सिद्धांतों की टिप्पणियों से युक्त है। वित्तीय लेनदेन के संदर्भ में कानून, नियम और विनियम (विशेषाधिकार एवं नियमितता) तथा कार्यक्षमता-सह-प्रदर्शन इत्यादि पक्षों यदि कोई है तो उनके परिपालन के संबंध में लेखा परीक्षा प्रेक्षण प्रतिवेदन/सीएजी के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से पृथकतः प्रतिवेदित है।
- हमने लेखा परीक्षण भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षण प्रतिमानों के अनुसार किया है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हम यह विवरण बिना किसी भौतिक मिथ्या कथन के तैयार वित्तीय विवरणों के बारे में उचित विश्वास प्राप्त करने हेतु लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ व करें। एक लेखा परीक्षा में वित्तीय कथन में दी गई राशियाँ तथा खुलासों के समर्थन में साक्ष्यों के परीक्षण के आधार पर जांच सम्मिलित होती है। एक लेखा परीक्षा के प्रबंधन द्वारा व्यवहार में लाये जाने वाले लेखा संधारण सिद्धांतों का मूल्यांकन और महत्वपूर्ण प्राक्कलनों के साथ ही वित्तीय कथनों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षण हमारे अभिमत के लिए न्याय संगत आधार उपलब्ध कराता है।
- लेखा परीक्षण के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं कि**
 - हमारी यथेष्ट जानकारी और विश्वास के अनुसार हमने लेखा परीक्षा के लिए अभिवांछित सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।
 - प्रतिवेदन में आये तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखा/पावतियाँ और भुगतान लेखा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रारूप में तैयार किये गये हैं।
 - हमारे अभिमत में इंगारामासं द्वारा लेखा बही और अन्य संबंधित दस्तावेज समुचित ढंग से संधारित किये गये हैं। जैसा कि हमारे परीक्षण में आई ऐसी बहियों से प्रतीत होता है।
 - हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal for the year ended 31 March, 2016.

We have audited the attached Balance Sheet of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal (Sangrahalaya) as at 31st March, 2016 and the Income & Expenditure Accounts/ Receipts & Payment Accounts for the year ended on that date under Section 20 (1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Power & Conditions of Service) Act, 1971. The Audit has been entrusted for the period upto 2018-19. These financial statements are the responsibility of the IGRMS's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

- This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulation (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects etc. if any, are reported through Inspections Report/CAG's Audit Reports separately.
- We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining on a test basis evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.
- Based on our audit, we report that :-**
 - we have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
 - The Balance Sheet and Income & expenditure Account/ Receipt & Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Ministry of Finance, Government of India.
 - In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Sangrahalaya in so far as it appears from our examination of such books.
 - We further report that-

क. तुलन पत्र**1. परिसम्पत्तियाँ :****1.1. निवेश - अन्य (अनुसूचित-4) रु. 7.6 करोड़**

1.1.1. इसमें बैंकों में सावधि मज्जा रु. 4.45 करोड़ सम्मिलित है। परिणामतः निवेश का आधिक्य वर्णन तथा वर्तमान परिसम्पत्तियों (बैंक बैलेंस) में रु. 4.5 करोड़ का न्यून वर्णन आया है। यह पिछले एस.ए.आर. में भी इंगित किया गया था।

1.2. स्थाई परिसम्पत्तियाँ (अनुसूचि 15)(क) रु. 23.58 करोड़।

1.2.1. इसमें जतन सॉफ्टवेयर के विकास हेतु रु. 9.50 लाख का अग्रिम भुगतान शामिल है। इसके परिणामस्वरूप रु. 9.50 लाख का 'ऋण व अग्रिम' का न्यून वर्णन तथा स्थाई परिसम्पत्तियों में रु. 8.79 लाख का आधिक्य वर्णन और इसलिये व्यय में रु. 0.71 लाख आधिक्य वर्णित है

2. दायित्व**2.1. वर्तमान दायित्व और प्रावधान (अनुसूच-3) 6.5 करोड़**

2.1.1. इसमें चालू वित्त वर्ष 2015-16 से संबंधित विभिन्न वस्तुओं पर व्यय दायित्व रु. 39.84 लाख राशि शामिल नहीं है जबकि भुगतान वर्ष 2016-17 के दौरान किया गया है। इससे वर्तमान दायित्व और प्रावधानों में साथ ही व्यय में रु. 39.84 लाख का न्यून वर्णन हुआ है।

ख. आय और व्यय लेखे :**1. व्यय****1.1. रु. 1.20 लाख का पूर्व अवधि समायोजन (योजना रु. 0.1 लाख तथा गैरयोजना रु. 1.19 लाख)**

1.1.1. इसमें विगत वर्ष से संबंधित व्यय रु. 12.41 लाख (योजना रु. 4.39 तथा गैर योजना 8.02) शामिल नहीं हैं। इसलिये पूर्वावधि के खर्च में रु. 12.41 लाख का अल्प विवरण तथा उस सीमा तक गत वर्ष के व्यय का अधिक वर्णन है।

ग. सामान्य

1. ग्रेच्युटी, पंशन तथा अवकाश नकदीकरण जैसे सेवा निवृत्ति लाभों को बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर लेखाकृत नहीं किया गया है। यह गत वर्ष के एस.ए.आर. में भी इंगित किया गया था।

2. शासकीय अनुदान को पावती आधार पर लेखाकृत किया गया है जो वित्त मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट लेखे के एकिकृत प्रतिमान से मेल नहीं खाता है।

A. Balance Sheet**1. Assets :****1.1. Investment- Others (Schedule-4)- Rs.7.66 crore**

1.1.1. This includes fixed deposits in banks amounting to Rs.4.45 crore. This has resulted in overstatement of Investments and understatement of Current Assets (Bank Balance) by Rs.4.45 crore. This was pointed out in previous SAR also.

1.2. Fixed Assets (Schedule-15(A))- Rs.23.58 crore

1.2.1. This includes Rs.9.50 lakh being advance payment for development of 'Jatan' software. This has resulted in understatement of 'Loan and Advances' by Rs.9.50 lakh, and overstatement of Fixed Assets by Rs.8.79 lakh and depreciation by Rs.0.71 lakh consequently the Expenditure for the year is also overstated by Rs.0.71 lakh.

2. Liabilities**2.1. Current Liabilities and Provisions (Schedule-3)- Rs. 6.50 crore**

2.1.1. This does not include an amount of Rs.39.84 lakh towards the liability of various items of expenditure pertaining to the year 2015-16 but paid during the year 2016-17. This has resulted in understatement of Current Liabilities & Provisions as well as Expenditure by Rs.39.84 lakh.

B. Income and Expenditure Account :**1. Expenditure****1.1. Prior Period Adjustment- Rs.1.20 lakh (Plan- Rs.0.1 lakh and Non Plan- Rs.1.19 lakh)**

1.1.1. This does not include an amount of Rs.12.41 lakh (Plan- Rs.4.39 lakh and Non Plan- Rs.8.02 lakh) relating to previous year's expenditure. This resulted in understatement of prior Expenses by Rs.12.41 lakh and overstatement of Expenditure for the year to that extent.

C. General :

1. Retirement benefits such as gratuity, pension and leave encashment are not provided for on actuarial valuation basis. This was pointed out in the previous SAR also.

2. Government Grants are accounted on realisation basis, which is inconsistent with the Uniform Format of Accounts prescribed by the Ministry of Finance.

लेखे पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों का प्रभाव :

पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में दी गई टिप्पणियों का कुल प्रभाव यह हुआ कि दायित्व, व्यय तथा अवधि पूर्व व्यय क्रमशः रु. 0.71 लाख, रु. 39.84 लाख, रु. 26.72 लाख और रु. 12.41 लाख न्यून वर्णित है।

ग. सहायता अनुदान

- वर्ष के दौरान इ.गां.रामासं, भोपाल ने रु. 14.32 करोड़ (रु. 10.32 करोड़ योजना, रु. 4.00 करोड़ गैर योजना) अनुदान सहायता तथा रु. 0.88 करोड़ आंतरिक पावतियों के रूप में प्राप्त किये। इसके अतिरिक्त इसके पास गत वर्ष के अव्ययित रु. 2.47 करोड़ भी थे। इस प्रकार कुल उपलब्ध कोष रु. 17.67 करोड़ में से वर्ष के दौरान रु. 16.54 का ही उपयोग किया गया, वर्ष के दौरान रु. 16.54 का ही उपयोग किया गया, वर्ष के अंत में रु. 1.13 करोड़ अव्ययित शेष को छोड़ कर।
- (v) पूर्ववर्ती अनुच्छेद में अपने अवलोकन के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं कि इस प्रतिवेदन में आर्ये तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा पावतियाँ और भुगतान लेखा पुस्तकों के समझौते कु अनुरूप हैं।
- (vi) हमारे अभिमत में और हमारे यथेष्ट जानकारी में तथा हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार उपरोक्त वित्तीय विवरण का लेखा नीतियों तथा लेखे पर टिप्पणियों एवं ऊपर दिये गये महत्वपूर्ण मामलों का एक साथ अध्ययन कर तथा लेखा प्रतिवेदन के अनुलग्नकों में उल्लिखित अन्य विषयों का एक साथ अध्ययन कर भारत में लेखा सामान्य स्वीकृत सिद्धांतों के साथ एक सही और निष्पक्ष छवि की पुष्टि करते हैं।
- (क) जहाँ तक 31 मार्च, 2016 इंगांरामासं के तुलन पत्र की स्थिति का सम्बंध तथा
- (ख) जहाँ तक आय एवं व्यय लेखे और उस तिथि को समाप्त वर्ष के घाटे का सम्बंध है

स्थान: ग्वालियर
दिनांक : 28.12.2016

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
के वास्ते और उनकी ओर से
सही/-
महानिदेशक लेखा परीक्षा

Effect of Audit Comments on Accounts

The net impact of the comments given in the preceding paras is that the Assets, Liabilities, Expenditure and Prior Period Expenditure are understated by Rs.0.71 lakh, Rs.39.84 lakh, Rs.26.72 lakh, and Rs.12.41 lakh respectively.

D. Grant-in-aid

- During the year, the IGRMS ,Bhopal received Grant –in-aid of Rs.14.32 crore(Plan Rs.10.32 crore , Non-Plan Rs.4.00 crore) and Internal receipt Rs.0.88 crore . In addition to this it had unspent balance of Rs.2.47 crore of previous year. Thus out of the total available funds of Rs.17.67 crore , an amount of Rs.16.54 has been utilized during the year, leaving an unspent balance of Rs.1.13 crore at the end of the year.
- (v) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and the Receipts & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.
- (vi) In our opinion and to the best our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matter mentioned in the Annexure give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India;
- a. In so far as it relates to the Balance Sheet of state of affairs of Indira Gandhi Rashtriya Manava Sangrahalaya, Bhopal as at 31 March 2016; and
- b.In so far as it relates to the Income & Expenditure Accounts of the deficit for the year ended on that date.

Place : Gwalior
Dated : 28.12.2016

For and on behalf of the C&AG of India
Sd/-
Director General of Audit

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वर्ष 31 मार्च, 2016को समाप्त लेखे पर भारतीय महालेखा परीक्षा एवं नियंत्रक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का उत्तर।

क. तुलन पत्र

1. परिसम्पत्तियाँ :

1.1. निवेश - अन्य (अनुसूचित-4) रू. 7.6 करोड़

इंगारामासं. का उत्तर : भविष्य के लिये नोट किया गया।

1.2. स्थाई परिसम्पत्तियाँ (अनुसूचि 15)(क) रू. 23.58 करोड़।
इंगारामासं. का उत्तर : चालू वित्त वर्ष 2016-17 में सुधार कर इन्द्राज कर लिया जायेगा।

2. दायित्व

2.1. वर्तमान दायित्व और प्रावधान (अनुसूच-3) 6.5 करोड़।

इंगारामासं. का उत्तर : भविष्य के लिये नोट किया गया।

ख. आय और व्यय लेखे :

1. व्यय

1.1. रू. 1.20 लाख का पूर्व अवधि समायोजन (योजना रू. 0.1 लाख तथा गैरयोजना रू. 1.19 लाख)

इंगारामासं. का उत्तर : भविष्य के लिये नोट किया गया।

ग. सामान्य

1. इंगारामासं. का उत्तर : ग्रेच्युटी, पेंशन तथा अवकाश नकदीकरण का बीमाकिक अध्यन चालू वित्त वर्ष के दौरान कर लिया जायेगा।

2. इंगारामासं. का उत्तर : भविष्य के लिये नोट किया गया।

घ. सहायता अनुदान

1. इंगारामासं. का उत्तर : पुष्टि की गई

(v) इंगारामासं. का उत्तर : कोई टिप्पणी नहीं।

(vi) इंगारामासं. का उत्तर : कोई टिप्पणी नहीं।

(क) इंगारामासं. का उत्तर : कोई टिप्पणी नहीं।

(ख) इंगारामासं. का उत्तर : कोई टिप्पणी नहीं।

सही/-
प्रो.सरित कुमार चौधुरी
निदेशक, इंगारामासं

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा
परीक्षक
के वास्ते और उनकी ओर से
सही/-
महानिदेशक लेखा परीक्षा

Reply to Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal for the year ended 31 March, 2016.

A. Balance Sheet

1. Assets :

1.1. Investment- Others (Schedule-4)- Rs.7.66 crore

IGRMS Reply : This is noted for future.

1.2. Fixed Assets (Schedule-15(A))- Rs.23.58 crore

IGRMS Reply : The rectification entry shall be done during the current financial year 2016-17.

2. Liabilities

2.1. Current Liabilities and Provisions (Schdule-3)- Rs. 6.50 crore

IGRMS Reply : This is noted for future.

B. Income and Expenditure Account :

1. Expenditure

1.1. Prior Period Adjustment- Rs.1.20 lakh (Plan- Rs.0.1 lakh and Non Plan- Rs.1.19 lakh)

IGRMS Reply : This is noted for future.

C. General :

1. IGRMS Reply : The actuarial study of Gratuity, Pension and leave encashment shall be done during current year .

2. IGRMS Reply : noted

D. Grant-in-aid

1. IGRMS Reply : Confirmed.

(v) IGRMS Reply : No comments.

(vi) IGRMS Reply : No comments.

(a) IGRMS Reply : No comments.

(b) IGRMS Reply : No comments.

Sd/-

For and on behalf of the C&AG of India

Sd/-

Prof. Sarit Kumar Chaudhuri
Director, IGRMS

Director General of Audit

7

लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखे / **Audit Report and Annual Accounts** (2015-16)

7.2 वर्ष 2015-16 के लिए वार्षिक लेखा
Annual Accounts for the year 2015-16

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल
1.04.2015 से 31.03.2016 के लिए प्राप्ति और भुगतान
Indra Gandhi Rastriya Manav Sangrahalaya, Bhopal
Receipt and Payment Account for the Period 1.04.2015 to 31.03.2016

प्राप्तियाँ Receipts	Amount (Rs.)	भुगतान Payments	Amount (Rs.)	Amount (Rs.)
योजना PLAN		योजना PLAN		
प्रारंभिक शेष I. OPENING BALANCE		स्थापना व्यय अ I. ESTABLISHMENT EXP.		
1/4/2014 को AS ON 01/04/2015		वेतन Salaries	16704947.00	
हाथ में नगद Cash in Hand	13,53475.00	भत्ते Allowance	13523119.00	
बैंक में नगद Cash at Bank	33435952.63	वेतन (नई दिल्ली) Salaries(New Delhi)	166040.00	
		मजदूरी Wages	11564562.00	
		मजदूरी (मिस्सूर) Wages (Mysore)	167908.00	
II. सहायता अनुदान II. GRANT RECEIVED		अस्थाई योहदा मजदूरी Temporary Status Wages	8736913.00	
संस्कृति विभाग से Department of Culture	103198702.00	अस्थाई अग्रिम कार्यालयीन Temporary Advance Official	2845729.00	
आईजीएनसीए से IGNCA	300000.00	अस्थाई अग्रिम गैर कार्यालयीन Temporary Advance(Non-officials)	50418.00	53,759,636.00
III. कोई अन्य प्राप्ति III. ANY OTHER RECEIPTS		II. प्रशासनिक व्यय II. ADMINISTRATIVE EXP.		
डीआरसीजी भुगतान DRCG Payable	1528289.00	व्यवसायिक एवं विशेष सेवाएँ Professional & Special Services	5169885.00	
अस्थाई अग्रिम गैर-कार्यालयीन Temporary Advance Non-Official	1305512.00	डीसीआरजी अनुदान बिमा भुगतान DCRG Fund paid to LIC	NIL	
अस्थाई अग्रिम कार्यालयीन Temporary Advance Official	10246375.00	कार्यालयीन व्यय Office Expenses	873919.00	
रियासी भवन अग्रिम Housing building advance	226460.00	डीसीआरजी अनुदान DCRG Fund	1544156.00	
संग्रहालय दुकान प्राप्ति Museum Shop Receipts	185213.00	डीसीआरजी भुगतान DCRG payable	NIL	
		कार्यालयीन व्यय (नई दिल्ली) Office Expenses (N.Delhi)	51796.00	

गैर योजना NON PLAN					कार्यालयीन व्यय (मैसूर) Office Expenses(Mysore)	131130.00	
I. अनुदान प्राप्त I. GRANT RECEIVED					व्यवसायिक एवं विशेष सवार्से मैसूर Professional & Special Services Mysore	1286258.00	
संस्कृति विभाग से Department of Culture		43168824.00		43,168,824.00	डाक एवं दूरभाष व्यय (मैसूर) Postage/Telephone Exp.(Mysore)	31593.00	
					गैस्ट हाउस व्यय Guest House Exp.	131625.00	
II. ब्याज प्राप्त II. INTEREST RECEIVED					डाक एवं दूरभाष व्यय Postage/Telephone Exp.	212010.00	
एफ.डी.आर. पर ब्याज Interest on FDR's		5244134.00			विद्युत प्रभार Electricity charges	3213050.00	
अधिकारियों को अग्रिम पर ब्याज Interest on Advance to Officials		484387.00		5,728,521.00	आवागमन (नई दिल्ली) Conveyance(N.Delhi)	2030.00	
					स्टेशनरी एवं फार्म (नई दिल्ली) Stationary & Form(New Delhi)	5492.00	
III. अन्य आय III. OTHER INCOME					अन्य जमा Other Deposits	63643.00	
अनुज्ञा शुल्क Licence fee		107850.00			कम्प्यूटर अग्रिम Computer Advance	66900.00	
विविध प्राप्तियों एवं वापसी Misc. Receipts & Refund		1256430.00			एनपीएस NPS	961921.00	
संग्रहालय प्रवेश शुल्क Museum Entry Fees		3073270.00		4,437,550.00	डाक एवं दूरभाष व्यय (नई दिल्ली) Postage/Telephone Exp.(New Delhi)	16411.00	
					विद्युत प्रभार (मैसूर) Electricity charges(Mysore)	93391.00	
					स्टेशनरी एवं फार्म Stationary & Form	34467.00	
					स्टेशनरी एवं फार्म (मैसूर) Stationary & Form(Mysore)	7890.00	13,897,567.00
IV. कोई अन्य प्राप्तियाँ IV. ANY OTHER RECEIPTS							
स्कूटर अग्रिम Scooter Advance		11400.00			शैक्षणिक कार्यक्रम, लोक एवं जनजाति नृत्य Educational Prog., Folk & Tribal Art		
सा.भ.नि. GPF		578961.00			1. शैक्षणिक कार्यक्रम Educational Programme	128004.00	
एनपीएस NPS		200148.00			2. मौखिक डेमांस्ट्रेशन, प्रदर्शनी कला Demonstratio of Oral,Performing Art	24829974.00	24,957,978.00
चिकित्सा अग्रिम Medical Advance		190362.00					
सूचना का अधिकार अधिनियम शुल्क Right to Information Act Fees		50.00		980,921.00	III. संग्रहालय व्यय III. MUSEUM EXP.		
					लिडरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम Leadership Training Programme	000.00	

रसायन एवं अन्य व्यय						
Chemical & Other Expenses					240520.00	
प्रलेखन व्यय						
Documentation Expenses					1078098.00	
संग्रहालय प्रकाशन व्यय						
Museum Publication Exp.					52479.06	
ग्रंथालय व्यय						
Library Expenses					24099.00	
संगोष्ठी कार्यशाला व्यय						
Seminar/ Workshop Expenses					14201711.00	
अस्थाई प्रदर्शनी						
Temporary Exhibition					895588.00	
जनसुविधाएँ						
Public Facilities					347496.00	
बागवानी व्यय						
Horticulture Expenses					336000.00	
फेलोशिप व्यय						
Fellowship Expenses					1059904.00	
छाया सामग्री एवं अन्य व्यय						
Photo Material & other Expenses					127048.00	
वीडियो प्रलेखन(आईएनजीसी)						
Video Documentation (INGC)					225000.00	
फिल्म एवं अन्य मूल्य पर व्यय सीनेवीडियो एवं साउंड						
Cost of film & other Expenses(Cine-Video & Sound)					77348.00	18,665,291.06
iv. अस्थाई प्रस्तित्तियों एवं निर्माण कार्य की प्रगति पर व्यय						
iv. Expenditure on Fixed Assets & Capital Work in Progress						
अ. स्थाई परिसम्पत्तियों						
A. FIXED ASSETS						
भवन						
Building					684087.00	
प्रलेखन उपकरण						
Documentation Equipment					1170500.00	
फरनीचर्स						
Furniture					00.00	
भारतीय और विदेशी पत्रिकाएँ						
Indian & Foreign Journals					415852.00	
छाया मशिनरी एवं उपकरण						
Photo Machinery & Equipment					98400.00	

छाया उपकरण (दक्षके), मैसूर							23950.00	
Photo Equipment (SRC),Mysore								
मशीनरी एवं उपकरण (वीडियो / सिने साउंड)							1127931.00	
Machinery & Equipment (Video cine & sound)								
ग्रंथालय पुस्तकें							715876.00	
Library Books								
कार्यालय उपकरण							344767.00	
Office Equipments								
कार्यालय उपकरण (दक्षके), मैसूर							59868.00	
Office Equipments(SRC),Mysore								
शैक्षणिक प्रादर्श							2231954.00	
Thematic Specimens								
स्थल विकास							1013890.00	
Development of Site								
स्थल का विद्युतीकरण							125829.00	
Electrification of Site								
ऑपरेशन साल्वेज							104081.00	
Operation Salvage								
घुमन्तु प्रदर्शनी							843545.00	
Travelling Exhibition								
वाहन							1182706.00	
Vehicle								
मिथक पथ							275652.00	
Mythological Trail								
नदीघाटी मुक्ताकाश प्रदर्शनी							61900.00	
Open Air Exhibition River Village								
आंतरिक प्रदर्शनी-प्रादर्श दीर्घा							1976739.00	
Indoor Air exhibition-Exhibits Gallery								
पारंपरिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी							468414.00	
Open Air Exhibition Traditional Technology								
तटीय गाँव मुक्ताकाश प्रदर्शनी							603609.00	
Open Air Exhibition Costal Village								
जनजातिय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी							5295785.00	
Open Air Exhibition Tribal Habitat								
शैल कला मुक्ताकाश प्रदर्शनी							00.00	18,825,335.00
Open Air Exhibition Rock Art								
ब. निर्माण कार्य की प्रगति								
B. CAPITAL WORK IN PROGRESS								
सिविल कार्यों के लिए अग्रिम							NIL	NIL
Advance for civil work							NIL	NIL

नैर योजना					
NON PLAN					
I. स्थापना व्यय					
I. ESTABLISHMENT EXP.					
वेतन					
Salary				15950015.00	
भत्ते					
Allowances				10994945.00	
कर्मचारियों की मजदूरी					
Wages of Employees				3299458.00	
बीमा/जीआइएस					
LIC/GIS				2112.00	
पेंशन और ग्रेच्युटी					
Pension & Gratuities				3098952.00	
स्टाफ सुविधाएँ					
Staff Amenities				117359.00	33,462,841.00
II. प्रशासनिक व्यय					
II. ADMINISTRATIVE EXP.					
आवागमन प्रभार					
Conveyance Charges				210045.00	
विद्युत प्रभार					
Electricity charges				3789397.00	
विविध प्रभार					
Legal Charges				272628.00	
पोशाक एवं युनिफार्म व्यय					
Liveries & Uniform exp				13420.00	
वाहनों का रखरखाव					
Maintenance of Vehicle				170959.00	
कार्यालयीन व्यय					
Office Expenses				370097.00	
पेट्रोल, ऑयल, डीजल					
Petrol, Oil, Diesel				296055.00	
डाक / दूरभाष व्यय					
Postage/Telephone Exp.				494689.00	
व्यवसायिक एवं विशेष सेवाएँ					
Professional & Special Services				6258788.00	
स्टेशनरी एवं फार्म					
Stationary & Form				103401.00	
यात्रा व्यय कार्यालयीन					
Travelling Expenses official				953782.00	
जल प्रभार					
Water Charges				121396.00	
यात्रा रिकायत/एलटीसी अप्रिम					
TALTC Advance				70242.00	

अखबार एवं पत्रिका Newspaper & Magazine	37251.00						
प्रदर्श मंडार व्यय Specimen Stores Expenses	62656.00						13,224,806.00
III. संग्रहालय व्यय III. MUSEUM EXP.							
बागवानी व्यय Horticulture Expenses	37879.00						
संरक्षण, रसायन व अन्य व्यय Conservation Chemical & Other Expenses	20453.00						
मुक्ताकाश प्रदर्शनी (ल.जा.आ.) Open Air Exhibition(TH)	105433.00						
तटीय गाँव विकास मुक्ताकाश प्रदर्शनी Development of Open Air Costal Village	49540.00						
पारंपरिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी Open Air Exhibition Traditional Technology	16122.00						
फिल्म, कैसेट एवं अन्य शुल्क पर मुल्य Cost of film, Cassette & other charges	38427.00						
अंतरंग प्रदर्शनी दीर्घा व्यय Indoor Exhibition gallery Expenses	24558.00						
संग्रहालय दुकान व्यय Museum Shop Expenses	59699.00						
छाया सामग्री एवं व्यय Photo Material & Expenses	45642.00						397,753.00
IV. स्थाई परिसम्पत्तियाँ IV. FIXED ASSETS							
स्थल विकास Development of Site	127857.00						127,857.00
V. अन्य भुगतान V. OTHER PAYMENTS							
टीडीएस(एफडीआर पर ब्याज) TDS (on FDR Interest)	523664.00						
अदत्त वेतन एवं मजदूरी Unpaid Salaries & Wages	13052.00						
त्यौहार अग्रिम Festival Advance	18300.00						
सावधि जमा Fixed Deposits	9899537.00						

सुरक्षा जमा Security Deposits				44911.00	
सीजीएसएस स्कीम CGHS Scheme				450.00	
इम्प्रेस अग्रिम Imprest Advance				11806.00	
धरोहर राशि Earnest Money				5650.00	
सैरमिक व्यय Ceremic Expenses				3670.00	
आधिक्य बसूली Excess recoveries				73797.00	
बैंक चार्ज Bank charges				2521.00	10,597,358.00
VI. अंतिम शेष 1/3/2016 को VI. CLOSING BALANCES as on 01/03/2016					
हाथ में नगद Cash in Hand				68259.00	
बैंक में नगद Cash at Bank				1811113.57	18,179,372.57
योग / TOTAL				योग / TOTAL	206,095,794.63
					206,095,794.63

सही / sd/-
लेखा अधिकारी
ACCOUNTS OFFICER

सही / sd/-
निदेशक
DIRECTOR

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल
Indira Gandhi Rastriya Manav Sangrahalaya, Bhopal

1.04.2015 से 31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय व्यय का लेखा
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD 01/04/2015 TO 31/03/2016

आय	INCOME	लेखा पन्ना SCH.	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
योजना	PLAN			
अनुदान प्राप्त संस्कृति मंत्रालय से	GRANTS RECEIVED (Dept. OF CULTURE)	5	103198702.00	139834530.00
आईजीएसीए से अनुदान	GRANTS FROM IGNCA	2	225000.00	0.00
प्रकाशन से आय	INCOME FROM PUBLICATION	6	185213.00	nil
प्रकाशन के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF PUBLICATION	7	52479.00	77179.35
संग्रहालय दुकान के स्टॉक में वृद्धि / (कमी) (मैसूर)	INCREASE/(DECREASE) IN STOCK MUSEUM SHOP (Mysore)	8A	(-5213.00)	35160.00
कुल योजना (ए-1)	TOTAL PLAN (A-1)		103,656,181.00	139,946,869.35
गैर योजना	NON PLAN			
प्राप्त अनुदान	GRANTS RECEIVED		39968824.00	42204196.00
संस्कृति मंत्रालय से	(DEPT. OF CULTURE)			
अर्जित ब्याज	INTEREST EARNED	9	5220132.00	4198373.00
अन्य आय	OTHER INCOME	10	4437600.00	2580445.00
स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	INCREASE / (DECREASE) INSTOCK	11	(141061.00)	(71410.00)
समय पर समायोजन	PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS		0.00	478099.00
कुल गैर योजना (ए-2)	TOTAL NON PLAN (A-2)		49,485,495.00	49,389,703.00
कुल आय गैर योजना (ए1+ए2)	TOTAL INCOME (A1+A2)		153,141,676.00	189,336,572.35

उपरोक्त लेखा, लेखे की पुस्तकों से मेल रखता है।

The above balances are in agreement with the books of accounts.

कृते ए.के. सुराना एंड एशोसिएट्स / For A.K. Surana & Associates
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स / Chartered Accountants

सही / sd/-
(विवेक सिंग राजपूत) / (Vivek Singh Rajput)
पार्टनर / Partner

सही / sd/-
लेखा अधिकारी /
Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

व्यय	EXPENDITURE	लेखा पन्ना SCH.	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
योजना	PLAN			
स्थापना व्यय	ESTABLISHMENT EXPENSES	12	51763800.00	51173813.00
प्रशासनिक व्यय	ADMINISTRATIVE EXPENSES	13	15103753.00	16572891.00
संग्रहालय व्यय	MUSEUM EXPENSES	14	43623269.06	51767650.35
हास	DEPRECIATION	15(A)	1235981.02	18667727.87
समय पर समायोजन	PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS		1314.00	nil
कुल योजना (बी-1)	TOTAL PLAN (B-1)		111,728,117.08	138,182,082.22
गैर योजना	NON PLAN			
स्थापना व्यय	ESTABLISHMENT EXPENSES	16	32521142.00	29640327.00
प्रशासनिक व्यय	ADMINISTRATIVE EXPENSES	17	13088174.00	10004361.00
संग्रहालय व्यय	MUSEUM EXPENSES	18	501330.00	429547.00
हास	DEPRECIATION	15(B)		
समय पर समायोजन	PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS		119499.00	nil
कुल गैर योजना (बी-2)	TOTAL NON PLAN (B-2)		46,230,145.00	40,074,235.00
कुल गैर योजना (बी 1+बी2)	TOTAL EXPENDITURE (B1+B2)		157,958,262.08	178,256,317.22
(योजना+गैर योजना)	(PLAN+ NON PLAN)			
आय पर व्यय का आधिक्य (ए1+बी1)	EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE (A1-B1)			
योजना	PLAN		(8071936.08)	1764787.13
व्यय पर आय का आधिक्य (ए2-बी2)	OVER EXPENDITURE (A2-B2)			
गैर योजना	NON PLAN		3255350.00	9315468.00
शेष में अभी वृद्धि/कमी को आगे पूंजी कोष में ले जाया गया	BALANCE BEING SURPLUS/ (DEFICIT) C/F TO CAPITAL FUND			
योजना	PLAN		(8,071,936.08)	1,764,787.13
गैर योजना	NON PLAN		3,255,350.00	9,315,468.00

महत्वपूर्ण लेखा नीतियों

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

19

लेखा पर आकस्मिक दायित्व

CONTINGENT LIABILITIES AND NOTE ON ACCOUNTS

20

उपरोक्त लेखा, लेखे की पुस्तकों से मेल रखता है।

The above balances are in agreement with the books of accounts.

कृते ए.के. सुराना एंड एशोसिएट्स / For A.K. Surana & Associates

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स / Chartered Accountants

सही / sd/-

(विवेक सिंग राजपूत) / (Vivek Singh Rajput)

पार्टनर / Partner

सही / sd/-

लेखा अधिकारी / Accounts
Officer

सही / sd/-

निदेशक / Director

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल
INDIRA GANDHI RASHATRIYA MANAV SANGRAHALAYA, BHOPAL
31/03/2016 को तुलन पत्र
BALANCE SHEET AS AT 31/03/2016

दायित्व LIABILITIES	लेखा पन्ना SCH.	चालू वर्ष CURRENT YEAR (Amount in Rs)	गत वर्ष PREVIOUS YEAR (Amount in Rs)
पूँजी कोष CAPITAL FUND	1		
गैर योजना /NON PLAN		26198082.14	23922357.14
योजना /PLAN		341313886.63	350929978.71
सुरक्षित फंड Reserve Fund		19350708.00	18371083.00
निशान फंड EARMARKED Fund	2	287662.00	212662.00
वर्तमान दायित्व और प्रावधान CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	65005548.00	60700338.00
योग /TOTAL		452,155,886.77	454,136,418.85
परिसम्पत्तियाँ / ASSETS	SCH	CURRENT YEAR (Amount in Rs)	PREVIOUS YEAR (Amount in Rs.)
स्थायी परिसम्पत्तियाँ FIXED ASSETS			
योजना / PLAN	15(A)	235797607.22	197476804.67
गैर योजना /NON PLAN	15(B)	9179174.29	9675606.79
अन्य निवेश / INVESTMENT-OTHERS	4	76640152.00	34145834.00
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण तथा अग्रिम CURRENT ASSETS, LOANS & ADV.	5	130538953.26	120609676.82
योग /TOTAL		452,155,886.77	454,136,418.85

महत्वपूर्ण लेखा /
SIGNIFICANT ACCOUNTING
नीतियाँ / POLICIES

19

लेखा पर आकस्मिक दायित्व /
CONTINGENT LIABILITIES
महत्वपूर्ण लेखा /
SIGNIFICANT ACCOUNTING

20

AND NOTES ON ACCOUNTS

उपरोक्त लेखा, लेखे की पुस्तकों से मेल रखता है।
The above balances are in agreement with the
books of accounts.

कृते ए.के. सुराना एंड एशोसिएट्स /
For A.K. Surana & Associates
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स / Chartered Accountants

सही / sd/-
(विवेक सिंग राजपूत) / (Vivek Singh Rajput)
पार्टनर / Partner

सही / sd/-
लेखा अधिकारी /
Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक /
Director

अनुसूचि - 1 पूँजी कोष SCHEDULE -1 (CAPITAL FUND)				
PARTICULARS	विवरण		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
BALANCE ON (01-04-2015)	1.4.2015 को बकाया			
NON PLAN	गैर योजना		23922357.14	18849745.34
PLAN	योजना		350929978.71	342893438.58
Add/(Deduct):- Balance of net income/(expenditure) transferred from the Income & Expenditure Accounts	आय और व्यय लेखे में से कुल हस्तांतरित आय व्यय का बकाया जोड़ें / (घटाएँ)			
NON PLAN	गैर योजना		(3255350.00)	(9188379.80)
PLAN	योजना		(8071936.08)	(8080168.13)
Balance at the year end	वर्ष के अंत में बकाया			
NON PLAN	गैर योजना		27177707.14	28038125.14
PLAN	योजना		342858042.63	350973606.71
Less: Amount transferred to Reserve Fund(Non Plan)	घटाएँ: सुरक्षित कोष में स्थानांतरित की गई राशि (गैर योजना)		979625.00	4115768.00
Less: Amount transferred to DCRG Fund(from Plan)	घटाएँ: डीसीआरजी कोष में स्थानांतरित राशि (योजना से)		1544156.00	43628.00
Non-Plan (Closing Balance)	गैर योजना (अंतिम शेष)		26198082.14	23922357.14
(Closing Balance)	योजना (अंतिम शेष)		341313886.63	350929978.71
TOTAL	कुल		367,511,968.77	374,852,335.85

PARTICULARS	विवरण		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
SCHEDULE-2 EARMARKED FUND	अनुसूचि-2 निशान कोष			
Unspent Grant of UNESCO	यूनोस्को का अव्ययित अनुदान		212662.00	212662.00
Unspent Grant of IGNCA	आईजीएनसीए का अव्ययित अनुदान		75000.00	NIL
Grant received from IGNCA during the year	वर्ष के दौरान आईजीएनसीए से प्राप्त अनुदान	300000.00		
Less: Amount spent during the year (transferred to Income and Expenditure)	घटाएँ: वर्ष के दौरान व्यय की गयी राशि (आय एवं व्यय कोष में स्थानांतरित)	225000.00		
TOTAL	कुल (सी)		287,662.00	212,662.00

अनुसूचि-3 चालू दायित्वों और प्रावधान SCHEDULE-3 CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
PATICULARS	विवरण		
A) CURRENT LIABILITIES	ए) चालू दायित्व		
1) LIABILITIES	1) दायित्व		
LIC / GIC/GIS	जीवन बीमा / समूह बीमा	60.00	2172.00
GPF	सा.भ.नि.	17078019.00	16003142.00
DGRG FUND	डीसीआरजी फन्ड	32187501.00	30643345.00
N.P.S.	एनपीएस	269098.00	68950.00
C.G.H.S	सी.जी.एच.एस.	NIL	450.00
UNPAID SALARY & WAGES	वेतन एवं मजदूरी अदत्तमूल्य	NIL	1270626.00
DGRG PAYABLE	डीसीआरजी पेयबल	2798915.00	1270626.00
2) DEPOSITS	2) जमा		
EARNEST MONEY DEPOSIT	धरोहर राशि जमा	613307.00	618957.00
SECURITY DEPOSIT	सुरक्षा जमा	6185718.00	6230629.00
OTHER DEPOSIT	अन्य जमा	19157.00	82800.00
SOCIETY	समिति	0.00	0.00
EXCESS RECOVERY/Short Payment	आधिक्य वसूली / संक्षिप्त भुगतान	47591.00	121388.00
TOTAL (A)	कुल (ए)	59,199,366.00	55,055,511.00
B) PROVISIONS	बी) प्रावधान		
PROVISION FOR GPF INTEREST	सा.भ.नि. ब्याज पर प्रावधान	1509503.00	1445419.00
COMMUTATION	रूपान्तरन	750000.00	372667.00
LEAVE ENCASHMENT	अवकाश नगदी करण	504229.00	1000654.00
AUDIT FEES	लेखा परीक्षा शुल्क	151139.00	167087.00
EXPENSES (PLAN)	व्यय (योजना)	2031311.00	1879000.00
EXPENSES (NON PLAN)	व्यय (गैर योजना)	860000.00	780000.00
TOTAL (B)	कुल (बी)	5,806,182.00	5,644,827.00
TOTAL (A+B)	कुल (ए+बी)	65,005,548.00	60,700,338.00

सही / sd/-

लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-

निदेशक / Director

अनुसूचि 4 अन्य निवेश गैर योजना SCHEDULE -4 INVESTMENT - OTHER- NON PLAN			
PATICULARS	विवरण	चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
FDR	एफडिआर	44452651.00	NIL
GPF	सा.भ.नि.	NIL	15000000.00
SECURITY DEPOSIT	सुरक्षा जमा	NIL	4140452.00
Earnest Money Deposit	धरोहर राशि जमा	NIL	14200000.00
DCRG Payable	डीसीआरजी पेयबल	NIL	1000000.00
UNESCO	यूनेस्को	NIL	212662.00
DCRG FUND(LIC)	डीसीआरजी निधि (एलआईसी)	32187501.00	30643345.00
TOTAL	कुल	76,640,152.00	65,196,459.00
अनुसूचि 5 वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋण, अग्रिम SCHEDULE -5 CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES			
PATICULARS	विवरण	चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
A) CURRENT ASSETS	ए) वर्तमान परिसम्पत्तियों		
1) CASH BALANCE IN HAND	1) हाथ में बकाया नगद	68259.00	1353475.00
2) BANK BALANCE	2) बैंक में बकाया	18111113.57	33435952.63
3) FUND IN TRANSIT	3) प्रक्रिया में निधि	NIL	3200000.00
4) CLOSING STOCK	4) अंतिम स्टॉक		
a) MUSEUM GOODS (NON PLAN)	अ) संग्रहालय सामान (गैर योजना)	365813.00	506874.00
b) MUSEUM PUBLICATIONS (PLAN)	ब) संग्रहालय प्रकाशन (योजना)	3125196.69	3072717.69
c) MUSEUM GOOD (PLAN)Mysore	क) संग्रहालय सामान (योजना)मैसूर	29947.00	35160.00
5) DEPOSITS	5) जमा	20000.00	20000.00
6) DD IN TRANSIT	6) प्रक्रिया में डि.ड.	NIL	NIL
7) TDS ON FDR INTREST	7) एफडीआर ब्याज पर टीडीएस	1613735.00	1090071.00
NON PLAN	गैर योजना		
a) ACCRUED INTEREST ON FDR	अ) एफ.डी.आर. पर अभिवर्धित ब्याज	648496.00	259694.00
b) DEPOSIT MPEB	ब) म.प्र.वि.म. में जमा	1125104.00	1125104.00
c) DEPOSIT TELEPHONE DEPT.	स) दूरभाष विभाग में जमा	163247.00	163247.00
d) EARNEST MONEY DEPOSIT	द) धरोहर राशि जमा	NIL	NIL
PLAN	योजना		
a) OTHER DEPOSIT	अ) अन्य जमा	7000.00	7000.00
b) SECURITY DEPOSIT IN MPEB	ब) म.प्र.वि.म. में सुरक्षा जमा	2451269.00	2451269.00
TOTAL (A)	कुल (अ)	27,711,180.26	46,702,564.32
B) LOANS AND ADVANCES	बी) ऋण एवं अग्रिम		
NON PLAN	गैर योजना		
a) MEDICAL ADVANCE	अ) चिकित्सा अग्रिम	26282.00	216644.00
b) TA.ADVANCE (STAFF)	ब) यात्रा अग्रिम स्टाफ	514728.00	444486.00
c) SPECIMEN ADVANCE	स) प्रादर्श अग्रिम	3600.00	3600.00
d) FESTIVAL ADVANCE	द) त्यौहार अग्रिम	147600.00	129300.00
e) SCOOTER ADVANCE	क) स्कूटर अग्रिम	203440.00	214840.00
f) ADV. FOR CIVIL WORK	ख) निर्माण कार्य अग्रिम	1609300.00	1609300.00
g) IMPREST ADVANCE OFFICIAL	ग) कार्यालयीन इम्प्रेस अग्रिम	36034.00	24228.00
TOTAL NON PLAN (B1)	कुल गैर योजना	2,540,984.00	2,642,398.00
PLAN	योजना		
a) TEMP. ADVANCE (STAFF)	अ) अस्थाई अग्रिम (स्टाफ)	12554055.00	22800430.00
b) ADVANCE FOR CIVIL WORK	ब) निर्माण कार्य के लिये अग्रिम	81228384.00	81228384.00
c) ANTHROPOLOGICAL ADV.	स) मानवशास्त्रीय अग्रिम	95830.00	95830.00

d) COMPUTER ADVANCE	द) कम्प्यूटर अग्रिम	257100.00	190200.00
e) HOUSE BUILDING ADVANCE	क) रिहायसी भवन अग्रिम	1103550.00	1330010.00
f) TA.ADV. NON OFFICIALS	ख) यात्रा अग्रिम गैर कार्यालयीन	2500.00	2500.00
g) TEMP.ADV. NON OFFICIALS	ग) अस्थाई अग्रिम गैर कार्यालयीन	3964224.00	5269736.00
h) MEDICAL ADVANCE	ड) चिकित्सा अग्रिम	--	--
TOTAL PLAN (B2)	कुल योजना	99,205,643.00	110,917,090.00
TOTAL (B)=(B1+B2)	कुल	101,746,627.00	113,559,488.00
		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
C) PREPAID EXPENSES& INCOME ACCRUED	सी) पूर्व भुगतानित व्यय एवं अभिवर्धित आय		
ACCRUED INTEREST (L & A)(NP)	अभिवर्धित व्याज (एल एवं ए) (गैर योजना)	1081146.00	1418337.00
TOTAL (C)	कुल (सी)	1,081,146.00	1,418,337.00
TOTAL (A+B+C)	कुल (ए+बी+सी)	130,538,953.26	161,680,389.32

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचि - 6 : प्रकाशनों/संग्रहालय दुकान से आय (योजना)/			
SCHEDULE - 6: INCOME FROM PUBLICATIONS / MUSEUM SHOP (PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय दुकान से विक्रय (मैसूर)	SALE OF MUSEUM SHOP (Mysore)	185213.00	NIL
योग	TOTAL	185,213.00	NIL
अनुसूचि - 7: प्रकाशन स्टॉक में वृद्धि/कमी (योजना)/			
SCHEDULE - 7: INCRE./DECR.IN STOCK PUBLICATIONS (PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय प्रकाशन	MUSEUM PUBLICATIONS		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	3125196.69	3072717.69
घटाओ :- प्रारंभिक स्टॉक	LESS:- OPENING STOCK	3072717.69	2995538.34
कुल वृद्धि / कमी	NET INCREASE/(DECREASE)	52,479.00	(77,179.35)
अनुसूचि - 8ए: संग्रहालय दुकान (मैसूर) के स्टॉक में वृद्धि/कमी (योजना)/			
SCHEDULE - 8A: INCRE./DECR.IN STOCK MUSEUM SHOP (Mysore) (PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय प्रकाशन	MUSEUM PUBLICATIONS		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	29947.00	35160.00
घटाओ :- प्रारंभिक स्टॉक	LESS:- OPENING STOCK	35160.00	NIL
कुल वृद्धि कमी	NET INCREASE/(DECREASE)	(5,213.00)	(35,160.00)

अनुसूचि - 9: अर्जित ब्याज (गैर योजना)/ SCHEDULE -9: INTEREST EARNED (NON PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
अनुसूचित बैंक में एफ.डी.आर. पर	INTEREST ON FDR	5072936.00	4027016.00
ऋण/स्टॉफ अग्रिम पर	ON LOANS/ADVANCE TO OFFICIALS	147196.00	171357.00
योग	TOTAL	5,220,132.00	4,198,373.00
अनुसूचि - 10: अन्य आय (गैर योजना)/ SCHEDULE - 10: OTHER INCOME (NON PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय दुकान से विक्रय	SALE OF MUSEUM SHOPPE	NIL	71410.00
संग्रहालय प्रवेश शुल्क	MUSEUM ENTRY FEES	3073270.00	2016005.00
सूचना का अधिकार अधिनियम शुल्क	RIGHT TO INFORMATION ACT FEES	50.00	459.00
विविध प्राप्तियाँ	MISC.RECEIPTS	1256430.00	327046.00
एमपीइबी सुरक्षा पर	INTEREST ON SECURITY WITH MPEB	NIL	93942.00
अनुज्ञा शुल्क	LICENCE FEES	107850.00	71583.00
योग	TOTAL	4,437,600.00	2,580,445.00
अनुसूचि - 11: संग्रहालय दुकान के स्टॉक में वृद्धि/कमी (गैर योजना)/ SCHEDULE-11 :INCRE/DECRE.IN STOCK.MUSEUM SHOP (NON PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालयीन वस्तुएँ	MUSEUM GOODS		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	356813.00	506874.00
घटाओ :- प्रारंभिक स्टॉक	LESS:- OPENING STOCK	506874.00	578284.00
कुल वृद्धि कमी	NET INCREASE/(DECREASE)	(141,061.00)	(71,410.00)

अनुसूचि - 12 : स्थापना व्यय (योजना) SCHEDULE- 12: ESTABLISHMENT EXPENSES (PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
वेतन	SALARY	17454947.00	18931305.00
भत्ते	ALLOWANCES	13523119.00	11853689.00
दैनिक वेतनकर्मी मजदूरी	TEMPORARY STATUS WAGES	8736913.00	8000553.00
मजदूरी	WAGES	11712873.00	12073636.00
मजदूरी (मैसूर)	WAGES (Mysore)	169908.00	165636.00
वेतन (नई दिल्ली)	SALARY(New Delhi)	166,040.00	148994.00
योग	TOTAL	51,763,800.00	51,173,813.00

अनुसूचि - 13: प्रशासनिक व्यय (योजना) SCHEDULE - 13: ADMINISTRATIVE EXPENSES(PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
यात्रा व्यय(कार्यालयीन)	TRAVELLIN EXPENSES(OFFICIAL)	2,825,729.00	2911618.00
यात्रा भल्ता गैर कार्यालयीन	T.A.NON OFFICIAL	50418.00	517202.00
कार्यालयीन व्यय	OFFICE EXP	873919.00	1208099.00
विद्युत प्रभार	ELECTRICITY CHARGES	3213050.00	3379789.00
व्यवसायिक एवं विशेष सेवाएँ	PROFESSIONAL & SPECIAL SERVICES	5153937.00	6657230.00
व्यवसायिक शुल्क	PROFESSIONAL FEES	--	--
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	212010.00	235000.00
स्टेशनरी व्यय	STATIONERY EXP.	34467.00	130100.00
गेस्ट हाउस व्यय	GUEST HOUSE EXP.	131625.00	NIL
एनपीएस	NPS	961921.00	NIL
डीजीआरजी अन्तरिम राहत	DGRG INTRIM RELIEF	NIL	16000.00
अस्थाई कार्यालयीन न्यू दिल्ली	TEMP.OFFICE NEW DELHI		
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	16411.00	14625.00
कार्यालयीन व्यय (नई दिल्ली)	OFFICE EXP.NEW DELHI	51796.00	79255.00
स्टेशनरी एवं फार्म (नई दिल्ली)	STATIONERY & FORMS (New Delhi)	5492.00	10970.00
आवागमन	CONVEYENCE	2030.00	3045.00
क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर	REGIONAL CENTRE MYSORE		
विद्युत व्यय	ELECTRIC EXPENSES	94077.00	91711.00
कार्यालयीन व्यय	OFFICE EXPENSES	131130.00	173069.00
व्यवसायिक एवं विशेष सेवाएँ	PROF. & SPECIAL SERVICES	1286258.00	1083390.00
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	31593.00	30784.00
स्टेशनरी व्यय	STATIONERY EXP.	7890.00	31004.00
योग	TOTAL	15,103,753.00	16,572,891.00

सही / sd/-

लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-

निदेशक / Director

अनुसूचि - 14: संग्रहालय व्यय (योजना) SCHEDULE-14: MUSEUM EXPENSES(PLAN)			
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संरक्षण रसायन व्यय	CONSERVATION.CHEMICAL EXP.		-
प्रलेखन व्यय	DOCUMENTATION EXPENSES	1078098.00	888797.00
शैक्षणिक कार्यक्रम	EDUCATIONAL PROGRAMMES	128004.00	234853.00
संग्रहालय दुकान व्यय (मैसूर)	MUSEUM SHOP EXPENSES (Mysore)	NIL	35160.00
बगवानी व्यय	HORTICULTURE EXPENSES	336000.00	956543.00
संग्रहालय प्रकाशन व्यय	MUSEUM PUBLICATION EXP.	52479.06	77179.35
मिथिक पथ	MYTHOLOGICAL TRAIL	NIL	903903.00
प्रदर्शनकारी कलाएँ का प्रलेखन	DEMONSTRATION OF ORAL PERFORMING ART	24829974.00	29705592.00
छायांकन सामग्री व अन्य व्यय	PHOTOGRAPHY MATERIAL & OTHER EXP.	127048.00	15221.00
जन सुविधाएँ	PUBLIC FACILITIES	347496.00	1573261.00
संगोष्ठी, कार्यशाला एवं व्याख्यान	SEMINAR, WORKSHOP & LECTURE	14201711.00	15645326.00
अस्थाई प्रदर्शनी	TEMPORARY EXHIBITION	895588.00	639242.00
टेगोर फेलोशिप व्यय	TAGORE FELLOWSHIP EXP	1059904.00	32143.00
लिडरशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यय	LEADERSHIP TRAINING Programme EXP	NIL	291031.00
रसायन व्यय	CHEMICAL EXPENSES	240520.00	260913.00
ग्रंथालय व्यय	Library Expenses	24099.00	18371.00
फिल्म का मूल्य एवं अन्य व्यय	COST OF FILM AND OTHER EXPENSES	77348.00	NIL
वीडियो / सिने प्रलेखन व्यय	VIDEO / CINE DOCUMENTATION EXPENSES	225000.00	112138.00
रेखा कला सामग्री	GRAPHICS ART MATERIAL	NIL	77977.00
	TOTAL	43,623,269.06	51,767,650.35

सही / sd/-

लेखा अधिकारी

ACCOUNTS OFFICER

सही / sd/-

निदेशक

DIRECTOR

अनुसूचि 15 क खाई परिसम्पत्तियों योजना
SCHEDULE :-15(A) (FIXED ASSETS) PLAN

विवरण DESCRIPTION	सकल रकम GROSS BLOCK				ह्रास DEPRECIATION				शुद्ध रकम NET BLOCK		
	रकम के शुरुआत में Cost as at beginning of the year (01/04/2015)	वर्ष के दौरान अतिरिक्त Additions during the year (2013-2016)	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	रकम के अंत में शुद्ध Cost at the end-year (31-03-2016)	रकम के शुरुआत में Beginning of the year	वर्ष के दौरान ह्रास Addition during the year	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष (31/03/2016) तक कुल Total up to the year (31/03/2016)	वर्ष के अंत में (31/03/2016) As at the current year (31/03/2016)	पिछले वर्ष के अंत में (31/03/2015) As at the previous year (31/03/2015)	दर पर ह्रास * Rate of * Dep.
भूमि LAND											
A- जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT											
A- भूमि का विकास DEVELOPMENT OF LAND	8,513,334.00			8,513,334.00					8,513,334.00	8,513,334.00	
B- साइट का विकास SITE DEVELOPMENT	22,534,070.00	1,013,890.00		23,547,960.00					23,547,960.00	22,534,070.00	
BUILDING-शवन											
A-BUILDING क-भवन	133,450,258.00	684,087.00		134,134,348.00	131,871,133.20	192,340.83	132,063,474.03	2,070,870.97	1,579,124.80	10%	
संचयन मशीनरी व उपकरण PLANT,MACHINERY & EQUIP.											
A- TOOLS	163,299.00			163,299.00	163,299.00		163,299.00			15%	
— प्रतिस्वयं उपकरण	242,734.00			242,734.00	242,734.00		242,734.00			15%	
B- MODELING EQUIPMENT	3,582,686.00	98,400.00		3,681,086.00	3,582,686.00	7,380.60	3,590,066.00	91,020.00		15%	
C- PHOTOGRAPHY EQUIP.	42,457.00			42,457.00	42,457.00		42,457.00			15%	
D- LAB EQUIPMENT	20,469,943.95	1,127,931.00		21,597,874.95	20,385,980.95	181,784.10	20,567,765.05	1,030,109.90	83,963.00	15%	
E- CINE-VIDEO EQUIPMENT	258,316.00			258,316.00	258,316.00		258,316.00			15%	
F- LIBRARY EQUIPMENT	11,704,973.00	1,170,500.00		12,875,473.00	10,802,826.98	239,646.90	11,042,473.88	1,832,999.12	902,146.03	15%	
G- प्रलेखन सामग्री DOCUMENTATION EQUIPMENT	6,904,641.00			6,904,641.00	6,880,533.85	3,616.07	6,884,149.92	20,491.08	24,107.15	15%	
H- अंतरा प्रदर्शनी सामग्री INDOOR EXHIBITION EQUIPMENT	89,731.00	241,666.00		331,397.00	86,142.02	31,585.05	117,727.07	213,669.93	3,588.98	15%	
I- बागवानी सामग्री HORTICULTURE EQUIPMENT	35,100.00			35,100.00	28,957.50	921.38	29,878.88	5,221.13	6,142.50	15%	
J- CERAMIC EQUIPMENT		23,950.00		23,950.00		1,796.25	1,796.25	22,153.75		15%	
K- छायांकन उपकरण (स्केच) मैसूर PHOTOGRAPHY EQUIP.(SRC) MYSORE											
वाहन VEHICLES											
क - मोटर वाहन A- MOTOR VEHICLE	1,292,409.00	1,182,706.00		2,475,115.00	1,057,539.90	212,636.27	1,270,176.17	1,204,938.84	234,869.10	15%	
फर्नीचर व फिक्सचर FURNITURE & FIXTURE											
क - फर्नीचर A-FURNITURE	7,494,409.00			7,494,409.00	6,590,054.50	90,435.45	6,680,489.95	813,919.05	904,354.50	10%	
ख - फर्नीचर नई दिल्ली B-FURNITURE (New Delhi Off.)	171,963.70			171,963.70	171,963.70		171,963.70			10%	
कार्यालय उपकरण OFFICE EQUIPMENT											
क - कार्यालय उपकरण A-OFFICE EQUIPMENT	11,968,157.00	344,767.00		12,312,924.00	11,510,517.20	103,564.92	11,614,082.12	698,841.88	457,639.80	15%	
ख - कार्यालय उपकरण (नई दिल्ली) B- OFFICE EQUIPMENT (New Delhi)	254,112.00			254,112.00	254,112.00		254,112.00			15%	
ख - कार्यालय उपकरण (स्केच) मैसूर B- OFFICE EQUIPMENT (SRC) MYSORE		59,868.00		59,868.00		8,980.20	8,980.20	50,887.80		15%	
कम्प्यूटर / परिपेरल्स COMPUTER / PERIPHERALS	15,685,542.70			15,685,542.70	15,685,542.70		15,685,542.70			15%	

विद्युतीकरण ELECTRIFICATION	11,823,927.00	125,829.00	10,764,943.73	168,284.67	10,933,228.39	1,016,527.61	1,058,983.28	15%
ग्रंथालय पुस्तकें LIBRARY BOOKS								
क - ग्रंथालय पुस्तकें A- LIBRARY BOOKS	11,369,468.00	715,876.00				12,085,344.00	11,369,468.00	
ख - ग्रंथालय पत्रिकाएँ B- LIBRARY JOURNALS	14,312,655.51	415,852.00				14,728,507.51	14,312,655.51	
ग - ग्रंथालय साहित्य C- TRIBAL LITERATURE	21,975.00					21,975.00	21,975.00	
पानी की टंकी WATER TANK	1,747,564.00					1,747,564.00	1,747,564.00	
अन्य स्थाई परिसम्पत्तियाँ OTHER FIXED ASSETS								
क - डेड स्टॉक A - DEAD STOCK	9,827,473.00					9,827,473.00	9,827,473.00	
ख - प्रदर्श B - SPECIMEN	761,202.00					761,202.00	761,202.00	
ग - पारदर्शियाँ D - INDOOR EXHIBITION	24,154,418.00	1,976,739.00				26,131,157.00	24,154,418.00	
घ - अंतरंग प्रदर्शियाँ E - OPEN AIR EXHIBITION	1,904,172.00					1,904,172.00	1,904,172.00	
च - मुक्ताकाश प्रदर्शनी F - JUNGLE SALVAGE ***	43,985,917.00	5,295,785.00				49,281,702.00	43,985,917.00	
1 - जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT	9,988,331.20	603,609.00				10,591,940.20	9,988,331.20	
2 - तटीय गाँव COASTAL VILLAGE	5,968,534.45					5,968,534.45	5,968,534.45	
3 - शैल कला ROCK ART	1,909,668.00					1,909,668.00	1,109,668.00	
4 - हिमालयीन गाँव HIMALAYAN VILLAGE	1,693,855.00					1,693,855.00	1,693,855.00	
5 - मरु गाँव DESERT VILLAGE	3,776,882.00	61,900.00				3,838,728.00	3,776,882.00	
6 - नदी घाटी RIVER VALLEY	2,118,338.00					2,118,338.00	2,118,338.00	
7 - मैसूर MYSORE	1,913,295.00	468,414.00				2,381,709.00	1,913,295.00	
8 - पारम्परिक तकनीक TRADITIONAL TECHNOLOGY	6,275,418.00					6,275,418.00	6,275,418.00	
9 - प्रदर्शनी दीर्घा EXHIBITION gallery								
छ - ऑपरेशन साल्वेज F. OPERARION SALVAGE ***	5,188,600.00	104,081.00				5,292,681.00	5,188,600.00	
थीमैटिक प्रदर्शनी THEMATIC SPECIMEN	27,807,829.00	2,231,954.00				30,039,783.00	27,807,829.00	
घ-मानवशास्त्रीय फिल्म G- ANTHROPOLOGICAL FILM	1,264,132.00					1,264,132.00	1,264,132.00	
ज-धूम्र प्रदर्शियाँ H- TRAVILLING EXHIBITION	5,755,886.00	843,543.00				6,599,431.00	5,755,886.00	
योगात्काल वर्ष TOTAL OF CURRENT YEAR	438,669,288.51	18,825,335.00	220,461,035.27	1,235,981.02	221,697,016.29	235,797,607.22	218,208,253.24	

सही / sd/-
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-
निदेशक / Director

अनुसूचि - 15 ख स्थाई परिसम्पत्तियों गैर योजना
SCHEDULE :-15(B) (FIXED ASSETS) NON PLAN

विवरण DESCRIPTION	सकल सेक GROSS BLOCK			काय DEPRECIATION			शुद्ध सेक NET BLOCK		
	वर्ष के शुरू में मूल्य Cost at beginning of the year (01/04/2015)	वर्ष के अंत में मूल्य Cost at the end-year (31-03-2016)	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष के शुरू में Beginning of the year	वर्ष के दौरान काय Addition during the year	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष के शुरू में As at the current year (31/03/2016)	वर्ष के शुरू में As at the previous year (31/03/2015)	दर पर दर * Rate of * Dep.
स्थायी परिसम्पत्तियों FIXED ASSETS									
भूमि LAND									
क - भूमि A- LAND	835,717.00	835,717.00					835,717.00	835,717.00	
ख - भूमि का विकास B- DEVELOPMENT OF LAND	2,850,920.97	2,850,920.97					2,850,920.97	2,850,920.97	
गवन BUILDING									
क - भवन A- BUILDING	5,738,434.00	5,738,434.00		5,611,345.80			127,088.20	127,088.20	10%
संयंत्र, मशीनरी और उपकरण PLANT,MACHINERY & EQUIP.									
क - औजार A- TOOLS	2,322.97	2,322.97		2,322.97			2,322.97	2,322.97	15%
ख - फील्ड उपकरण B- FIELD EQUIPMENT	23,876.65	23,876.65		23,876.65			23,876.65	23,876.65	15%
ग- परिवहन उपकरण C- MODELING EQUIPMENT	36,307.55	36,307.55		36,307.55			36,307.55	36,307.55	15%
घ छायांकन उपकरण D- PHOTOGRAPHY EQUIP.	406,393.29	406,393.29		406,393.29			406,393.29	406,393.29	15%
ड- प्रयोग शाला उपकरण E- LAB EQUIPMENT	134,927.80	134,927.80		134,927.80			134,927.80	134,927.80	15%
च- सिनेमटोनि उपकरण F- CINE.SOUND EQUIPMENT	2,441,452.00	2,441,452.00		2,441,452.00			2,441,452.00	2,441,452.00	15%
ज- ग्रंथालय उपकरण G- LIBRARY EQUIPMENT									
वाहन VEHICLES									
क - मोटर वाहन A- MOTOR.VEHICLE	749,875.27	749,875.27		749,875.27			749,875.27	749,875.27	
फर्नीचर व फिक्चर FURNITURE & FIXTURE									
क - फर्नीचर A- FURNITURE	1,290,869.39	1,290,869.39		1,290,869.39			1,290,869.39	1,290,869.39	10%
कार्यालय उपकरण OFFICE EQUIPMENT									
क - कार्यालय उपकरण A- OFFICE EQUIPMENT	2,743,548.89	2,743,548.89		2,743,548.89			2,743,548.89	2,743,548.89	15%
स्थल विकास SITE DEVELOPMENT	1,637,696.00	1,637,696.00	127,857.00				1,765,553.00	1,637,696.00	
कम्प्यूटर परिपेरल्स COMPUTER / PERIPHERALS	1,950,828.00	1,950,828.00		1,950,828.00			1,950,828.00	1,950,828.00	60%
ग्रंथालय पुस्तक LIBRARY BOOKS									
क - ग्रंथालय पुस्तक A- LIBRARY BOOKS	1,183,277.39	1,183,277.39					1,183,277.39	1,183,277.39	
ख - ग्रंथालय पत्रिकाएं B- LIBRARY JOURNALS	362,176.45	362,176.45					362,176.45	362,176.45	
अन्य स्थाई परिसम्पत्तियाँ OTHER FIXED ASSETS									
क - डैड स्टॉक A- DEAD STOCK	26,329.24	26,329.24					26,329.24	26,329.24	

ख - प्रदर्श B - SPECIMEN	290,619.70								290,619.70	290,619.70
ग - पदचित्रियाँ C - SLIDES										
घ - अंदरूत प्रदर्शियाँ D - INDOOR EXHIBITION	130,765.00								130,765.00	130,765.00
च - खुलाकाश प्रदर्शनी E - OPEN AIR EXHIBITION										
फ - जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT	550,002.25								550,002.25	550,002.25
ड - ओपरेशन साल्वेज G - OPERARIION SALVAGE	533,813.29								533,813.29	533,813.29
योग चालू वर्ष TOTAL CURRENT YEAR	24,570,253.10	127,857.00	24,698,110.10	15,518,935.81	15,518,935.81				9,179,174.29	9,051,317.29
योग गत वर्ष TOTAL PREVIOUS YEAR										

सही / sd/-

निदेशक /
Director

सही / sd/-

लेखा अधिकारी /
Accounts Officer

अनुसूचि - 16 : स्थापना व्यय (योजना)		SCHEDULE- 16: ESTABLISHMENT EXPENSES (NON PLAN)	
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
वेतन	SALARY	14991645.00	14264183.00
भत्ते	ALLOWANCES	10994945.00	9477962.00
मजदूरी	WAGES	3318241.00	3359278.00
स्टाफ सुविधाएँ	STAFF AMENITIES	117359.00	10554.00
पेंशन ग्रेच्युटी	PENSION/GRATIUIITY	3098952.00	2433350.00
योग	TOTAL	32,521,142.00	29,640,327.00

अनुसूचि - 17 प्रशासनिक व्यय (गैर योजना)		SCHEDULE - 17 ADMINISTRATIVE EXPENSES (NON PLAN)	
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
प्रचार-प्रसार	ADVERTISEMENT & PUBLICITY		
बैंक प्रभार	BANK CHARGES	2521.00	5926.00
आवागमन प्रभार	CONVEYANCE CHARGE	210045.00	131468.00
विद्युत प्रभार	ELECTRICITY CHARGE.	3820393.00	3651463.00
विद्युत मरम्मत	ELECTRICITY REPAIR	-	2185.00
विधिक प्रभार	LEGAL CHARGES	272628.00	60287.00
गणवेश आदि	LIVERIES & UNIFORMS	13420.00	75993.00
वाहनों का रखरखाव	MAINT. OF VEHICLES	170959.00	297599.00
बैठक एवं सत्कार	MEETINGS & ENTERTAINMENT	-	-
कार्यालयीन व्यय	OFFICE EXPENSES	370097.00	406921.00
पेट्रोल, ऑयल, डीजल	PETROL,OIL,DIESEL	296055.00	375083.00
अन्य प्रभार	OTHER CHARGES	-	...
डाक एवं दूरभाष	POSTAGE & TELEPHONE	494689.00	438270.00
व्यवसायिक एवं विशेष सेवार्थे	PROFESSIONAL.& SPECIAL SERVICES	6258788.00	3737866.00
स्टेशनरी एवं फार्मस	STATIONERY & FORMS	103401.00	150502.00
यात्रा व्यय (कार्यालयीन)	TRAVELING EXPENSES(OFFICE)	953787.00	581784.00
जल प्रभार	WATER CHARGES	121396.00	89014.00
समाचार पत्र/पत्रिकाएँ	NEWS PAPERS & MAGZINE		...
योग	TOTAL	13,088,174.00	10,004,361.00

अनुसूचि - 18 संग्रहालय व्यय (गैर योजना)		SCHEDULE - 18 MUSEUM EXPENSES (NON PLAN)	
विवरण	PARTICULARS	चलू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
सिने वीडियो व्यय	CINE VIDEO EXPENSES	38427.00	17210.00
बागवानी व्यय	HORTICULTURE EXPENSES	37879.00	21670.00
अंतरंग संग्रहालय दीर्घा व्यय	INDOOR MUSEUM GALLERY EXPENSES	24558.00	13634.00
ग्रंथालय व्यय	LIBRARY EXPENSES	37251.00	57029.00
मुक्ताकाश प्रदर्शनी ज.आ.	OPEN AIR EXH. TRIBAL HABITAT	105433.00	95207.00
संग्रहालय दुकान व्यय	MUSEUM SHOP EXPENSES	59699.00	NIL
मुक्ताकाश प्रदर्शनी तटीय गाँव	OPEN AIR EXH. COSTAL VILLAGE	49540.00	44560.00
मुक्ताकाश प्रदर्शनी पारंपरिक तकनीकी	OPEN AIR EXH. TRADITIONAL TECHNOLOGY	16122.00	47509.00
प्रतिरूपण सामग्री एवं अन्य व्यय	MODELING MATERIAL & OTHER EXPENSES	NIL	230.00
छायांकन सामग्री एवं अन्य व्यय	PHOTOGRAPHY MATERIAL & OTHER EXPENSES	45642.00	43331.00
सिरेमिक व्यय	CERAMIC EXPENSES	3670.00	NIL
प्रादर्श/भंडारण व्यय	SPECIMEN / STORES EXP.	62656.00	64462.00
संरक्षण/रसायन एवं अन्य व्यय	CONSERVATION / CHEMICAL & OHTER EXPENSES	20453.00	24705.00
योग	TOTAL	501,330.00	429,547.00

सही /sd/-
लेखा अधिकारी
ACCOUNTS OFFICER

सही /sd/-
निदेशक
DIRECTOR

8

अनुलग्नक / **Annexures**

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के सदस्य
Members of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti

पदेन सदस्य

प्रभारी मंत्री, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001	अध्यक्ष (पदेन)
सचिव, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001	उपाध्यक्ष (पदेन)
संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन)
वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन)
निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकता-700 016	सदस्य (पदेन)
सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन)
मुख्य सचिव, म.प्र. शासन, मंत्रालय, भोपाल	सदस्य (पदेन)
निदेशक इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शामला हिल्स, भोपाल	सदस्य-सचिव

Ex-officio members

The Minister-in-charge Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi -110001	President Ex-officio
The Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi -110001	Vice-President Ex-officio
The Joint Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi -110001	Member Ex-officio
The Financial Adviser, Ministry of Culture, Government of India, New Delhi -110001	Member Ex-officio
The Director, Anthropological Survey of India, 27, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata-700016	Member Ex-officio
The Secretary, Ministry of Home Affairs, Govt. of India New Delhi 110001	Member Ex-officio
The Chief Secretary, Govt. of Madhya Pradesh Mantralaya, Bhopal	Member Ex-officio
The Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Shamla Hills, Bhopal-462013	Member-Secretary

नामित सदस्य

प्रो. विनय श्रीवास्तव,
सामाजिक मानव विज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-110 007

सदस्य

प्रो. ए.के. कपूर,
मानव विज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-110 007

सदस्य

सुश्री मोयना चक्रवर्ती
मानव विज्ञान विभाग,
पण्डित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय,
अमामनाका, जी.ई. रोड,
रायपुर-492 010

सदस्य

प्रो. एस.एम. पटनायक,
मानव विज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-110 007

सदस्य

प्रो. अरुण कुमार,
मानव विज्ञान विभाग,
पण्डित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय,
अमामनाका, जी.ई. रोड,
रायपुर-492 010

सदस्य

डॉ. डी.के. लिम्बू,
मानव विज्ञान विभाग,
नार्थ-ईस्टर्न हिल यूनीवर्सिटी,
नेहू, शिलांग- 793 022

सदस्य

प्रो. मिताश्री मित्रा,
स्कूल ऑफ स्टडीज़ इन एन्थ्रोपोलॉजी,
पण्डित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय,
अमामनाका, जी.ई. रोड,
रायपुर-492 010

सदस्य

डॉ. शुभा रॉय,
मानव विज्ञान विभाग,
कलकत्ता विश्वविद्यालय,
कोलकाता

सदस्य

Nominated members

Prof. Vinay Shrivastava
Department of Anthropology
University of Delhi,
Delhi 110007

Member

Prof. A.K. Kapoor
Department of Anthropology
University of Delhi,
Delhi 110007

Member

Prof. Moyna Chakravarty
Department of Anthropology
Pt. Ravishankar Shukla University
Amamnaka, G.E. Road, Raipur 492010

Member

Prof. S.M. Patnaik,
Department of Anthropology
University of Delhi, Delhi 110007

Member

Prof. Arun Kumar,
School of Studies in Anthropology
Pt. Ravishankar Shukla University
Amamnaka, G.E. Road, Raipur 492010

Member

Dr. D.K. Limbu,
Department of Anthropology,
North-Eastern Hill University,
NEHU, Shillong 793022

Member

Prof. Mitashree Mitra
School of Studies in Anthropology
Pt. Ravishankar Shukla University
Amamnaka, G.E. Road, Raipur 492010

Member

Dr. Subho Roy,
Department of Anthropology,
Calcutta University,
25, Ballygunge Circular Road,
Kolkata 70019

Member

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की कार्यकारी परिषद के सदस्य
Members of the Executive Council of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti

<u>पदेन सदस्य</u>		Ex-officio members	
सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001	अध्यक्ष(पदेन)	The Secretary, Ministry of Culture, Government of India Shastri Bhawan, New Delhi -110001	Chairman (ex-officio)
संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001	उपाध्यक्ष(पदेन)	The Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India, Shastri Bhawan, New Delhi -110011	Vice-Chairman (ex-officio)
वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन)	The Financial Adviser, Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi	Member (ex-officio)
निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकता-700 016	सदस्य (पदेन)	The Director Anthropological Survey of India 27, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata-700016	Member (ex-officio)
महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व विज्ञान सर्वेक्षण, जनपथ, नई दिल्ली-110 011	सदस्य (पदेन)	The Director General, Archaeological Survey of India, Janpath, New Delhi-110011	Member (ex-officio)
निदेशक, नेशनल म्यूज़ियम ऑफ़ नेचुरल हिस्ट्री, ओल्ड सीबीआई बिल्डिंग, ब्लॉक-III, चतुर्थ मंजिल, नई दिल्ली-110 003	सदस्य (पदेन)	The Director, National Museum of Natural History, Old CBI Building, Block-III, 4 th Floor, New Delhi -110003	Member (ex-officio)
महानिदेशक भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकता-700 016	सदस्य (पदेन)	The Joint Secretary Ministry of Tribal Welfare Shastri Bhawan, New Delhi-110001	Member (ex-officio)
संयुक्त सचिव, जनजातीय कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन)	The Secretary, Department of Culture, Govt. of Madhya Pradesh, Mantralaya, Bhopal	Member (ex-officio)
सचिव, संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन, मंत्रालय, भोपाल	सदस्य (पदेन)		

सचिव,
जनजातीय कल्याण विभाग,
म.प्र. शासन, मंत्रालय,
भोपाल

सदस्य (पदेन)

The Secretary,
Department of Tribal Welfare,
Govt. of Madhya Pradesh,
Mantralaya, Bhopal

Member (ex-officio)

निदेशक
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शामला हिल्स, भोपाल

सदस्य-सचिव

The Director General,
Geological Survey of India,
27, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata-700016

Member (ex-officio)

नामित सदस्य

प्रो. विनय श्रीवास्तव,
मानव विज्ञान विभाग,
दिल्ली विश्व विद्यालय,
दिल्ली-110 007

सदस्य

Nominated Members

Prof. Vinay Shrivastava
Department of Anthropology
University of Delhi,
Delhi 110007

Member

डॉ. डी.के. लिम्बू,
मानव विज्ञान विभाग,
नार्थ ईस्टर्न हिल यूनीवर्सिटी,
नेहू, शिलांग- 793 022

सदस्य

Dr. D.K. Limbu,
Department of Anthropology,
North-Eastern Hill University,
NEHU, Shillong – 793022

Member

प्रो. मिताश्री मित्रा
स्कूल ऑफ स्टडीज़ इन एन्थ्रोपोलॉजी,
पण्डित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय,
अमामनाका, जी.ई. रोड,
रायपुर-492 010

सदस्य,

Dr. Mitashree Mitra,
School of Studies in Anthropology
Pt. Ravishankar Shukla University,
Amamnaka, GE Road,
Raipur 492010

Member

सचिव,
संस्कृति विभाग,
म.प्र. शासन, मंत्रालय,
भोपाल

सदस्य (पदेन)

The Director,
Indira Gandhi Rashtriya
Manav Sangrahalaya,
Shamla Hills,
Bhopal-462013

Member-Secretary

वित्तीय समिति के सदस्य
Members of Finance Committee

वित्तीय सलाहकार,
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली-110 001

अध्यक्ष (पदेन)

The Financial Adviser,
Ministry of Culture,
Government of India,
New Delhi-110001

Chairman
(ex-officio)

संयुक्त सचिव,
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-110 001

सदस्य(पदेन)

The Joint Secretary,
Ministry of Culture,
Government of India,
New Delhi-110001

Member
(ex-officio)

महानिदेशक,
भारतीय पुरातत्व विज्ञान सर्वेक्षण,
जनपथ,
नई दिल्ली-110 011

सदस्य (पदेन)

The Director,
Anthropological Survey of India,
27, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata -700016

Member
(ex-officio)

निदेशक,
भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण,
27, जवाहरलाल नेहरू रोड,
कोलकता-700 016

सदस्य (पदेन)

The Director General,
Archaeological Survey of India,
Janpath,
New Delhi-110011

Member
(ex-officio)

निदेशक
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,
शामला हिल्स, भोपाल

सदस्य (पदेन)

The Director,
Indira Gandhi Rashtriya
Manav Sangrahalaya
Shamla Hills Bhopal

Member (ex-officio)

Members of the Standing Committee

(Constituted in the 1st Meeting of Executive Council, RMSS held on 22nd November, 1985)

- | | |
|--|------------------|
| 1. Joint Secretary,
Ministry of Culture,
Govt. of India,
Shastri Bhawan,
New Delhi-110 001 | Chairman |
| 2. Financial Adviser,
Ministry of Culture,
Govt. of India,
Shastri Bhawan,
New Delhi-110 001 | Member |
| 3. Director,
Anthropological Survey of India,
27, Jawaharlal Nehru Road,
Kolkata-700 016 | Member |
| 4. Director,
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya
P.B. No.2, Shamlia Hills,
Bhopal | Member-Secretary |